दैनिक नवसंदेश

सबकी बात, रोजाना साथ

R.N.- UDYAM-BR-26-0012779

पटना : रविवार, 12 जुलाई, 2026 | वर्ष -01 | अंक-146 | पृष्ठ-14 | मूल्य : 01 रु. | ई मेल- dainiknavsandesh@gmail.com

संक्षिप्त खबरें

उन्नाव : सड़क हादसा में तीन की हुई मौत

उन्नाव। कानपुर-लखनऊ हाईवे पर दही थाना क्षेत्र स्थित रोडवेज वर्कशॉप के पास एक बेहद दर्दनाक और हैरान कर देने वाला हादसा सामने आया है. यहां एक रोडवेज बस के चालक की लापरवाही के कारण उसी बस में सवार तीन यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बस का कंडक्टर गंभीर रूप से घायल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार, रोडवेज बस ने पहले अपने आगे चल रहे एक डंपर में जोरदार टक्कर मार दी थी. टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि डंपर क्षतिग्रस्त हो गया. दुर्घटना के बाद बस में सवार कुछ यात्री और बस का कंडक्टर नीचे उतरकर देखने के लिए खड़े हो गए थे. इसी दौरान बस चालक ने अचानक अपने वाहन को बैक (पीछे) करना शुरू कर दिया।

भारतीय संगीत जगत की स्वर कोकिला एस जानकी का निधन

मैसूर। भारतीय सिनेमा की प्रसिद्ध पार्श्वगायिका और दक्षिण भारत की "स्वर कोकिला" के रूप में विख्यात एस. जानकी का शनिवार को कर्नाटक के मैसूर में निधन हो गया। वह 88 वर्ष की थीं। आयु संबंधी बीमारियों से पीड़ित एस. जानकी का उपचार चल रहा था, लेकिन आज उपचार के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली। 23 अप्रैल 1938 को आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले में जन्मी एस. जानकी ने वर्ष 1957 में पार्श्वगायन की शुरूआत की थी। इसके बाद छह दशकों से अधिक समय तक उन्होंने अपनी मधुर आवाज से करोड़ों संगीत प्रेमियों का दिल जीता।

विकसित बिहार के बिना विकसित भारत की परिकल्पना संभव नहीं : राधाकृष्णन

विस के सदस्यों के लिए अभिविन्यास-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन

गयाजी/पटना (एनएसबी)। गयाजी के बिपार्ड में शनिवार को आयोजित बिहार विधानसभा के सदस्यों के दो दिवसीय प्रबोधन कार्यक्रम का उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सय्यद अता हसनैन एवं मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, बिहार विधानपरिषद् के सभापति अवधेश नारायण सिंह, विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार एवं उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया।

बिहार को भारत की लोकतांत्रिक यात्रा का 'मार्गदर्शक' बताया

उपराष्ट्रपति ने बिहार विधानसभा और बिहार विधान परिषद के पीठासीन अधिकारियों और लोकसभा सचिवालय स्थित पीआरआईडीई की इस पहल की सराहना करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम विधायकों को उनके संवैधानिक दायित्वों का प्रभावी ढंग से निर्वहन करने में सक्षम बनाकर लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत करते हैं। गयाजी में कार्यक्रम आयोजित करने के लिए अध्यक्ष को धन्यवाद देते हुए उन्होंने कहा कि इस पहल ने प्रतीकात्मक रूप से पटना को गयाजी तक ला दिया है। वैशाली गणराज्य की प्राचीन परंपराओं का जिक्र करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि लोकतंत्र की जड़ें भारत में गहरी हैं, जिसे सही मायने में लोकतंत्र की जननी कहा जाता है। उन्होंने बिहार को भारत की लोकतांत्रिक यात्रा का मार्गदर्शक बताया और विधायकों से इसकी गौरवशाली विरासत को कायम रखने का आग्रह किया। भगवान बुद्ध की भूमि से प्रेरणा लेते हुए उन्होंने कहा कि सच्चा ज्ञान इस बात को समझने में निहित है कि जन प्रतिनिधियों को शासन करने के लिए नहीं, बल्कि सेवा करने के लिए चुना जाता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विकसित बिहार के बिना विकसित भारत संभव नहीं है और विधायकों से बिहार को रोजगार और विकास का केंद्र बनाने और अन्य राज्यों से प्रवासी श्रमिकों को आकर्षित करने के लिए अवसर पैदा करने की दिशा में काम करने का आह्वान किया। उपराष्ट्रपति ने विधायकों को याद दिलाते हुए कहा कि चुनाव दलगत आधार पर लड़े जाते हैं, लेकिन शासन को राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठना चाहिए। उन्होंने कहा कि चुनाव वोटों से जीते जाते हैं, लेकिन जनता का सम्मान और विश्वास केवल निस्वार्थ सेवा से अर्जित किया जाता है, सत्ता से नहीं। उपराष्ट्रपति ने कहा कि लोकतंत्र में मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन संविधान और जन कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता सर्वोपरि रहनी चाहिए। उन्होंने कहा, विधानसभा में विचार भिन्न हो सकते हैं, लेकिन संविधान हमारा साझा मार्गदर्शक बना रहना चाहिए। उन्होंने सदस्यों से कृत्रिम बुद्धिमत्ता, प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण और नेशनल ई-विधान एप्लीकेशन (नेवा) जैसी डिजिटल विधायी पहलों जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों को अपनाने का भी आह्वान किया ताकि विधायी कार्यप्रणाली अधिक कुशल, पारदर्शी और नागरिक-केंद्रित बन सके। उपराष्ट्रपति ने कहा कि राजनीति में धैर्य और दृढ़ता की आवश्यकता होती है।

सक्षम विधायक, सशक्त विधानसभा ही समृद्ध बिहार की आधारशिला : सीएम

गयाजी/पटना (एनएसबी)। प्रबोधन कार्यक्रम को संबोधित करते हुये सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि सक्षम विधायक और सशक्त विधानसभा ही समृद्ध बिहार की आधारशिला हैं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की सफलता जनप्रतिनिधियों की क्षमता, जवाबदेही और जनसेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता पर निर्भर करती है।

सीएम ने कहा कि विधायकों को जनता ने विश्वास और अपेक्षाओं के साथ विधानसभा में भेजा है। ऐसे में प्रत्येक विधायक का दायित्व है कि वह अपने क्षेत्र की समस्याओं, जनता की आकांक्षाओं तथा विकास से जुड़े मुद्दों को पूरी तैयारी, तथ्यों एवं सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ सदन में उठाएं। उन्होंने सभी सदस्यों से विधानसभा की कार्यप्रणाली, नियमों और संसदीय परंपराओं का गहन अध्ययन करने का आग्रह किया ताकि वे लोकतांत्रिक संस्थाओं को और अधिक प्रभावी बना सकें। सीएम ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए सत्ता और विपक्ष दोनों की रचनात्मक एवं सकारात्मक भूमिका आवश्यक है। स्वस्थ संवाद, सार्थक विमर्श और जनहित को सर्वोपरि रखने की भावना ही विधानसभा की गरिमा को बढ़ाती है तथा राज्य के विकास को नई गति देती है। उन्होंने कहा कि विधानसभा सत्र के दौरान अधिक से अधिक समय सदन को दें। सीएम ने आगे कहा कि पीएम मोदी के विकसित भारत के संकल्प एवं पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के समृद्ध बिहार के सपने को साकार करने के लिए सभी जनप्रतिनिधियों को मिलकर कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना केवल सरकार ही नहीं, बल्कि प्रत्येक जनप्रतिनिधि की भी जिम्मेदारी है। उद्घाटन सत्र के पश्चात उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, राज्यपाल, मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, बिहार सरकार के मंत्री, विधायकगण ने संयुक्त रूप से तस्वीर खिंचवाई। इसके पहले बिहार विधानसभा के सदस्यों के लिये दो दिवसीय प्रबोधन कार्यक्रम में भाग लेने के लिये गयाजी पहुंचने पर उप राष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन का मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने गयाजी अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा पर पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत किया।

अरवल : डंफर और टेम्पो में सीधी टक्कर, चार की मौत

एनएच-139 पर मधुबन के समीप हुआ हादसा

मृतकों में परासी गांव निवासी दंपति भी शामिल

महेन्दिया (एनएसबी)। अरवल जिला अंतर्गत परासी थाना क्षेत्र के लोगों के लिए शनिवार का दिन बेहद दर्दनाक साबित हुआ। एक ही टेंपो पर सवार परासी थाना क्षेत्र के तीन लोगों की सड़क हादसे में मौत हो गई। मधुबन के समीप टेंपो और ट्रक की आमने-सामने हुई टक्कर में यह हादसा हुआ, जिसके बाद पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। मृतकों में परासी गांव निवासी राजगीर राम, उनकी पत्नी मनीषा देवी,गुल्ली बिगहा ग्राम निवासी अमरजीत कुमार शामिल हैं। बताया जाता है कि राजगीर राम अपनी पत्नी के साथ किसी कार्य से अरवल जा रहे थे। उसी टेंपो में गुल्ली बिगहा गांव निवासी अमरजीत कुमार भी सवार थे। मधुबन के समीप ट्रक से टेंपो की भीषण टक्कर हो गई, जिसमें तीनों की मौत हो गई।

ग्रामीणों ने बताया कि राजगीर राम के दो छोटे-छोटे बच्चे हैं। माता-पिता की एक साथ मौत के बाद दोनों बच्चों के सिर से ममता और संरक्षण का साया उठ गया। परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है और बच्चों के भविष्य को लेकर परिजन चिंतित हैं। वहीं, अमरजीत कुमार के संबंध में ग्रामीणों ने बताया कि चार दिन पहले उनकी भतीजी प्रीति कुमारी की ठनका गिरने से मौत हो गई थी। उसी घटना के कारण वे अरवल से अपने गांव आए थे। शनिवार को वह वापस अरवल लौट रहे थे और उसी टेंपो में सवार थे, जो हादसे का शिकार हो गया। अमरजीत कुमार के भी छोटे-छोटे बच्चे हैं, जिनके सिर से पिता का साया उठ गया। लगातार कुछ ही दिनों के भीतर एक ही क्षेत्र के परिवारों पर आई इस दोहरी त्रासदी ने पूरे परासी थाना क्षेत्र को गमगीन कर दिया है।

बांका में डबल मर्डर के आरोपी का एनकाउंटर, पैर में लगी गोली

बांका (एनएसबी)। बांका जिले के चर्चित अमरपुर डबल मर्डर केस में पुलिस को बड़ी सफलता मिली. दोहरे हत्याकांड के मुख्य आरोपी सचिन सिंह को गिरफ्तार करने के बाद हथियार बरामदगी के लिए ले जाया जा रहा था।

इसी दौरान उसने पुलिस टीम पर फायरिंग कर भागने की कोशिश की। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली उसके पैर में लगी. घायल आरोपी को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया. इस पूरे घटनाक्रम की पुष्टि बांका के एसपी अमितेश कुमार ने की है. पुलिस के मुताबिक, सचिन सिंह की गिरफ्तारी के बाद उससे पूछताछ की जा रही थी. हथियार बरामद करने के लिए उसे घटनास्थल के आसपास ले जाया गया. जहां उसने पुलिस टीम पर गोली चला दी और भागने का प्रयास किया. आत्मरक्षा में पुलिस ने जवाबी फायरिंग की, जिसमें उसके पैर में गोली लगी. फिलहाल उसका इलाज चल रहा है और पुलिस पूरे मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है. इस डबल मर्डर केस में पुलिस अब अन्य आरोपियों की तलाश में भी लगातार छापेमारी कर रही है. अधिकारियों का कहना है कि घटना में शामिल सभी लोगों को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

अंबानी समूह पर ईडी की कार्रवाई

1,021 करोड़ की नई संपत्तियां जब्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शनिवार को कहा कि उसने रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड (आरएचएफएल) और रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड (आरसीएफएल) से जुड़े मामले में 1,021 करोड़ रुपए की नई संपत्तियां अटैच (कुर्क) की हैं। इसके साथ ही रिलायंस अनिल अंबानी समूह से जुड़े मामलों में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत अब तक अटैच की गई कुल संपत्तियों का मूल्य बढ़कर 20,367 करोड़ रुपए हो गया है। ईडी ने बताया कि आरएचएफएल और आरसीएफएल के खिलाफ जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा कई सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के बैंकों की शिकायतों पर दर्ज की गई एफआईआर के आधार पर शुरू की गई थी। ईडी के एक बयान के अनुसार, अब तक की जांच में पता चला है कि आरएचएफएल और आरसीएफएल द्वारा जुटाए गए 15,548 करोड़ रुपए के सार्वजनिक धन को रिलायंस अनिल अंबानी समूह के नियंत्रण वाली शेल और समूह कंपनियों के जाल के माध्यम से व्यवस्थित तरीके से डायवर्ट किया गया।

वियतनाम नाव हादसा : तमिलनाडु के 10 समेत 15 भारतीय पर्यटकों की मौत

हादसे में 23 लोगों को बचाया गया

वियतनाम सरकार ने दिए जांच के आदेश

हनोई/नई दिल्ली (एजेंसी)। वियतनाम के लोकप्रिय पर्यटन स्थल फु-क्वोक द्वीप के निकट शनिवार को भारतीय पर्यटकों को लेकर जा रही एक स्पीडबोट पलटने से 15 भारतीय पर्यटकों की मौत हो गई। मृतकों में तमिलनाडु के 10, आंध्र प्रदेश के 3 और केरल के 2 पर्यटक शामिल हैं। हादसे में 23 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया, जिनका स्थानीय अस्पतालों में उपचार चल रहा है। जानकारी के अनुसार, नाव में 32 भारतीय पर्यटक और चालक दल के सदस्य सवार थे। स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब एक बजे फु-क्वोक द्वीप के समीप समुद्र में यह हादसा हुआ। दुर्घटना के बाद वियतनाम की सीमा सुरक्षा बल, नौसेना, तटरक्षक बल और

अन्य एजेंसियों ने संयुक्त रूप से बड़े पैमाने पर राहत एवं बचाव अभियान चलाया। इस अभियान में दो बचाव नौकाओं और 35 जवानों को तैनात किया गया।

वियतनाम सरकार ने दिए जांच के आदेश : हादसे के बाद वियतनाम सरकार ने दुर्घटना के कारणों की तत्काल जांच कराने और राहत कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। सरकार ने विदेश मंत्रालय को भारतीय दूतावास और

पीएम मोदी ने हादसे पर जताया गहरा शोक

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए एक्स पर लिखा, "वियतनाम के फु-क्वोक के पास भारतीय नागरिकों से जुड़ी नाव दुर्घटना की दुखद खबर से अत्यंत व्यथित हूं। जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।" उन्होंने कहा कि भारत का दूतावास और महावाणिज्य दूतावास प्रभावित भारतीयों को हरसंभव सहायता उपलब्ध करा रहे हैं तथा भारतीय अधिकारी वियतनाम प्रशासन के साथ लगातार संपर्क में हैं।

पटना में लगातार 8 घंटे से भारी बारिश 27 जिलों में अलर्ट

पटना (एनएसबी)। बिहार में इन दिनों मानसून लगातार सक्रिय है. मौसम विभाग ने शनिवार को राज्य के 27 जिलों के लिए भारी बारिश का बड़ा अलर्ट जारी किया है. इसमें 19 जिलों में ऑरेंज अलर्ट और 8 जिलों में येलो अलर्ट दिया गया है. इन क्षेत्रों में गरज-चमक के साथ तेज बारिश होने की संभावना है. साथ ही 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का भी अनुमान है। ऑरेंज अलर्ट वाले जिलों में पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सिवान, सारण, बक्सर, भोजपुर, कैमूर, रोहतास, अरवल, औरंगाबाद, पटना, जहानाबाद, गया, नालंदा, नवादा, शेखपुरा, बेगूसराय और लखीसराय शामिल हैं. इन जगहों पर भारी बारिश के साथ आकाशीय बिजली गिरने और तेज हवाओं का खतरा है. वहीं येलो अलर्ट वाले जिलों में शिवहर, सीतामढ़ी, मुजफ्फरपुर, मधुबनी, दरभंगा, सुपौल, अररिया और किशनगंज शामिल हैं।

मैं 25 साल पुराना मफलर पहनकर न्यूजीलैंड आया हूं : पीएम मोदी

यहीं मुझे गिफ्ट मिला था, हमारे लिए देश की जनसंख्या नहीं उनकी भावना मायने रखती है

ऑकलैंड (एनएसबी)। द्धपीएम मोदी ने शनिवार को न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में भारतीय समुदाय को संबोधित किया। इस दौरान पीएम ने करीब तीन दशक पुराना किस्सा सुनाया।

पीएम ने कहा- 25-30 साल पहले जब मैं किसी सरकार का हिस्सा नहीं था, तब मुझे यहां आने का मौका मिला था। उस समय मुझे किसी ने गिफ्ट में 3 चीजें दीं, जो मैं भारत लेकर गया। एक- मफलर, दूसरी- कैप और तीसरा- एक सेट दस्ताना। उसमें भी एक चीज मैं अभी यहां इस कार्यक्रम में भी लेकर आया हूं। इस मफलर को मैंने कई बार इस्तेमाल किया और आज भी संभाल कर रखा है। पीएम ने आगे कहा कि हमारे लिए सामने वाले देश की जनसंख्या नहीं, जनकल्याण की भावना मायने रखती है। और इसलिए हमने न्यूजीलैंड से भी बहुत कुछ सीखा है और अब भी सीख रहे हैं। इस कार्यक्रम के बाद मोदी भारत के लिए रवाना हो गए।

जाली नोट का बड़ा खुलासा

सीवान में महिला के घर चल रहा था 'फर्जी करेंसी फैक्ट्री'

5.45 लाख रुपए के नकली नोट जब्त

सीवान (एनएसबी)। सक्रिय पुलिसिंग के तहत सीवान पुलिस ने जाली भारतीय मुद्रा के अवैध कारोबार का बड़ा खुलासा करते हुए मैरवा थाना क्षेत्र के पंडितपुरा गांव में संचालित एक कथित 'फर्जी करेंसी फैक्ट्री' का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने छापेमारी कर 5.45 लाख रुपये के जाली भारतीय नोट, 88 हजार रुपये नकद, नोट छापने में प्रयुक्त प्रिंटर मशीन तथा अन्य उपकरण बरामद किए हैं। मामले में गिरोह की एक महिला सदस्य को गिरफ्तार किया गया है, जबकि उसके अन्य सहयोगियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। एसपी पुरन कुमार झा ने शनिवार रात पत्रकार वार्ता में बताया कि 11 जुलाई सुबह को मैरवा थाना पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि पंडितपुरा गांव के एक घर में जाली भारतीय मुद्रा छापने और उसकी सप्लाई का अवैध कारोबार चल रहा है। सूचना मिलते ही अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर-2 गौरी कुमारी के नेतृत्व में विशेष टीम गठित कर छापेमारी की गई।

सुप्रीम कोर्ट महाराष्ट्र से बोला-आपको पब्लिक में बेनकाब करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने जमानत का विरोध करने, लेकिन मुकदमों की सुनवाई में तेजी नहीं लाने पर महाराष्ट्र सरकार को कड़ी फटकार लगाई है। कोर्ट ने कहा कि राज्य सरकार हर मामले में जमानत का विरोध करती है, लेकिन ट्रायल जल्द पूरा कराने के लिए जरूरी कदम नहीं उठाती। कोर्ट ने चेतावनी दी कि अगर यही स्थिति रही तो वह सरकार को पब्लिक में बेनकाब करेगा। पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस शील नागू की बेंच एक विदेशी नागरिक की जमानत याचिका पर सुनवाई कर रही थी। आरोपी अपहरण और हत्या के मामले में गिरफ्तार है।

ई-निबंधन पोर्टल पर आवेदन के बाद मोबाइल रजिस्ट्रेशन यूनिट आएगी घर

75 से अधिक आयु के लोगों को घर बैठे डिजिटल रजिस्ट्री की सुविधा : सम्राट

15 से 213 नये डिग्री कॉलेजों की होगी शुरुआत : सीएम

पटना (एनएसबी) : वरिष्ठ नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बिहार सरकार ने एक महत्वपूर्ण डिजिटल पहल शुरू की है। इसके तहत अब 75 वर्ष या उससे अधिक उम्र के नागरिक घर बैठे जमीन, प्लॉट या फ्लैट का निबंधन करा सकेंगे। हाजीपुर के निबंधन कार्यालय से शनिवार को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग की इस नई व्यवस्था का शुभारंभ किया।

इस संवेदनशील पहल से बुजुर्गों को अब निबंधन कार्यालय जाने, लंबी लाइन में खड़े होने या यात्रा की परेशानी नहीं होगी। वे अपनी सुविधा अनुसार घर पर ही निबंधन करा सकेंगे। वरिष्ठ नागरिकों को घर बैठे निबंधन कराने के लिए सबसे पहले विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर ऑनलाइन स्लॉट बुक करना होगा। स्लॉट मिलने के बाद मोबाइल रजिस्ट्रेशन यूनिट तय तारीख और समय पर आवेदक के घर पहुंचेगी और वहीं वहां दस्तावेजों का सत्यापन, बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन और त्वरित निबंधन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। मोबाइल यूनिट में इंटरनेट युक्त लैपटॉप, बायोमेट्रिक डिवाइस, वेबकैम और आधार प्रमाणीकरण की व्यवस्था रहेगी। निबंधन प्रक्रिया के बाद दस्तावेजों का पीडीएफ रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर एसएमएस के माध्यम से भेज दिए जाएंगे। इच्छुक बुजुर्ग पुरानी व्यवस्था के तहत निबंधन कार्यालय में जाकर भी निबंधन करा सकते हैं। स्लॉट बुकिंग के समय नागरिकों को आधार कार्ड की फोटो अपलोड करनी होगी, जिससे आयु की पुष्टि होगी। पूरी प्रक्रिया अत्यंत सुरक्षित, पारदर्शी और डिजिटल है। फिलहाल यह सुविधा 10 निबंधन कार्यालयों में शुरू की गई है। शीघ्र ही इसे पूरे राज्य में विस्तार दिया जाएगा। विभाग ने पेपरलेस निबंधन की भी शुरूआत की है। ई-निबंधन सॉफ्टवेयर से दस्तावेज तैयार होंगे, शुल्क की स्वचालित गणना, ई-चालान, ई-स्टांप और आधार आधारित ई-साइन की व्यवस्था रहेगी। इसके अलावा, निबंधन से पहले खरीदार को संपत्ति की पूरी जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी।

गर्दनीबाग ठाकुरबाड़ी से निकलेगी भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा, मुख्यमंत्री करेंगे शुभारंभ

पटना (दैनिक नवसंदेश)। बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद की ओर से आषाढ़ शुक्ल द्वितीया गुरुवार 16 जुलाई को गर्दनीबाग ठाकुरबाड़ी से भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा निकलेगी। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी 16 जुलाई को गर्दनीबाग ठाकुरबाड़ी से प्रारंभ होने वाली जगन्नाथ रथयात्रा का अपराह्न दो बजे शुभारंभ करेंगे। इस संबंध में बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद के अध्यक्ष पूर्व विधान पार्षद प्रोफेसर रणबीर नंदन ने बताया कि बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद की ओर से रथयात्रा का समय 3 बजे निर्धारित है। रथयात्रा की आरती और झाड़ू लगाकर शुरुआत करने के लिए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को आमंत्रित किया गया है।

बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद की ओर से आयोजित गर्दनीबाग ठाकुरबाड़ी से निकलने वाली रथयात्रा की तैयारी में श्री राधा कुंज बिहारी मठ के संत-महात्मा लगे हुए हैं हैं। भगवान जगन्नाथ के साथ बलदेव व सुभद्रा के काष्ठ का विग्रह जगन्नाथपुरी से आया है। जबकि 40 फीट उंचा हाइड्रोलिक रथ बेगूसराय से मंगाया गया है। इसकी जागरूकता के लिए 14 से 15 जुलाई तक दिन के तीन बजे से संध्या 6 बजे तक गर्दनीबाग ठाकुरबाड़ी में भगवान जगन्नाथ की महाकथा होगी। जगन्नाथ महकथा के मंच पर भगवान का उत्सव विग्रह मौजूद रहेगा। परमपूज्य भक्ति प्रमोद भागवत स्वामी महाराज कथा सुनाएंगे। वही 16 जुलाई को जगन्नाथ महकथा एक से ढाई बजे तक होगी। महाकथा के बाद हरदिन भक्तों के बीच प्रसाद का वितरण किया जाएगा। पूजा-आरती के बाद

जगन्नाथपुरी से भगवान का विग्रह व बेगूसराय से मंगाया 40 फीट ऊंचा हाइड्रोलिक रथ

14 से 16 जुलाई तक होगी भव्य जगन्नाथ महाकथा

3 बजे से रथयात्रा निकलेगी। जो गर्दनीबाग, मिठापुर, अनीसाबाद, कच्ची तालाब, बेउर मोड़ होते हुए वापस गर्दनीबाग ठाकुरवाड़ी पहुंचेगी। वहाँ भगवान की आरती के बाद भगवान को छप्पन भोग प्रसाद अर्पित करने के बाद विशाल भंडारा का आयोजन किया जाएगा।

बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद के अध्यक्ष प्रो़ रणवीर नंदन ने बताया कि रथयात्रा के लिए बंगाल के मायापुर के मृदंग वादक और वृंदावन की कीर्तन मंडली मुख्य आकर्षण होंगे। प्रो रणबीर नंदन ने कहा कि शास्त्रों में कहा गया है कि जो व्यक्ति एक बार भगवान जगन्नाथ को रथ पर विराजमान देखता है या रथ की रस्सी को स्पर्श करता है वह जन्म मृत्यु के चक्र से बाहर निकलने के योग्य हो जाता है। उन्होंने बताया कि सामान्यतः भक्त भगवान के दर्शन के लिए मंदिर जाते हैं। लेकिन, रथयात्रा में भगवान स्वयं मंदिर से निकल भक्तों को दर्शन देते हैं। जो व्यक्ति किसी कारण मंदिर नहीं जा सकता, उसे भी भगवान दर्शन देते हैं। रथ खींचने का अर्थ है कि जीवन को भगवान की इच्छा के अनुसार चलाने का संकल्प लें। पुराणों में वर्णित है कि जो श्रद्धा और भक्ति से भगवान के रथ को खींचता है, उसके कई जन्मों के पापकर्म क्षीण होते हैं। रथयात्रा में कोई रथ खींचता है, कोई कीर्तन करता है, कोई प्रसाद बांटता है, कोई सफाई करता है, कोई जल सेवा करता है। वैष्णव दर्शन के अनुसार भगवान की सेवा का प्रत्येक रूप आध्यात्मिक उन्नति का साधन है।

वहीं राधा कुंज बिहारी मठ के अध्यक्ष रक्षक गिरधारी दास ने बताया कि रथयात्रा में भगवान की लीला पर आधारित झांकियों के साथ पूरे रास्ते रंगोली बनेगी और पुष्प वर्षा भी होगी। उन्होंने बताया कि 14 और 15 जुलाई को भगवान जगन्नाथ की कथा 3 बजे से और 16 को दिन के 1 बजे से होगी। 14-15 को हलवा, खीर और 16 जुलाई की शाम में चावल-दाल-सब्जी आदि का भंडारा होगा।

75 वर्ष से अधिक उम्र के नागरिक अब घर बैठे करा सकेंगे संपत्ति का निबंधन

दैनिक नवसंदेश

पटना। बिहार सरकार ने वरिष्ठ नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए महत्वपूर्ण डिजिटल पहल शुरू की है। अब 75 वर्ष या उससे अधिक उम्र के नागरिक घर बैठे जमीन, प्लॉट या फ्लैट का निबंधन करा सकेंगे। हाजीपुर के निबंधन कार्यालय से शनिवार को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग की इस नई व्यवस्था का शुभारंभ किया। यह सुविधा सात निश्चय-3 के अंतर्गत 'सबका सम्मान, जीवन आसान' कार्यक्रम के तहत शुरू की गई है। इस संवेदनशील पहल से बुजुर्गों को अब निबंधन कार्यालय जाने, लंबी लाइन में खड़े होने या यात्रा की परेशानी नहीं होगी। वे अपनी सुविधा अनुसार घर पर ही निबंधन करा सकेंगे।

ई-निबंधन पोर्टल पर स्लॉट बुक

घर बैठे निबंधन कराने के लिए वरिष्ठ

ई-निबंधन पोर्टल पर करना होगा आवेदन, स्लॉट मिलने के बाद मोबाइल रजिस्ट्रेशन यूनिट आएगी बुजुर्ग नागरिक के घर

नागरिकों को सबसे पहले विभाग की आधिकारिक वेबसाइट https://eni-bandhan.bihar.gov.in/ पर अनलाइन स्लॉट बुक करना होगा। स्लॉट मिलने के बाद मोबाइल रजिस्ट्रेशन यूनिट तय तारीख और समय पर आवेदक के घर पहुंचेगी। वहां दस्तावेजों का सत्यापन, बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन और त्वरित निबंधन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। मोबाइल यूनिट में इंटरनेट युक्त लैपटप, बायोमेट्रिक डिवाइस, वेबकैम और आधार प्रमाणीकरण की व्यवस्था रहेगी। निबंधन प्रक्रिया होने के बाद दस्तावेजों का पीडीएफ रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर एसएमएस के माध्यम से भेज दिए जाएंगे। यह सुविधा पूरी तरह वैकल्पिक है। इच्छुक बुजुर्ग पुरानी व्यवस्था के तहत निबंधन कार्यालय में जाकर भी निबंधन करा सकते हैं।

स्लॉट बुकिंग के लिए आधार अनिवार्य

स्लॉट बुकिंग के समय नागरिकों को आधार कार्ड की फोटो अपलोड करनी होगी, जिससे आयु की पुष्टि की जाएगी। पूरी प्रक्रिया अत्यंत सुरक्षित, पारदर्शी और डिजिटल है। फिलहाल यह सुविधा पटना और हाजीपुर के 10 निबंधन कार्यालयों में शुरू की गई है। शीघ्र ही इसे पूरे राज्य में विस्तार दिया जाएगा। इसके साथ ही विभाग ने पेपरलेस निबंधन की भी शुरुआत की है। ई-निबंधन सॉफ्टवेयर से दस्तावेज तैयार होंगे, शुल्क की स्वचालित गणना, ई-चालान, ई-स्टांप और आधार आधारित ई-साइन की व्यवस्था रहेगी। इसके अलावा, निबंधन से पहले खरीदार को संपत्ति की पूरी जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। यदि कोई जानकारी चाहिए तो अंचल अधिकारी या राजस्व अधिकारी 10 दिनों के अंदर विवरण देंगे। विभाग ने

यह कहना है लोगों का...

शेखपुरा निवासी सर्वनंदन कुमार ने सरकार की बुजुर्ग नागरिकों की सहूलियत वाले कदम की सराहना की। उन्होंने इस व्यवस्था को बुजुर्गो के लिए वरदान बताया और कहा कि उम्र बढ़ने के बाद लंबा सफर तय करना, कार्यालयों में लाइन लगाना और शारीरिक परेशानी होती है, जो घर बैठे निबंधन कराने से नहीं होगी।

फुलवारी शरीफ के गंजा चक मोहमद्दपुर गांव निवासी शिवकुमार सिंह ने कहा कि बुजुर्गो को आने-जाने में बहुत दिक्कत होती है। साथ ही सफर करने से उनके तबियत पर भी असर हो सकता है। घर बैठे निबंधन की यह सुविधा मिलने से उन्हें बड़ी राहत मिलेगी। यह योजना वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान और सुविधा के लिए उचित है।

वैशाली के पातेपुर पंचायत निवासी रातिब कुमार ने कहा कि यह ऐतिहासिक कदम है। इससे वृद्ध लोगों को काफी सुविधा होगी। उन्हें लाइन में लगने और कार्यालय के इंतजार करने जैसी तमाम परेशानियों से छुटकारा मिल गया है। सरकार के इस उल्लेखनीय कदम के दूरगामी परिणाम देखने को मिलेंगे।

हाजीपुर के रहने वाले अशर्फी सिंह ने सरकार के इस पहल को सराहनीय बताते हुए कहा कि इससे निबंधन कार्यालय में बड़ी सहूलियत मिलेगी। वृद्धजनों को बड़ी राहत मिलेगी और उन्हें घर बैठे ही तमाम सुविधाओं का लाभ मिलेगा।

पटना निवासी सज्जन कुमार ने कहा कि इस पहल से वृद्धजनों को परेशानी से छुटकारा मिलने के साथ ही पैसे की भी बचत होगी। कम समय में बिना किसी झंझट के काम हो सकेगा।

निकटतम सरकारी अस्पतालों में मरीजों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने पर जोर

पटना (दैनिक नवसंदेश)। राज्य में सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुढ़, पारदर्शी एवं मरीज-केंद्रित बनाने की दिशा में स्वास्थ्य विभाग ने सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों के लिए रेफरल व्यवस्था को मजबूत करने संबंधी विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। यह पहल सात निश्चय-3 के अंतर्गत संचालित ष्सुलभ स्वास्थ्य, सुरक्षित जीवनष संकल्प को प्रभावी ढंग से धरातल पर उतारने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि मरीजों को उनके निकटतम सरकारी स्वास्थ्य संस्थान में ही गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध हो तथा अनावश्यक रेफरल पर प्रभावी रोक लगाई जा सके।

स्वास्थ्य मंत्री निशांत द्वारा समीक्षा बैठकों के दौरान स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि मरीजों को बिना पर्याप्त कारण उच्च संस्थानों के लिए रेफर नहीं किया जाए। माननीय स्वास्थ्य मंत्री के अनुसार जिला अस्पतालों एवं अन्य सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में उपलब्ध संसाधनों, विशेषज्ञ चिकित्सकों तथा आधुनिक सुविधाओं का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जाए, ताकि आम लोगों को अपने जिले में ही बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी नए दिशा-निर्देश इन्हीं निर्देशों को प्रभावी रूप से लागू करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल हैं। स्वास्थ्य विभाग के सचिव द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार मरीजों को स्थानीय स्तर पर बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना और केवल आवश्यकता पड़ने पर ही उच्च संस्थानों में रेफर करना सुनिश्चित करने की व्यवस्था सभी सिविल सर्जन द्वारा किया जाना है।

इस व्यवस्था के तहत भव्या पोर्टल में दुर्घटना एवं इमरजेंसी में आने वाले सभी मरीजों की संपूर्ण उपचार प्रक्रिया डिजिटल रूप से दर्ज की जाएगी। मरीजों का पंजीकरण, चिकित्सकीय परामर्श, जांच, दवा, रेफरल एवं उपचार संबंधी सभी विवरण भव्या पोर्टल पर उपलब्ध रहेंगे। भर्ती मरीजों का आईडी बनाकर उनका इलेक्ट्रनिक हेल्थ रिकर्ड तैयार किया जाएगा, जिससे भविष्य में उपचार और अधिक सुगम एवं प्रभावी होगा। निर्देशों में सभी जिला अस्पतालों में सात दिनों के भीतर आईसीयू एवं 24़7 इमरजेंसी सेवाओं के प्रभावी संचालन, चिकित्सकों एवं पारा मेडिकल कर्मियों के भव्या पोर्टल पर पंजीकरण, ड्यूटी रोस्टर की अनलाइन प्रविष्टि तथा सभी उपलब्ध चिकित्सीय सुविधाओं की अद्यतन जानकारी दर्ज करने को अनिवार्य किया गया है।

राष्ट्रीय वैश्य महासभा कराएगी प्रखंड जिला और प्रदेश स्तर तक चुनाव

पटना (दैनिक नवसंदेश)। वैश्य समाज के विभिन्न संगठनों ने मिलकर राष्ट्रीय वैश्य महासभा के बैनर तले एकजुटता दिखाते हुए रविवार को राजधानी के बाबू जगजीवन राम संसदीय शोध संस्थान में महासभा के बैनर तले प्रखंड, जिला व प्रदेश स्तर तक चुनाव कराने का निर्णय लिया है। महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मंत्री समीर महासेठ ने कहा कि इसी चुनावी प्रक्रिया की तैयारी के लिए बैठक सह प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया है। बैठक में महासभा समन्वय समिति के सभी सदस्य एवं विभिन्न जिलों से जिला समन्वयक व आब्जर्बर ने हिस्सा लिया। इस मौके पर चुनावी प्रक्रिया को अंजाम देने के लिए बनाए गए प्रारूप को सबके सामने रखा गया। प्रारूप पर सभी सदस्यों से आपत्ति एवं सुझाव मांगा गया।

महासभा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष ड. जगन्नाथ गुप्ता ने कहा कि हम सबने सभी वैश्य समाज के विभिन्न संगठनों को सहमति के साथ एक किया है। यह एकता का सिलसिला अब लगातार आगे बढ़ता जाएगा। आने वाले एक वर्ष के भीतर हम संगठन सृजन की प्रक्रिया पूरा कर लेंगे। बिहार के वैश्य समाज सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक, राजनीति व सांस्तिक रूप से सशक्त हो यही हमारा सर्वोत्तम लक्ष्य है।

वहीं चुनाव समिति के अध्यक्ष सुंदर साहू ने कहा कि एक सप्ताह के भीतर आपत्ति और सुझाव को ध्यान में रखते हुए चुनाव

बैठक सह प्रशिक्षण शिविर में लिया गया निर्णय

समिति के अन्य सदस्यों के साथ चर्चा करके अंतिम निर्णय लेते हुए चुनाव की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाएगा। महासभा के प्रदेश अध्यक्ष ड़ पीके चौधरी ने कहा कि हम सभी का लक्ष्य है कि वैश्य समाज के सभी संगठनों को एकजुट कर एक लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत चुनावी विधि से संगठन निर्माण कराना है। वहीं समन्यव समिति के चेयरमैन कमल नोपानी ने कहा कि समन्वय समिति का निर्णय है कि पूरे बिहार में वैश्य समाज की ताकत को एकजुट कर सामाजिक और राजनीतिक एकजूटता में तब्दील करना है।

महासभा के प्रदेश युवा अध्यक्ष मंजीत आनन्द साहू ने कहा कि युवाओं के भविष्य महिलाओं की भागीदारी और छात्रों को उसका हक यह तीन कड़ी को मजबूती देकर समाज के सभी हिस्सों का विकास संभव है। जब तक हम युवाओं, महिलाओं और छात्रों के विकास के लिए नीतियों के निर्माण की वकालत नहीं करेंगे, तब तक समाज का सम्यक विकास संभव नहीं है। महिला अध्यक्ष स्मिता पूर्वे ने कहा कि आज महिलाओं को समाज और संगठन से जोड़ना हम सबकी चुनौती है। उन्होंने सबसे अपील किया कि आप सभी भी अपने घरों की महिलाओं को समाज और संगठन से जोड़ने की दिशा में पहल करें।

पाटलिपुत्र विधानसभा उप निर्वाचन के मद्देनजर शस्त्रों का सत्यापन 16 से 18 जुलाई तक

पटना (दैनिक नवसंदेश)। बांकीपुर विधानसभा उप निर्वाचन के मद्देनजर क्षेत्र के सभी शस्त्र अनुज्ञप्तिधारियों के शस्त्र एवं कारतूस का भौतिक निरीक्षण किया जाना है जिसके लिए शस्त्रों का भौतिक सत्यापन गांधी मैदान, कदमकुआं, कंकड़बाग, जक्कनपुर, कोतवाली, बुद्धा कलोनी, गर्दनीबाग, बेउर एवं श्रीकृष्णापुरी थाने में 16 से 18 जुलाई के बीच होगा। जिला दंडाधिकारी कुन्दन कुमार ने सभी शस्त्र अनुज्ञप्तिधारियों को निदेश दिया कि निर्धारित अवधि में 12:00 बजे अपराह्न से शाम पांच बजे तक संबंधित थाने में पहुंच कर अपने आगेयाशस्त्रों का निश्चित रूप से भौतिक सत्यापन करा लें। शस्त्र एवं कारतूस का भौतिक सत्यापन नहीं कराए जाने पर अनुज्ञप्तिधारियों के विरूद्ध आयुद्ध अधिनियम 1959 एवं आयुद्ध अधिनियम 2016 क अंतर्गत शस्त्र निलंबित/रद्द करने हेतु विधि-सम्मत कार्रवाई की जाएगी जिसके लिए वे स्वयं जिम्मेवार होंगे।

नगर आयुक्त ने संपत्तिकर और म्यूटेशन में प्रगति पर दिए आवश्यक निर्देश

पटना (दैनिक नवसंदेश)। पटना नगर निगम के नगर आयुक्त ने शनिवार को सभी अंचलों के कार्यपालक पदाधिकारियों एवं राजस्व कर्मियों के साथ वीडियो कन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक की। बैठक के दौरान उन्होंने संपत्ति कर संग्रहण, नए संपत्तिकर धारकों की पहचान, आवासीय संपत्तियों के व्यावसायिक उपयोग की स्थिति तथा म्यूटेशन आवेदनों के निष्पादन सहित राजस्व से जुड़े विभिन्न विषयों की समीक्षा की।

बैठक में संबंधित पदाधिकारियों ने जानकारी दी कि नए संपत्तिकर धारकों की पहचान के लिए ऊर्जा विभाग से प्राप्त विद्युत उपभोक्ताओं के मोबाइल नंबरों पर नियमित रूप से संपर्क किया जा रहा है। प्रतिदिन लगभग 200 से 250 उपभोक्ताओं से संपर्क स्थापित कर संपत्ति कर के दायरे में आने वाली नई संपत्तियों की पहचान की जा रही है। नगर आयुक्त ने ऐसे मामलों की भी जांच कराने का निर्देश दिया, जिनकी प्रॉपर्टी आईडी आवासीय श्रेणी में पंजीत है, लेकिन उनका उपयोग व्यावसायिक गतिविधियों के लिए किया जा रहा है। म्यूटेशन आवेदनों की समीक्षा के दौरान राजस्व शाखा ने बताया कि लंबित आवेदनों में से 98 प्रतिशत से अधिक का निष्पादन किया जा चुका है। नगर आयुक्त ने निर्देश दिया कि 35 दिनों से अधिक समय से लंबित सभी आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित किया जाए तथा नियमित रूप से प्राप्त होने वाले नए आवेदनों का भी निर्धारित समय-सीमा के भीतर निस्तारण किया जाए।

बैठक में नगर आयुक्त ने राजस्व संग्रहण व्यवस्था को और अधिक सुढ़ बनाने, राजस्व के सभी संभावित स्रोतों की पहचान करने तथा संपत्ति कर संग्रहण में वृद्धि के लिए निर्धारित कार्ययोजना के अनुसार नियमित कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

11 जुलाई, 2026 तक म्यूटेशन आवेदनों के निष्पादन की अंचलवार स्थिति

- अजीमाबाद अंचल : 156 आवेदनों में से 154 का निष्पादन।
- बांकीपुर अंचल : 169 आवेदनों में से सभी 169 का निष्पादन।
- कंकड़बाग अंचल : 171 आवेदनों में से 166 का निष्पादन।
- नूतन राजधानी अंचल : 16 आवेदनों में से 15 का निष्पादन।
- पाटलिपुत्र अंचल : 173 आवेदनों में से सभी 173 का निष्पादन।
- पटना सिटी अंचल : 5 आवेदनों में से सभी 5 का निष्पादन।

नगर आयुक्त ने शनिवार को सभी अंचलों के कार्यपालक पदाधिकारियों एवं राजस्व कर्मियों के साथ वीडियो कन्फ्रेंसिंग से बैठक की

हरित रोजगार और सस्टेनेबल टूरिज्म को लेकर इन्वेस्टर्स मीट कल

पटना (दैनिक नवसंदेश)। राज्य में इकोटूरिज्म के सुनियोजित विकास और निजी क्षेत्र की सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए 13 जुलाई को होटल मौर्या में 'इकोटूरिज्म इन्वेस्टर्स मीट' का आयोजन किया जा रहा है।

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की ओर से आयोजित इस सम्मेलन के माध्यम से प्रदेश के 29 जलाशयों तथा 247 तालाबों, पोखरों, झीलों एवं आर्द्रभूमियों पर इकोटूरिज्म आधारित परियोजनाओं के विकास के लिए देशभर के इच्छुक निवेशकों को आमंत्रित किया गया है। विभाग राज्य की प्रातिक संपदा को पर्यटन के साथ जोड़कर सतत विकास, संरक्षण और स्थानीय आर्थिक सशक्तिकरण का लक्ष्य रखा है। विभाग पीपीपी मॉडल के तहत निजी निवेश को प्रोत्साहित कर रहा है। चयनित निवेशकों को परियोजनाओं के विकास के लिए संबंधित स्थल 30 वर्ष की लीज पर उपलब्ध कराए जाएंगे। परियोजनाओं के क्रियान्वयन के लिए सभी आवश्यक विभागीय अनुमतियां समयबद्ध तरीके से दी जाएंगी तथा वित्तीय व्यवहार्यता सुनिश्चित करने के लिए वायबिलिटी गैप फंडिंग (भीजीएफ) के माध्यम से वित्तीय सहायता भी प्रदान की जाएगी। परियोजनाओं को दो श्रेणियों में विभाजित किया गया है। ग्रुप-ए में जलाशय आधारित इकोटूरिज्म परियोजनाएं शामिल हैं, जबकि ग्रुप-बी में तालाब, पोखर, झील एवं अन्य जल निकाय आधारित परियोजनाएं रखी गई हैं। ग्रुप-ए की परियोजनाओं के लिए प्रति स्थल न्यूनतम 10 करोड़ रुपये का वार्षिक टर्नओवर अनिवार्य होगा। एक से अधिक स्थलों के चयन की स्थिति में यह सीमा बढ़ेगी, लेकिन अधिकतम 50 करोड़ रुपये तक सीमित रहेगी। ग्रुप-बी के लिए प्रति स्थल न्यूनतम 2 करोड़ रुपये का वार्षिक टर्नओवर निर्धारित है, जिसकी अधिकतम सीमा 10 करोड़ रुपये रखी गई है। वर्तमान में भीमबांध वाइल्डलाइफ सेंचुरी में इकोटूरिज्म परियोजना के लिए आरएफपी जारी किया गया है, जिसकी अंतिम तिथि 28 जुलाई है।

प्रकृति का खजाना अब बनेगा पर्यटन का गढ़, विभाग का बड़ा इकोटूरिज्म प्लान

जलाशयों-झीलों को पर्यटन हब बनाने की तैयारी, बिहार ईको टूरिज्म में 50 करोड़ तक का निवेश आमंत्रित

मंत्री ने 24 नवनियुक्त वन क्षेत्र पदाधिकारियों को सौंपे नियुक्ति पत्र

पटना (दैनिक नवसंदेश)। ग्रामीण विकास तथा सूचना एवं जन-सम्पर्क मंत्री श्रवण कुमार ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत दीनदयाल उपाध्याय-ग्रामीण कौशल योजना योजना के क्रियान्वयन के लिए 833.33 लाख रुपये जारी करने के साथ ही व्यय की स्वीकृति मिली है। इस राशि में केन्द्रांश के सामान्य, अनुसूचित जाति और जनजातीय क्षेत्रीय उपयोजना मद में पांच करोड़ एवं इसके 60/40 के अनुपात में देय आनुपातिक राज्यांश की राश तीन करोड़ तैंतीस लाख तैंतीस हजार रुपये शामिल है।

ग्रामीण विकास मंत्री कुमार ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी रेखा से नीचे जीवन-यापन कर रहे निर्धन परिवारों के लिए जीविकोपार्जन और उसका विस्तार, वित्तीय समावेशन, रोजगार पाने योग्य कुशल बनाने के साथ-साथ स्वरोजगार को बढ़ावा देने एवं आजीविका संवर्द्धन से जोड़ने के लिए एनआरएलएम योजना वर्ष 2011-12 से चलाई जा रही है। इसका उदेश्य राज्य के युवाओं को बेरोजगारी के दंश से बचाने एवं उनको रोजगार मुहैया कराकर आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करना है। उन्होंने कहा कि बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद नीतीश कुमार की ओर से शुरू मुहिम को और धार देने के लिए हमारी एनडीए की सरकार त संकल्पित है।

गूगल डेवलपर ग्रुप, पटना ने एलएनएमआई में आयोजित किया गूगल आईओ एक्सटेंडेड-2 26

पटना (दैनिक नवसंदेश)। गूगल डेवलपर ग्रुप, पटना की ओर से ललित नारायण मिश्रा इंस्टीट्यूट, पटना में गूगल आईओ एक्सटेंडेड-2026 का सफल आयोजन किया गया। इस तकनीकी सम्मेलन में बिहार सहित विभिन्न राज्यों से आए विद्यार्थियों, डेवलपर्स, स्टार्टअप उत्साहियों एवं तकनीकी पेशेवरों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को गूगल की नवीनतम एआई तकनीकों, गूगल क्लाउड, एजेंटिक एआई और आधुनिक डेवलपमेंट टूल्स से परिचित कराना था।

कार्यक्रम के प्रथम सत्र का संचालन तान्या एवं अमिकर ने किया, जबकि द्वितीय सत्र का संचालन रूपम एवं निशांत ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत एलएनएमआई के रजिस्ट्रार सुधीर कुमार के स्वागत भाषण एवं अतिथि सम्मान के साथ हुई। इसके बाद प्रतिभागियों ने गूगल आईओ की नोट के माध्यम से गूगल की नवीनतम तकनीकी घोषणाओं और एआई से जुड़े भविष्य के विजन को जाना।

तकनीकी सत्रों में गूगल डेवलपर एक्सपर्ट जितेन्द्र गुप्ता ने दी एप्लीकेशन स्टैक रूफ्रम टू एजेंट्स अन गूगल क्लाउड विषय पर विस्तृत जानकारी साझा की। इसके बाद सौरभ मिश्रा ने बिल्ड, स्केल, गवर्न, अप्टीमाइज रूए टूर अफ क्लाउड्स एजेंट प्लेटफर्म विषय पर गूगल क्लाउड की एजेंट और उसके व्यावहारिक उपयोगों पर चर्चा की।

दोपहर के सत्र में दीपक कुमार ने गूगल क्लाउड रूबिल्डिंग द फ्यूचर, वन इनोवेशन एट ए विषय पर क्लाउड तकनीक की संभावनाओं को विस्तार से समझाया। वहीं आशीष कुमार ने बियोंड प्रम्प्ट रू द आर्ट अफ एआई कोलेबरेशन विषय पर एआई के साथ प्रभावी सहयोग और वास्तविक जीवन में उसके उपयोग पर अपने अनुभव साझा किए।

कई राज्यों के डेवलपर्स इसमें हुए शामिल, एआई और गूगल क्लाउड के नवीनतम नवाचारों से रूबरू हुए प्रतिभागी

कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण प्रोजेक्ट फीचर सत्र रहा, जिसमें कक्षा 10 के छात्र सूर्यांशु नभीत ने अपनी प्रेरणादायक तकनीकी यात्रा साझा की। उन्होंने बताया कि गूगल के पटना संस्करण में आयोजित एजेंटिक प्रीमियर लीग में विजेता बनने के बाद उन्होंने गूगल मुख्यालय में आयोजित एजेंटिक प्रीमियर लीग में भी व्यक्तिगत रूप से जीत हासिल की। इसी उपलब्धि के आधार पर उन्होंने बिहार का प्रतिनिधित्व करते हुए गूगल द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर के हैकाथन में भाग लिया। उनकी इस उपलब्धि ने उपस्थित विद्यार्थियों को कम उम्र में भी तकनीकी क्षेत्र में उत्ष्ट प्रदर्शन करने और निरंतर सीखते रहने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न एंगेजमेंट गतिविधियों, टेक गेम्स, प्रायोजक परिचय, नेटवर्किंग सत्र एवं स्वयंसेवकों के सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एलवाईएफ वाटर ने आधिकारिक हाइड्रेशन पार्टनर के रूप में प्रतिभागियों के अनुभव को और बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण सहयोग दयाद्ध समापन से पूर्व सिद्धार्थ सिंह ने सांस्तिक प्रस्तुति दी, जिसके बाद सभी वक्ताओं, प्रतिभागियों एवं आयोजन टीम के साथ सामूहिक फोटो सत्र आयोजित किया गया।

इस सफल आयोजन का नेतृत्व अनुराग वर्मा एवं बरखा अग्रवाल ने किया। उन्होंने सभी वक्ताओं, स्वयंसेवकों, प्रायोजकों, सहयोगी संस्थाओं एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि गूगल डेवलपर ग्रुप पटना भविष्य में भी बिहार के तकनीकी समुदाय को वैश्विक तकनीकों से जोड़ने और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए ऐसे ज्ञानवर्धक कार्यक्रमों का आयोजन करता रहेगा।

संक्षिप्त खबरें

निमैठी गोलीकांड के बाद पुलिस सख्त, शाम छह से रात 11 बजे तक क्यूआरटी करेगी गश्त

बहेड़ी (एनएसबी)। निमैठी चौक पर हाल में हुई गोलीबारी की घटना के बाद पुलिस प्रशासन ने क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी है। शनिवार को बहेड़ी थाना परिसर में आयोजित प्रेस वार्ता में बेनीपुर एसडीपीओ बासुकीनाथ झा ने बताया कि घटनास्थल एवं आसपास के इलाके में तत्काल प्रभाव से क्विक रिस्पांस टीम (क्यूआरटी) की तैनाती की गई है। यह टीम प्रतिदिन शाम छह बजे से रात 11 बजे तक नियमित गश्त कर संदिग्ध गतिविधियों पर पैनी नजर रखेगी। साथ ही क्षेत्र में चौकीदारों की भी तत्काल प्रतिनियुक्ति कर दी गई है। एसडीपीओ ने कहा कि निमैठी क्षेत्र में पूर्व में भी गोलीबारी की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। स्थानीय लोगों की मांग को देखते हुए बहेड़ी थाना की ओर से झझरी चौक एवं महुली चौक पर स्थायी पुलिस चौकी स्थापित करने का प्रस्ताव पहले ही वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) को भेजा जा चुका है। उन्होंने बताया कि झझरी चौक के समीप पुलिस पिकेट के लिए उपयुक्त भूमि एवं भवन की तलाश की जा रही है। आवश्यक व्यवस्था पूरी होने के बाद वहां स्थायी पुलिस चौकी स्थापित की जाएगी, जिससे क्षेत्र में अपराध पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके और आम लोगों में सुरक्षा की भावना मजबूत हो।

सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ से पहले निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

दरभंगा(एनएसबी)। अखिल भारतीय हिन्दू जागरण सेवा समिति, दरभंगा की ओर से मनोकामना मंदिर, राज दरभंगा में सांय 5:30 बजे से 7 बजे तक निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जा रहा है। सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ से पूर्व आयोजित इस शिविर में आम जनता की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं दवा वितरण की व्यवस्था की गई है। चिकित्सक दल मे डॉ. एस.के. सिन्हा, डॉ. गौतम कुमार मिश्रा, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. सुरभि कुमारी, डॉ. विक्रम गिरी ने मरीजों को उचित परामर्श दिया। वहीं सुमन कुमार दास द्वारा यूरिक एसिड की जांच एवं आवश्यक दवाएं पूर्णतः निःशुल्क प्रदान की जाएंगी। अध्यक्षता राजा बंसल एवं रवि कुमार सिंह ने की। सहयोगी सदस्यगण राजेश कुमार पूर्व, पं. गिरधर गोपाल, मनोज कुमार झा, राहुल झा, दीपू सुरी, आदित्य ठाकुर, संतोष मिश्रा, जय लखवानी, संतोष जी शिक्षक, मनीष महासेठ, पवन राम, सोनू, राजकुमार लालू, सौरभ कुमार, आशीष चंद्र साह, सत्यनारायण साहू, अमन बर्नवाल, सरोज महतो, जय किशन, राजा गुप्ता,गोपी गामी,गुंजा जी, ममता गामी जी, नूतन वर्णवाल एवं अन्य सेवादार मौजूद रहे।

डॉ.अभय कुमार शर्मा ने दरभंगा पॉलिटेक्निक कॉलेज के प्राचार्य पद का ग्रहण किया कार्यभार

शैक्षणिक गुणवत्ता एवं प्रयोगशाला आधारित शिक्षा पर दिया विशेष बल

दरभंगा (एनएसबी)। विज्ञान, प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, बिहार, पटना के निर्देश के आलोक में डॉ. अभय कुमार शर्मा ने 10 जुलाई को पूर्वाह्न में दरभंगा पॉलिटेक्निक कॉलेज के प्राचार्य पद का विधिवत कार्यभार ग्रहण किया।कार्यभार ग्रहण करने के उपरांत डॉ.शर्मा ने महाविद्यालय परिसर का व्यापक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभिन्न शैक्षणिक शाखाओं, प्रयोगशालाओं, कक्षाओं, प्रशासनिक कार्यालयों तथा अन्य उपलब्ध आधारभूत सुविधाओं का अवलोकन किया।निरीक्षण के क्रम में उन्होंने महाविद्यालय में संचालित शैक्षणिक एवं प्रशासनिक कार्यों पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि संस्थान को तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता की नई ऊँचाइयों तक ले जाने के लिए सभी को समर्पित भाव से कार्य करना होगा।उन्होंने स्पष्ट किया कि तकनीकी शिक्षा में प्रयोगात्मक ज्ञान का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है,इसलिए सभी प्रयोगशालाओं का अधिकतम उपयोग करते हुए विद्यार्थियों को व्यावहारिक दक्षता प्रदान की जाए। इस अवसर पर उन्होंने 11 जुलाई से प्रारंभ होने वाली नामांकन प्रक्रिया की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों को निर्देश दिया कि प्रवेश प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी, सुव्यवस्थित एवं छात्र-छात्राओं के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए संपन्न कराई जाए।

अब यूजीसी 2022 विनियमावली से होगा शोधकार्य

संस्कृत विश्वविद्यालय में पीजीआरसी की बैठक में कई निर्णय

75 शोधबीज व प्रारूप पर हुआ विचार, कुछ में संशोधन की दरकार

दरभंगा (एनएसबी)। कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय के दरबार हॉल में शनिवार को कुलपति प्रो.लक्ष्मीनिवास पांडेय की अध्यक्षता में आयोजित स्नातकोत्तर शोध परिषद (पीजीआरसी) की बैठक कई मामलों में विशेष अहम रही। पूरे प्रदेश समेत अन्य प्रान्तों से आए विषय विशेषज्ञों ने शोध सम्बन्धी कई व्यवहारिक व सैद्धांतिक सुझाव दिए। इसी क्रम में आम सहमति रही कि विश्वविद्यालय में अब यूजीसी की विनियमावली 2022 के तहत शोधकार्य किये जायेंगे। यह विनिमावली सत्र 2022-23 से ही लागू माना जायेगा। ऐसे में स्वाभाविक तौर पर विश्वविद्यालय में वर्षो से संचालित हो रही विनिमावली 2016 को बैठक में निरस्त करने का फैसला लिया गया।आयोजित परिषद की बैठक के मुख्यातिथि रहे सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, गुजरात के पूर्व कुलपति प्रो. अर्कनाथ चौधरी। प्रो. चौधरी ने भी शोध सम्बन्धी महत्वपूर्ण सुझाव दिए। बैठक में 2022-23 वर्षीय कुल 75 गवेषकों का शोध प्रारूप एवं शोध बीज प्रस्तुत किया गया जिसमें विद्या वाचस्पति के आठ एवं विद्यावारिधि के 67 गवेषक शामिल हैं।उल्लेखनीय है कि परिषद के कुल 32 सदस्यों में से 31 ने भाग लिया। यूपी, राजस्थान, गुजरात, उत्तराखण्ड, दिल्ली समेत अन्य राज्यों के वाह्य विषय विशेषज्ञों समेत सभी संकाय अध्यक्षों, विभागाध्यक्षों, प्राचार्यों, विशेष आमन्त्रित सदस्य प्रो० अर्कनाथ चौधरी, प्रो० राजीव रंजनसिंह, प्रो० शिवाकांत झा , प्रो. व्यास मिश्र, प्रो० शंकर कुमार मिश्र, प्रो उपेन्द्र कुमार त्रिपाठी, प्रो० उपेन्द्र झा, प्रो रामपूजन पाण्डेय, प्रो० महेश झा, प्रो चन्द्रशेखर पाण्डेय, डॉ. राजेश्वर दुबे, प्रो० शत्रुघ्न त्रिपाठी, प्रो. दिलीप कुमार झा, प्रो. पुरेन्द्र वारिक, प्रो दयानाथ झा, प्रो अर्कनाथ चौधरी, प्रो राजीव रंजन सिंह, प्रो प्रियव्रत मिश्र ,प्रो. उमेश शर्मा, डॉ सीता चरण झा, डॉ ध्रुव कुमार मिश्र, डॉ धीरज कुमार पांडेय, डॉ सुधीर कुमार, डॉ रामनिहोरा राय, डॉ शंभुशरण तिवारी, डॉ शिवलोचन झा, कुलसचिव डॉ दिनेश कुमार झा, ओएसडी डॉ रामसेवक झा की उपस्थिति रही।

पंचायती राज विभाग की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर आयुक्त ने की प्रमण्डल स्तरीय समीक्षा

दरभंगा (एनएसबी)। आयुक्त, दरभंगा प्रमण्डल, दरभंगा हिमांशु कुमार राय की अध्यक्षता में प्रमण्डल कार्यालय के सभागार में पंचायती राज विभाग से संबंधित विभिन्न विकासात्मक योजनाओं एवं कार्यक्रमों की विस्तृत प्रमण्डल स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में दरभंगा प्रमण्डल के तीनों जिलों यथा दरभंगा, मधुबनी एवं समस्तीपुर के जिला पंचायत राज पदाधिकारी सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। समीक्षा के दौरान आयुक्त ने कहा कि जहां पंचायत सरकार भवन निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं हुआ है जल्द से जल्द निर्माण कार्य प्रारंभ कराना सुनिश्चित करें। साथ ही उप विकास आयुक्त को अनुश्रवण करने का निर्देश दिया। पंचायत सरकार भवनों का निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराने को कहा। पंचायतों में स्थापित सोलर स्ट्रीट लाइटों की नियमित कार्यशीलता सुनिश्चित करने,खराब लाइटों की शीघ्र मरम्मत कराने तथा योजना के शेष कार्यों को समयबद्ध रूप से पूर्ण करने का निर्देश दिया।

शिक्षकों की ट्रांसफर प्रक्रिया पूरी तरह से ऑनलाइन और डेटा-बेस्ड होगी

जिलों से फाइनल रिक्ति का डेटा पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा ● जिसके बाद शिक्षक अपने पसंदीदा स्कूलों के लिए ऑनलाइन कर सकेंगे आवेदन

शिक्षक ट्रांसफर नीति के तहत जिला शिक्षा पदाधिकारी और जिला कार्यक्रम पदाधिकारी का ऑनलाइन प्रशिक्षण शुरू ● स्कूलवार न्यूनतम शिक्षक मानक किए गए है तय

अमर कुमार मिश्र

दरभंगा (एनएसबी)। बिहार में शिक्षकों के बड़े पैमाने पर होने वाले स्थानांतरण और पदस्थापन को लेकर शिक्षा विभाग ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी कड़ी में विभाग द्वारा राज्य के सभी जिलों के जिला शिक्षा पदाधिकारी और जिला कार्यक्रम पदाधिकारी के लिए एक विशेष ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरूआत की गई है। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य नई स्थानांतरण नीति को पारदर्शी और त्रुटिहीन तरीके से लागू करना है।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित इस उच्च स्तरीय बैठक और प्रशिक्षण में विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा 'न्यूनतम शिक्षक मानक छात्र-शिक्षक अनुपात के आधार पर रिक्तियों की गणना और युक्तिकरण के गुर सिखाए जा रहे हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक आधिकारिक दस्तावेजों के अनुसार, शिक्षा विभाग ने प्राथमिक से लेकर उच्च माध्यमिक विद्यालयों के लिए न्यूनतम शिक्षक मानक तय कर दिए हैं। विषयवार शिक्षक उपलब्धता और पदस्थापन का निर्णय इन्हीं मानकों के आधार पर होगा। कक्षा 1-5 के लिए छात्रों की संख्या के अनुसार शिक्षकों की संख्या तय की गई है जैसे 1 से 60 छात्रों पर 2 शिक्षक, 61 से 90 पर 3 शिक्षक आदि। प्रधान शिक्षक का पद कुल शिक्षकों की संख्या से अलग रखा जाएगा। वहीं माध्यमिक विद्यालय कक्षा 9 और 10 मे

विषयवार अनिवार्य शिक्षक होंगे। न्यूनतम 120 छात्रों के नामांकन पर कम से कम 6 शिक्षक अनिवार्य होंगे। इसमें सामाजिक विज्ञान, गणित, विज्ञान, हिन्दी, अंग्रेजी और संस्कृत, उर्दू का 1-1 शिक्षक होना आवश्यक है। जैसे-जैसे छात्रों का नामांकन बढ़ेगा 181 से 420 प्लस तक वैसे-वैसे सामाजिक विज्ञान, गणित और विज्ञान के शिक्षकों की संख्या बढ़ाकर अधिकतम 11 शिक्षक तक की जाएगी, जिसमें संगीत/नृत्य और शारीरिक शिक्षा के शिक्षक भी शामिल होंगे। वहीं उच्च माध्यमिक विद्यालय कक्षा 11 और 12 मे संकायवार व्यवस्था होगी। विज्ञान, कला/मानविकी और वाणिज्य संकाय के लिए छात्रों की संख्या 40 से 260 तक के स्लैब के आधार पर न्यूनतम 15 से लेकर 27 शिक्षकों तक का मानक तय किया गया है।इसमें प्रत्येक मुख्य विषय जैसे इतिहास, भूगोल, भौतिकी, रसायन, गणित, कंप्यूटर, एकाउंटेंसी आदि के लिए पद निर्धारित किए गए हैं। शिक्षा विभाग का स्पष्ट मानना है कि इस बार ट्रांसफर प्रक्रिया पूरी तरह से ऑनलाइन और डेटा-बेस्ड होगी। किसी भी स्कूल में शिक्षकों की कमी न हो और न ही आवश्यकता से अधिक शिक्षक एक ही जगह जमे रहें, इसी संतुलन को बनाने के लिए डीईओ और डीपीओ को बारीकी से प्रशिक्षित किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण के पूरा होते ही जिलों से फाइनल रिक्ति का डेटा पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा, जिसके बाद शिक्षक अपने पसंदीदा स्कूलों के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे।

उपमुख्यमंत्री और पथ निर्माण मंत्री 13 जुलाई को आएंगे मिथिला विवि

विश्वविद्यालय दर्शन शास्त्र विभाग एवं महिला अभियंत्रण कॉलेज के कार्यक्रम में होंगे शामिल

दरभंगा (एनएसबी)। ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा के स्नातकोत्तर दर्शनशास्त्र विभाग के तत्त्वावधान में भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद् आईसीपीआर शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के वित्तीय सहयोग से 12 वें अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस- 2026 के उपलक्ष्य में जुबिली हॉल में 13 जुलाई, 2026 (दिन सोमवार) को 11:00 से 'योग के माध्यम से आरोग्य एवं आनन्द : भारतीय ज्ञान-परंपरा की अंतर्निहित प्रज्ञा' विषय पर निःशुल्क राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय कुमार चौधरी की अध्यक्षता में आयोजित इस सेमिनार में बिहार सरकार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी मुख्य अतिथि होंगे, जबकि संगोष्ठी का उद्घाटन बिहार सरकार के पथ निर्माण मंत्री इंजीनियर कुमार शैलेन्द्र करेंगे।

आगमन की तैयारी करते विश्वविद्यालय के पदाधिकारी एवं कर्मी

सेमिनार की सफल तैयारी के उद्देश्य से दर्शनशास्त्र के प्रभारी विभागाध्यक्ष डॉ राजीव कुमार की अध्यक्षता में कोर कमेटी के सदस्यों की बैठक हुई, जिसमें संस्कृत के विभागाध्यक्ष डॉ कृष्णकान्त झा, पीजी दर्शनशास्त्र विभाग की प्राध्यापिका डॉ प्रियंका राय, विभागीय प्राध्यापक डॉ संजीव कुमार साह, पीआरओ डॉ आर एन चौरसिया, संस्कृत-प्राध्यापिका डॉ ममता स्नेही, शोधार्थी- प्रियंका सरकार, विद्यार्थी- ईशान तथा सहायक संजय कुमार आदि उपस्थित हुए। सेमिनार की संयोजिका डॉ प्रियंका राय ने बताया कि सेमिनार में उद्घाटन सत्र, मुख्य व्याख्यान सत्र, शोध-पत्र वाचन सत्र तथा समापन सत्र आयोजित किए जाएंगे। मुख्य व्याख्यान सत्र में मगध विश्वविद्यालय, बोधगया की प्रति-कुलपति एवं दर्शनशास्त्र की विदुषी प्रो कुसुम कुमारी- मुख्य वक्ता, आर्ट ऑफ लिविंग के आनन्द प्रकाश राय- आमंत्रित वक्ता तथा विश्वविद्यालय दर्शनशास्त्र के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ रुद्रकान्त अमर विशिष्ट वक्ता होंगे। उन्होंने बताया कि उद्घाटन सत्र के बाद उप-मुख्यमंत्री मंत्री, पथ निर्माण मंत्री तथा कुलपति एवं कुलसचिव आदि डॉ एपीजे अब्दुल कलाम डब्ल्यूआईटी के कार्यक्रम में भाग लेने जाएंगे।

खंडहर में तब्दील हो रहा 10 साल पहले बना पंचायत सरकार भवन

पंचायत भवन में सरकार की योजनाएं संचालित नही, जनता जाए तो जाए कहां

सत्येंद्र चौधरी

कुशेश्वरस्थान (एनएसबी)। प्रखंड अंतर्गत बिशहरिया मोहिम बुजुर्ग पंचायत के टोल बलांट में पंचायत सरकार भवन है। दस साल पहले बनने के बावजूद सरकार भवन से ग्रामीणों को कोई लाभ नहीं मिल रहा है। वहीं पंचायत सरकार भवन उचित देखभाल के अभाव में क्षतिग्रस्त होता जा रहा है। अधिकारियों एवं पंचायत प्रतिनिधियों के उदासीनता के कारण पंचायत सरकार भवन के इर्द-गिर्द बड़े-बड़े पौधे उग रहे हैं। अंदर की बात करें तो मुखिया का ऑफिस हो या ग्राम कचहरी का हो या अन्य प्रतिनिधियों का सभी का हाल एक जैसा है। साफ सफाई नहीं होने के कारण किसी भी रूम बैठने लायक नहीं है। पेयजल की व्यवस्था नहीं है। शौचालय की बात करें तो वह टूटा फूटा पड़ा हुआ है। अंदर गंदगी बाहर घास देखने से साफ जाहिर होता है कि पंचायत सरकार भवन अपने मूल उद्देश्यों से भटक गया है। सरकार ने एक छत के नीचे ग्रामीणों को सभी सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से करोड़ों रुपया खर्च कर पंचायत में पंचायत सरकार भवन बनाया। लेकिन तमाम लागत के बावजूद पंचायत सरकार संचालित नहीं है। बिशहरिया पंचायत के लोगों को छोटे-छोटे काम के लिए प्रखंड कार्यालय का चक्कर लगाने के लिए विवश होना पड़ रहा है। वहीं ग्रामीण रोहित कुमार मुखिया रुदल कुमार मुखिया सुरेश कुमार मिथलेश शाह इंदल कुमार का कहना है कि कार्यपालक सहायक पोस्टिंग के बावजूद भी सही से ड्यूटी नहीं बजाते हैं। अक्सर बंद ही रहता है। जंगल रहने के कारण जानवरों का अड्डा बना हुआ है। वही जानकारी के मुताबिक जनप्रतिनिधियों कर्मचारियों के उदासीन रवैया के कारण आमजनों को पंचायत सरकार भवन से लाभ नहीं मिल रहा है।

बिशहरिया मोहिम बुजुर्ग पंचायत मे जर्जर हालत में पंचायत सरकार भवन

दरभंगा में प्रतिदिन 2 लाख लीटर क्षमता वाले दूध संयंत्र तथा 30 मिट्रिक टन दही उत्पादन वाली निर्माण इकाई की हो रही पहल: डा. गोपाल जी ठाकुर

सांसद ने कहा दरभंगा में दूध तथा दही प्रसंस्करण इकाई की स्थापना से बढ़ेंगे रोजगार के नए अवसर

दरभंगा (एनएसबी)। दरभंगा सहित मिथिला क्षेत्र को दूध तथा दही उत्पादन के मामले में आत्मनिर्भर बनाने के लिए ठोस पहल की जा रही है। पिछले दिनों लोकसभा सत्र के दौरान स्थानीय सांसद सह लोकसभा में भाजपा सचेतक डा गोपाल जी ठाकुर ने केन्द्रीय पशुपालन, मत्स्यपालन तथा डेयरी विकास मंत्री राजीव रंजन सिंह को पत्र देकर इस संबंध में शीघ्र पहल करने का आग्रह किया था जिसका सकारात्मक परिणाम अब सामने आया है तथा दरभंगा में दूध एवं दही प्रसंस्करण इकाई की स्थापना की पहल शुरू कर दी गई है।

केंद्रीय पशुपालन मत्स्यपालन तथा डेयरी मंत्रालय के द्वारा सांसद डा ठाकुर को इस संबंध में भेजे गए पत्र के आलोक में सांसद डा ठाकुर ने बताया है कि पिछले दिनों नई दिल्ली में केंद्रीय मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह ह्ललन सिंहह्ल से भेंट कर दरभंगा में डेयरी क्षेत्र के व्यापक विकास एवं आधुनिक डेयरी अवसंरचना की स्थापना के संबंध में एक विस्तृत प्रस्ताव सौंपा था जिसका सकारात्मक परिणाम सामने आया है। दरभंगा में 2 लाख लीटर प्रतिदिन क्षमता वाले अत्याधुनिक डेयरी प्रसंस्करण संयंत्र तथा 30 मीट्रिक टन प्रतिदिन क्षमता वाली दही निर्माण इकाई की स्थापना की दिशा में पहल प्रगति पर है। दरभंगा सहित मिथिला क्षेत्र को दुग्ध तथा दही उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में ठोस पहल बताते हुए कहा है कि यह पहल दरभंगा के दुग्ध उत्पादक किसानों, पशुपालकों एवं युवाओं के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोलेगी तथा रोजगार और आर्थिक विकास को नई गति प्रदान करेगी।

जिला परिषद में विकास योजनाओं में अनियमितता को लेकर आत्मदाह की चेतावनी

कई सदस्यों ने जिला परिषद में महाधरना दस सूत्री मांगों को लेकर किया गया प्रदर्शन

दरभंगा (एनएसबी)। जिला परिषद की लंबित विकास योजनाओं और कथित अनियमितताओं के विरोध में शनिवार को दरभंगा जिला परिषद परिसर में कई निर्वाचित सदस्यों ने एक दिवसीय महाधरना दिया। धरना का नेतृत्व जिला परिषद सदस्य धर्मेंद्र कुमार झा ने किया। उन्होंने जिला परिषद अध्यक्ष पर विकास योजनाओं में मनमानी, पक्षपात और कार्यों को बाधित करने का आरोप लगाते हुए प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की। धरना की पूर्व सूचना प्रमंडलीय आयुक्त, जिलाधिकारी एवं उप विकास आयुक्त को दी गई थी। धर्मेंद्र कुमार झा का आरोप है की 15वें एवं 16वें वित्त आयोग की कई योजनाएं अब तक लंबित हैं। तकनीकी एवं प्रशासनिक स्वीकृति समय पर नहीं मिलने और पूर्व से स्वीकृत 148 योजनाओं का कायादेश जारी नहीं होने के कारण विकास कार्य ठप हैं। इससे मजदूरों और सामग्री आपूर्तिकताओं का लाखों रुपये का भुगतान भी अटका हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि जिला परिषद अध्यक्ष के कार्यभार संभालने के बाद योजनाओं के चयन, स्वीकृति और भुगतान प्रक्रिया में अनियमितताएं बढ़ी हैं। कई योजनाओं को बिना कारण रोक दिया गया है तथा जिला परिषद की बैठकों में सदस्यों की राय की अनदेखी की जा रही है। इससे निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के अधिकार प्रभावित हो रहे हैं। धरना के दौरान धर्मेंद्र कुमार झा ने कहा कि यदि भ्रष्टाचार, कमीशनखोरी और कथित अनियमितताओं पर रोक नहीं लगी तथा लंबित योजनाओं का भुगतान शीघ्र नहीं हुआ तो वे आत्मदाह करने को विवश होंगे। धरना में जिला परिषद उपाध्यक्ष अरुणा कुमारी, सदस्य लाल कुमार सिंह, मोहम्मद हकीकूल, सुमित्रा देवी, अंजू देवी सहित कई जिला परिषद सदस्य एवं समर्थक मौजूद रहे।

धरना देते जिला परिषद के सदस्यगण

कबीर और नागार्जुन हमारे साहित्यिक और सांस्कृतिक गौरव :प्रो उमेश कुमार

दरभंगा (एनएसबी)। ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा के स्नातकोत्तर हिन्दी विभाग एवं उर्दू विभाग द्वारा नागार्जुन चेयर के तत्त्वावधान में 'हमारा समय : कबीर और नागार्जुन की विरासत' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन राजनीति विज्ञान विभाग के कौटिल्य सभागार में किया गया। कार्यक्रम के पहले सत्र का संचालन डॉ मंजरी खरे ने तथा अध्यक्षता मानविकी संकायाध्यक्ष प्रो पुनीता झा ने किया। वहीं दूसरे सत्र का संचालन डॉ बिन्दु चौहान ने तथा अध्यक्षता प्रो राजेन्द्र साह, जबकि तीसरे सत्र का संचालन डॉ सुरेन्द्र प्रसाद सुमन एवं प्रो इफ्तिखार अहमद की अध्यक्षता में हुई। कार्यक्रम की शुरूआत स्वागत गीत, दीप प्रज्वलन तथा अतिथियों के सम्मान से हुई। स्वागत में विश्वविद्यालय हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रो उमेश कुमार ने कहा कि कबीर और नागार्जुन हमारे सांस्कृतिक एवं साहित्यिक गौरव हैं। दोनों महापुरुषों ने साहित्य और समाज को महत्त्वपूर्ण दिशा दी है। वे आज भी नवीन समाज रचना के लिए निश्चित ही पथ- प्रदर्शक हैं। बीज वक्तव्य प्रो विजय कुमार ने दिया। मानविकी संकायाध्यक्ष प्रो पुनीता झा ने कहा कि कबीर और नागार्जुन के जीवन और दर्शन में सीखने के लिए अथाह ज्ञान संचित है।पूर्व मानविकी संकायाध्यक्ष प्रो प्रभाकर पाठक ने अपने वक्तव्य में कहा कि कबीर और नागार्जुन तमाम बाह्य दाबाबों के बावजूद कभी टूटे नहीं।पूर्व मानविकी संकायाध्यक्ष प्रो अजीत वर्मा ने कहा कि कबीर और नागार्जुन हमारे भीतर हैं। वहीं पूर्व विश्वविद्यालय हिन्दी विभागाध्यक्ष एवं मानविकी संकायाध्यक्ष प्रो चंद्रभानु प्रसाद सिंह,कबीर के शोध-कर्ता अनुग्रह नारायण कॉलेज, पटना (पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय) के सहायक प्राध्यापक डॉ कुमार वरुण तथा पूर्व विश्वविद्यालय हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रो राजेन्द्र साह ने भी संबोधित किया।इस मौके पर डॉ सुरेन्द्र प्रसाद सुमन, डॉ महेश प्रसाद सिन्हा, डॉ विनीता कुमारी, डॉ ज्वालचंद्र चौधरी, डॉ धर्मेन्द्र दास, डॉ रश्मि आदि ने भी अपनी बातें रखीं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में प्रतिभागियों की उपस्थिति रही।

कार्यक्रम में उपस्थित श्रोतागण।

संक्षिप्त खबरें

स्थायी वारंटी गिरफ्तार, न्यायिक हिरासत में भेजा गया

इपुलिस ने न्यायालय से जारी स्थायी वारंट के आलोक में एक फरार वारंटी महिला थाना कांड संख्या-28/20 में वांछित स्थायी वारंटी प्रभात कुमार, पिता राम शोभित राय, निवासी ग्राम आलमपुर सिमरी, थाना विद्यापतिनगर, जिला समस्तीपुर को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया।विद्यापतिनगर थाना पुलिस ने बताया कि न्यायालय के आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करने तथा लंबित वारंटों के निष्पादन के लिए विशेष अभियान लगातार चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत उक्त स्थायी वारंटी की गिरफ्तारी की गई। थानाध्यक्ष ने बताया कि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने एवं फरार अभियुक्तों तथा वारंटियों के विरुद्ध पुलिस की कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

जनता दरबार में चार मामले निष्पादित

दलसिंहसराय (एनएसबी)। भूमि विवाद को लेकर अंचल कार्यालय में जनता दरबार आयोजित की गयी पानी की लगातार बूँदा बांदी के बाबजूद अपनी समस्याओं को लेकर लोगो की भीड़ जुटी रही जनता दरबार में पुराना पांच और नया पांच कुल दस मामले उपस्थापित किये गए सभी मामले की गहन समीक्षा के बाद आपसी सहमति के आधार पर चार मामले का निष्पादन किय गया शेष मामले में अगली तिथि मुकर्रर की गयी समस्याओं की सुनवाई कल शुक्रवार को ही पदभार ग्रहण करनेवाले अंचलाधिकारी मो जमशेद कार्यालय सहायक राम कुमार कर्ण के अलावे भूमि विवाद से संबंधित काफी लोग उपस्थित थे।

सगी भांजी संग फरार मामा तीन माह बाद गिरफ्तार

विद्यापतिनगर (एनएसबी)। रिश्तों को शर्मसार करने वाले एक सनसनीखेज मामले में थाना की पुलिस ने तीन माह से फरार चल रहे आरोपी मामा को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही पुलिस ने कथित अपहृता एवं आरोपी की नाबालिग सगी भांजी को भी सकुशल बरामद कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान बेगूसराय जिले के भगवानपुर थाना क्षेत्र के महेशपुर पिंडहर गांव निवासी रामपुकार यादव के पुत्र सोनू कुमार के रूप में हुई है। इस बाबत जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष सूरज कुमार ने बताया कि तीन माह पूर्व थाना क्षेत्र के एक गांव से नाबालिग लड़की के लापता होने पर परिजनों के आवेदन पर पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज कर कार्रवाई में जुट गई थी। इसी क्रम में मिली गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर किशोरी को बरामद किया गया तथा आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। उधर, पुलिस हिरासत में आरोपी ने दावा किया कि दोनों के बीच पिछले दो वर्षों से प्रेम संबंध था और तीन माह पहले घर छोड़कर नई दिल्ली चले गए थे। जहां एक मंदिर में शादी कर ली थी। हालांकि पुलिस का कहना है कि यह आरोपी का दावा है। चूंकि मामला नाबालिग से जुड़ा है, इसलिए कानूनी प्रावधानों के तहत जांच जारी है। किशोरी का मेडिकल परीक्षण और न्यायालय में बयान दर्ज कराने की प्रक्रिया अपनाई जा रही है। पुलिस का कहना है कि मामले के सभी पहलुओं की गहन जांच की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिसम्मत कार्रवाई होगी।

जिला केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन का अभिनंदन सह विदाई समारोह आयोजित

समस्तीपुर (एनएसबी)। जिला केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन, शाखा ताजपुर में अभिनंदन,सह विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता ताजपुर शाखा के अध्यक्ष रंजीत कुमार ने की, जबकि संचालन संगठन सचिव, सुशील चौबे ने किया। बताते चलें कि औषधि निरीक्षक विनीता कुमारी के स्थानांतरण के बाद, उनकी जगह अमित कुमार समस्तीपुर में पदस्थापन हुआ है। इस उपलक्ष्य में दोनों अधिकारियों का अभिनंदन,सह विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर सभी सदस्यों ने नवपदस्थापित अधिकारी का चादर, पाग, फूलमाला के साथ अभिनंदन, एवं स्वागत किया तथा स्थानांतरित अधिकारी को सम्मानपूर्वक विदाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि समस्तीपुर जिला के अध्यक्ष, विनोद राय एवं सचिव कृष्ण कुमार मिश्रा उपस्थित रहे। मौके पर ताजपुर के संगठन सचिव विकास रंजन, कोषाध्यक्ष कुमार शशि मणि, उपसचिव पप्पू कुमार, उपाध्यक्ष रणजीत सिंह कुशवाहा, प्रशासनिक सचिव अखिलेश कुमार राय, अमरेश कुमार झा, डॉ. रवि प्रकाश, चंद्र प्रकाश शर्मा, रंजीत कुमार झा, विनोद कुमार सिंह, राजू कुमार, अविनाश झा, श्याम बाबू, दीपक कुमार, धीरज कुमार, सुजय कुमार, बिंदेश्वर शाह, सुबोध कुमार राय, विकास कुमार, राजेश कुमार, धर्मदेव प्रसाद सिंह, संतोष सिंह, अमित कुमार, संतोष कुमार झा, अशोक कुमार मुन्ना एवं ताजपुर संगठन के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

दलसिंहसराय (एनएसबी)। बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार,पटना के निदेर्शानुसार अनुमंडल सेवा समिति दलसिंहसराय के सौजन्य से रविवार को पंचायत भवन पांड के परिसर में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया विधिक जागरूकता शिविर में पैनल अधिवक्ता शैलेन्द्र कुमार झा ने आश्रय गृह में रहने वाली विधवाओं के लिए न्याय तक पहुँच सुनिश्चित करने के विषय पर कानूनी जानकारी ग्राम वासियों को विस्तारपूर्वक दिया विधिक जागरूकता शिविर में सरपंच रूबी देवी,उप सरपंच सत्यनारायण राय पर विधिक स्वयसेवक धर्मेंद्र कुमार के अलावे आम लोगों ने भाग लिया।

वासभूमि व आवास देने, रद्द राशन कार्ड पुनर्बहाल करने सहित विभिन्न मांगों को ले कर 25 जुलाई को ताजपुर प्रखंड-अंचल का घेराव करेगी खेग्रामस - माले

ताजपुर (एनएसबी)। अखिल भारतीय खेत एवं ग्रामीण मजदूर सभा (खेग्रामस) ने शनिवार को ताजपुर प्रखंड के मौलानाचक एवं सरसौना गांव में सदस्यता अभियान चलाया गया। अभियान का नेतृत्व भाकपा (माले) प्रखंड सचिव सुरेंद्र प्रसाद सिंह एवं खेग्रामस प्रखंड अध्यक्ष प्रभात रंजन गुप्ता ने किया। इस दौरान 45 लोगों ने खेग्रामस की सदस्यता ग्रहण की। बैठक को संबोधित करते हुए नेताओं ने कहा कि भूमिहीन एवं गरीब परिवारों को वासभूमि और आवास उपलब्ध कराने, रद्द किए गए राशन कार्डों को पुनर्बहाल करने, योगियामठ, बहेलिया टोला जर्जर सड़क निर्माण करने तथा विभिन्न जनसमस्याओं के समाधान की मांग को लेकर खेग्रामस और भाकपा (माले) द्वारा 25 जुलाई को ताजपुर प्रखंड एवं अंचल कार्यालय का घेराव किया जाएगा। स्थानीय ग्रामीणों ने नेताओं के समक्ष सरकारी जमीन पर वर्षों से बसे परिवारों को वासगीत पर्चा देने, प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री आवास योजना का लाभ उपलब्ध कराने तथा बस्तियों तक पहुंचपथ निर्माण कराने की मांग उठाई। ग्रामीणों ने कहा कि भूमि एवं आवास संबंधी समस्याओं के कारण गरीब परिवारों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। नेताओं ने आश्वासन दिया कि इन मांगों को आंदोलन के माध्यम से प्रमुखता से उठाया जाएगा तथा जरूरत पड़ने पर व्यापक संघर्ष किया जाएगा।

बंद कमरे में लटकता मिला युवक का कई दिन पुराना शव

समस्तीपुर (एनएसबी)। जिले के उजियारपुर थाना क्षेत्र स्थित चांदचौर मिश्र टोला में एक युवक का कई दिन पुराना शव घर के अंदर फंदे से लटका मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव सड़ने से उठ रही तेज दुर्गंध के बाद ग्रामीणों ने घर का दरवाजा तोड़ा, तब घटना का खुलासा हुआ। मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। मृतक की पहचान चांदचौर मिश्र टोला वार्ड संख्या-20 निवासी स्वर्गीय शिवशंकर मिश्र के 42 वर्षीय पुत्र राजेश कुमार के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार करीब 20 वर्ष पहले मृतक की रीता देवी से विवाह हुआ था। लगभग 10 दिन पहले पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था, जिसके बाद वह मायके चली गई थी। रविवार को ग्रामीणों ने राजेश को आखिरी बार देखा था। इसके बाद वह घर से बाहर नहीं निकले। घर से तेज दुर्गंध आने पर आसपास के लोगों को अनहोनी की आशंका हुई तो ग्रामीणों ने दरवाजा तोड़कर घर के अंदर प्रवेश किया तो राजेश का शव घर के अंदर बने बल्ले से फंदे के सहारे लटका मिला। पुलिस आसपास के लोगों और परिजनों से पूछताछ कर रही है। यह हत्या है या आत्म हत्या इसका खुलासा नहीं हो पाया है इस लिए पुलिस इस मामले में हर पहलू से जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और एफएसएल सहित अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बारिश के दिनों में बढ़ता बीमारियों का खतरा, सावधानी ही बचाव

समस्तीपुर (एनएसबी)। मानसून की शुरूआत के साथ जहां लोगों को गर्मी से राहत मिलती है, वहीं बारिश अपने साथ कई तरह की बीमारियों का खतरा भी लेकर आती है। जलजमाव, गंदगी और नमी के कारण बैक्टीरिया व मच्छरों का प्रकोप तेजी से बढ़ता है, जिससे आमजन को सतर्क रहने की आवश्यकता है। जिले के मुसरीघरारी स्थित हाइवे हॉस्पिटल के निदेशक सह मुख्य चिकित्सक डॉ. एके झा ने शुक्रवार को मरीजों से उक्त बातें कही। उन्होंने कहा कि, बारिश के मौसम में छोटी-छोटी लापरवाही भी बड़ी बीमारी का कारण बन सकती है। इसलिए किसी तरह की लापरवाही से बचना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि, बारिश के दिनों में साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देना चाहिए। तेज बुखार या लगातार उल्टी-दस्त होने पर अविलंब डॉक्टर से संपर्क करना जरूरी है।

उन्होंने बताया कि, बारिश के मौसम में डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया, टायफाइड, डायरिया, वायरल फीवर और त्वचा संबंधी रोगों का खतरा काफी बढ़ जाता है। खासकर बच्चों और बुजुर्गों में इन बीमारियों का प्रभाव अधिक देखा जाता है।डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियां मच्छरों के काटने से फैलती हैं, जो बारिश के पानी के जमाव में पनपते हैं। वहीं दूषित पानी और भोजन के सेवन से डायरिया और टायफाइड जैसी बीमारियां तेजी से फैलती हैं। इसके अलावा लगातार नमी के कारण फंगल इन्फेक्शन और त्वचा रोग भी आम हो जाते हैं।

हाइवे हॉस्पिटल के सहयोगियों संग डॉ. झा।

डॉ. झा ने कहा कि, थोड़ी सी सावधानी बरतकर इन बीमारियों से बचा जा सकता है। इसके लिए जरूरी है कि घर और आसपास पानी जमा न होने दें, कूलर और टंकी को नियमित साफ करें तथा मच्छरदानी या रिपेलेंट का उपयोग करें। खाने-पीने में विशेष सावधानी बरतते हुए केवल साफ और उबला हुआ पानी ही पिएं। बाहर का खुला या बासी खाना, जंक फूड, आदि खाने से बचें। सब्जियों और फलों को अच्छी तरह धोकर ही इस्तेमाल करें।

इसके अलावा बरसात में भीगने के बाद तुरंत सूखे कपड़े पहनना चाहिए और शरीर को साफ रखना चाहिए, ताकि संक्रमण का खतरा कम हो सके। यदि बुखार, उल्टी, दस्त या शरीर में दर्द जैसे लक्षण दिखाई दें, तो तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जांच कराएं। इस मौसम में बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ख्याल रखें तथा बिना डॉक्टर की सलाह के दवाइयों का सेवन न करें। मौके पर डॉ. अवनीश किरण झा, मनीष कुमार मिश्रा सहित सभी चिकित्सक और स्वास्थ्य कर्मियों के अलावा बड़ी संख्या में मरीज व उनके परिजन उपस्थित थे।

बेतिया और कैमूर का दमदार प्रदर्शन

बेगूसराय व जमुई को 9-0 से हराया, समस्तीपुर और दरभंगा को मिला वॉकओवर

समस्तीपुर (एनएसबी)। खेल विभाग, बिहार सरकार, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण, एवं जिला प्रशासन, समस्तीपुर के संयुक्त तत्वावधान में शहर के रेल परिसर स्थित पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय, के खेल मैदान में 65वीं राज्य स्तरीय सुब्रतो मुखर्जी कप फुटबॉल प्रतियोगिता (बालिका अंडर-17) के दूसरे दिन शनिवार को कई एकतरफा मुकाबले देखने को मिले। जिसमें खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन और रोमांचक खेल ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। दूसरे दिन के मुकाबलों का शुभारंभ जिला खेल पदाधिकारी विवेक कुमार शर्मा ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। इस क्रम में उन्होंने कहा कि, राज्य स्तरीय प्रतियोगिताएं खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का सुनहरा अवसर प्रदान करती हैं। उन्होंने सभी खिलाड़ियों से अनुशासन, समर्पण और खेल भावना के साथ मैदान में उतरने का आह्वान किया। शनिवार को पहले मुकाबले में पश्चिम चंपारण (बेतिया) की टीम ने शुरूआत से ही आक्रामक खेल दिखाते हुए बेगूसराय पर पूरी तरह दबदबा बनाए रखा और 9-0 की शानदार जीत दर्ज कर अगले दौर का टिकट कटाया। टीम की ओर से बिंदिया कुमारी ने चार गोल कर जीत की पटकथा लिखी, जबकि रितिका ने दो तथा प्रीति, अन्नू और गीता ने एक-एक गोल कर जीत को यादगार बना दिया। दूसरे मुकाबले में कैमूर ने जमुई को 9-0 के बड़े अंतर से हराकर अपनी मजबूत दावेदारी पेश की। सुनैना कुमारी ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए पांच गोल दागे, जबकि नेहा, उजाला, छोटी और अंतिमा ने एक-एक गोल कर टीम की बड़ी जीत सुनिश्चित की। दूसरे दिन के अन्य मुकाबलों में पूर्णिया की टीम के अनुपस्थित रहने के कारण दरभंगा तथा भागलपुर के मैदान पर नहीं पहुंचने से मेजबान समस्तीपुर को वॉकओवर के आधार पर अगले चरण में प्रवेश मिल गया। दिन के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के रूप में बेतिया की बिंदिया कुमारी और कैमूर की सुनैना कुमारी को 'बेस्ट ऑफ ट्वेंटी-टू' पुरस्कार प्रदान किया गया। मुकाबलों का संचालन निर्णायक रजनीश कुमार (पूर्णिया), रोहित कुमार (सीतामढ़ी), समीर संजय (पश्चिम चंपारण) एवं मोना वर्मा (मुंगेर) ने किया। प्रतियोगिता के सफल संचालन में जिला खेल पदाधिकारी विवेक कुमार शर्मा के नेतृत्व में खेल विभाग की पूरी टीम जुटी रही। सहायक वरुण कुमार सिंह, विनय कुमार विनय, पूजा कुमारी, सुभीत कुमार बिट्टू, रजनीश कुमार पांडे, राहुल कुमार, विग्नेश कुमार, कुमारी वंदना, वैजयंती प्रिया, निकिता भारती, निखिल कुमार, मदन भगत, राजीव तिवारी, संजीव कुमार, अमित कुमार सहित जिले के सहायक एवं शारीरिक शिक्षा शिक्षकों ने आयोजन को व्यवस्थित और सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

खिलाड़ियों संग पदाधिकारी।

केंद्रीय जल शक्ति राज्य मंत्री ने रखी सरस्वती शिशु मंदिर के नए भवन की नींव

बिथान (एनएसबी)। बिथान प्रखंड के कुआ रोड स्थित सरस्वती शिशु मंदिर के नए परिसर का भूमि पूजन एवं शिलान्यास समारोह शनिवार को हर्षोल्लास और उत्साह पूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। केंद्रीय जलशक्ति राज्यमंत्री डॉ. राजभूषण चौधरी निषाद ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रथम ईंट रखकर विद्यालय भवन की नींव डाली। इस अवसर पर हजारों अभिभावकों, शिक्षकों, सामाजिक कार्यकताओं एवं गणमान्य लोगों की उपस्थिति ने समारोह को ऐतिहासिक बना दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस दौरान बिहार-झारखंड के संगठन मंत्री ख्याली राम, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष जय प्रकाश वर्मा, विद्यालय के संरक्षक राधेश्याम टेबड़ीवाल, अध्यक्ष अरविंद महतो, सुंदरी देवी सैनिक स्कूल, बटहा के अध्यक्ष बिनोद कुमार, प्रधानाध्यापक रामचंद्र मंडल, विभाग निरीक्षक बिनोद कुमार, सरस्वती शिशु मंदिर बिथान के प्रधानाध्यापक जितेंद्र कुमार, समाजसेवी सह नेत्री इंदु गुप्ता सहित अनेक विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। समारोह को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री डॉ. राजभूषण चौधरी ने कहा, "शिक्षा केवल रोजगार का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का सबसे सशक्त आधार है। सरस्वती शिशु मंदिर जैसे विद्यालय बच्चों में भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों और राष्ट्रभक्ति की भावना विकसित करने का कार्य करते हैं। यह भवन आने वाली पीढ़ियों के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव बनेगा।" इस अवसर पर

विद्यालय परिसर में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में बच्चों ने देशभक्ति एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। इसी क्रम में विद्यालय के लिए निःशुल्क भूमि दान करने वाले राधेश्याम टेबड़ीवाल को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में शामिल मंत्री व अन्य।

टीबी मरीजों के पोषण को मिला संबल, टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत बीडीओ ने बांटे 40 जरूरतमंद मरीजों को पोषण किट

विद्यापतिनगर (एनएसबी)। टीबी मुक्त भारत अभियान को गति देने के उद्देश्य से शनिवार को प्रखंड कार्यालय परिसर में प्रोटीनयुक्त फूड बास्केट वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) मो. महताब अंसारी ने प्रखंड क्षेत्र के चयनित 40 निबंधित व निः सहाय टीबी मरीजों के बीच प्रोटीनयुक्त फूड बास्केट का वितरण किया। इस दौरान बीडीओ मो. महताब अंसारी ने कहा कि टीबी जैसी गंभीर बीमारी से लड़ने में दवा के साथ-साथ पौष्टिक आहार भी बेहद जरूरी है। सरकार मरीजों को बेहतर पोषण उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने लाभार्थियों से नियमित रूप से दवा लेने, चिकित्सकों की सलाह का पालन करने तथा संतुलित एवं पौष्टिक भोजन करने की अपील की। जिला यक्ष्मा केंद्र, समस्तीपुर के निर्देश पर आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर एवं उपचारित टीबी मरीजों को पोषण सहायता उपलब्ध कराकर उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ में सहयोग देना है। कार्यक्रम के दौरान संबंधित स्वास्थ्य कर्मियों ने मरीजों को टीबी से बचाव, समय पर जांच और उपचार की महत्ता के बारे में भी जागरूक किया। फूड बास्केट वितरण कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं कर्मियों ने लाभार्थियों की उपस्थिति सुनिश्चित कर किट का वितरण कराया तथा इसकी ऑनलाइन प्रविष्टि भी की गई। अधिकारियों ने बताया कि टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत मरीजों को दवा के साथ पोषण सहायता उपलब्ध कराई जा रही है, ताकि उपचार की सफलता दर और बेहतर हो सके।

जनता दरबार में भूमि विवादों के त्वरित समाधान पर जोर, 10 में से 9 मामलों का हुआ निष्पादन

विद्यापतिनगर (एनएसबी)। अंचल कार्यालय परिसर में शनिवार को राजस्व अधिकारी अरुण कुमार शर्मा एवं थानाध्यक्ष सूरज कुमार की उपस्थिति में साप्ताहिक जनता दरबार का आयोजन किया गया। जनता दरबार में भूमि संबंधी विवादों के निष्पक्ष एवं त्वरित निपटारे के उद्देश्य से फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना गया। इस दौरान भूमि विवाद से जुड़े कुल 10 मामले जनता दरबार में प्रस्तुत किए गए। राजस्व एवं पुलिस प्रशासन के संयुक्त प्रयास से दोनों पक्षों की बातें सुनने, उपलब्ध अभिलेखों की जांच करने तथा आवश्यक कानूनी प्रक्रिया अपनाने के बाद 9 मामलों का मौके पर ही निष्पादन कर दिया गया। शेष एक मामले में आवश्यक दस्तावेजों एवं अतिरिक्त जांच के अभाव में अगली निर्धारित तिथि पर सुनवाई करने का निर्णय लिया गया। राजस्व अधिकारी अरुण कुमार शर्मा ने उपस्थित लोगों से कहा कि भूमि संबंधी विवादों का समाधान आपसी सहमति एवं विधि सम्मत प्रक्रिया के तहत कराया जा रहा है। उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी भी प्रकार के भूमि विवाद में कानून को अपने हाथ में लेने के बजाय जनता दरबार के माध्यम से अपनी शिकायत दर्ज कराएं। वहीं थानाध्यक्ष सूरज कुमार ने कहा कि भूमि विवाद अक्सर आपराधिक घटनाओं का कारण बन जाते हैं। ऐसे मामलों में पुलिस एवं राजस्व विभाग की संयुक्त पहल से समय पर समाधान होने पर सामाजिक सौहार्द बनाए रखने में मदद मिलती है। उन्होंने लोगों से शांति एवं आपसी भाईचारा बनाए रखने की भी अपील की। जनता दरबार में बड़ी संख्या में फरियादी उपस्थित रहे। मामलों के निष्पादन के बाद कई लोगों ने प्रशासन की इस पहल की सराहना करते हुए इसे आम जनता के लिए राहतकारी बताया। इस मौके पर राजस्व कर्मचारी राकेश कुमार, एएसआई संदीप कुमार सिंह सहित दर्जनों फरियादी मौजूद थे।

जनता दरबार में शामिल पदाधिकारी व अन्य।

शहर में वन वे लागू, शहर को मिली जाम से निजात, लोगों ने ली राहत की सांस

समस्तीपुर (एनएसबी)। शहर की लाइफलाइन रेल ओवरब्रिज पर मरम्मत कार्य शुरू होने के बाद समस्तीपुर वासियों को जाम से बड़ी राहत मिली है। प्रशासन ने ओवरब्रिज बंद होने के बाद थानेश्वर स्थान के निकट और माधुरी चौक स्थित पुल पर अचानक बढ़े वाहनों के दबाव और महाजाम की स्थिति से निपटने के लिए नया ट्रैफिक मास्टर प्लान लागू कर दिया है। इसके तहत थानेश्वर पुल व माधुरी चौक पुल पर प्रशासन ने वन-वे यातायात की व्यवस्था प्रभावी कर दी है।

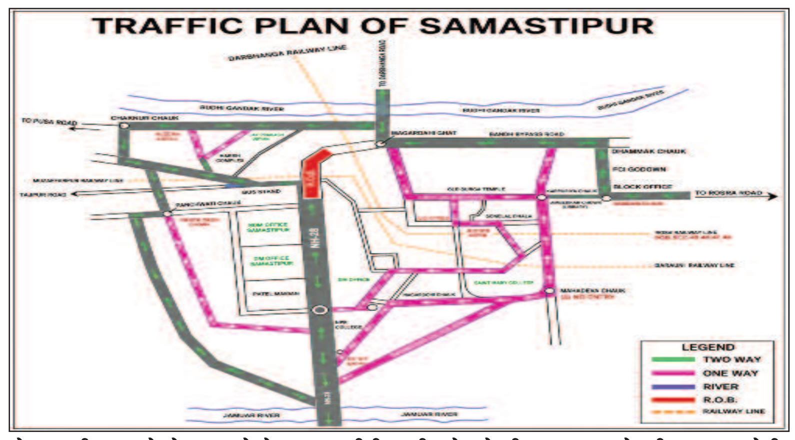

झ्र नये ट्रैफिक प्लान के मुताबिक, अब थानेश्वर स्थान (मंदिर) की ओर से साइकिल और बाइक लेकर पुल पर प्रवेश करने पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। इस पुल से सभी दोपहिया वाहनों और साइकिल चालकों को केवल कालीपीठ की ओर से ही पुल पर आने की इजाजत होगी। हालांकि, पैदल चलने वाले राहगीरों को इस को नियम से छूट दी गई है, वे पहले की तरह दोनों तरफ से अवागमन कर सकेंगे।

झ्र वहीं माधुरी चौक की तरफ से मालगोदाम चौक की ओर जा सकते है। उस पुल पर मालगोदाम की ओर से माधुरी चौक की ओर आना प्रतिबंधित कर दिया गया है। यह वन वे व्यवस्था सुबह 6 बजे से शाम 7 बजे तक लागू रहेगा। इस नई व्यवस्था को कड़ाई से जमीन पर उतारने के लिए थानेश्वर पुल और माधुरी चौक पुल के दोनों छोरों पर पुलिस बल तैनात कर दिए गए है। नई व्यवस्था के तीसरे दिन शनिवार को भी थानेश्वर मंदिर और मालगोदम चौक की तरफ तैनात पुलिस के जवान मुस्तैद दिखे। वे थानेश्वर मंदिर की ओर से पुल पर चढ़ने का प्रयास कर रहे दोपहिया वाहन चालकों को रोक कर उन्हें माधुरी चौक स्थित पुल से तथा मालगोदाम चौक की ओर से पुलों का उपयोग करने का प्रयास कर रहे बाइक सवारों को कालीपीठ की ओर से जाने की हिदायत देकर आगे बढ़ा रहे थे। इस दौरान कई बाइक सवार पुलिस जवानों से पुल पार करने की गुहार लगाते दिखे, तो कोई नोक-झोंक करते दिखे। क्योंकि वैकल्पिक रास्ते से जाने पर उन्हें करीब डेढ़ किलोमीटर की अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ रही थी, लेकिन

संक्षिप्त खबरें

पुरानी रंजिश में युवक को गोली मार कर किया घायल

जयनगर (एनएसबी)। थाना क्षेत्र के पड़ावा बेलही पंचायत में शुक्रवार कि रात पुरानी रंजिश को लेकर एक युवक को गोली मार कर घायल कर दिया। स्थानीय लोगों के सहयोग से इलाज के लिए जयनगर अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सक ने हालत नाजुक देखते हुए रेफर कर दिया। घायल युवक कि पहचान प्रिंस कुमार यादव उम्र 20 साल पिता राज किशोर यादव के रुप में हुई है। इस मामले में अब तक पिड़ित के द्वारा थाना में प्राथमिकी नहीं दर्ज कराया है। थानाध्यक्ष रमण कुमार ने बताया कि पिड़ित के तरफ से अब तक प्राथमिकी नही दर्ज कराया गया है।

दरवाजा का ताला तोड़ कर अज्ञात चोरों ने चोरी की बारदात को अंजाम दिया

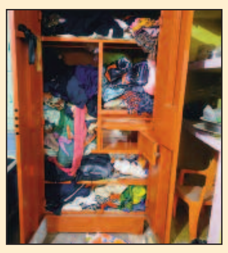

फुलपरास (एनएसबी)। स्थानीय बाजार के लोहिया चौक से दक्षिण नपं वार्ड संख्या 13 निवासी त्रिपुरारी झा उर्फ मनोज झा के खाली घर में पीछे का दरवाजा का ताला तोड़ कर अज्ञात चोरों ने चोरी की बारदात को अंजाम दिया है। गृह स्वामी श्री झा ने थाना में दिए लिखित आवेदन में बताया है कि वे बीमार स्थिति में पिछले माह घर में ताला लगा कर ईलाज के लिए दिल्ली गए हुए थे जब शुक्रवार को अपने घर पहुंचा तो घर में सामान बिखरा हुआ पाया जिससे चोरी होने की बात सामने आई, जब देखा तो पीछे दरवाजे में लगा ताला को तोड़ कर घर में रखा बॉक्स से लगभग दो से ढाई लाख रुपए मूल्य के सोने चांदी का जेवरात सहित पचास हजार नगद रुपये ले गया है। थानाध्यक्ष विक्रम आचार्य ने आवेदन मिलने पर पुलिस टीम को भेज कर जांच में जुट गई हैं।

विद्यापति स्मारक निर्माण की धीमी रफ्तार पर भड़के डीएम, कहा- इतना ढीला काम कैसे हो सकता है?

मधुबनी (एनएसबी)। मधुबनी के जिलाधिकारी आनंद शर्मा का बिस्फी प्रखंड स्थित बिस्फी डीह गांव में निमार्णाधीन विद्यापति स्मारक के निरीक्षण के दौरान गुस्सा देखने को मिला। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की धीमी प्रगति पर कड़ी नाराजगी जताई और निर्माण एजेंसी के अधिकारियों एवं कर्मियों को फटकार लगाई। डीएम की फटकार का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। बिस्फी डीह महाकवि विद्यापति की जन्मस्थली मानी जाती है। यहां बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम की ओर से लगभग 20 करोड़ रुपये की लागत से भव्य स्मारक का निर्माण कराया जा रहा है।

निर्धारित समय-सीमा के अनुसार इस परियोजना को अगस्त माह तक पूरा किया जाना है, लेकिन निरीक्षण के दौरान निर्माण कार्य की गति बेहद धीमी पाई गई। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने नाराजगी जताते हुए कहा, "वो तो बाद में आएंगे, उससे पहले हम आपको उठा ले जाएंगे। इतना ढीला काम कैसे हो सकता है। इसको जल्दी-जल्दी पूरा करो।" उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि निर्माण कार्य में तेजी नहीं लाई गई और समय-सीमा के भीतर कार्य पूरा नहीं हुआ तो संबंधित एजेंसी एवं जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने निर्माण एजेंसी को गुणवत्ता बनाए रखते हुए युद्धस्तर पर कार्य पूरा करने का निर्देश दिया, ताकि निर्धारित समय पर विद्यापति स्मारक आम लोगों के लिए समर्पित किया जा सके।

डायल-112 की पुलिस टीम पर जानलेवा हमला, हथियार छीनने की कोशिश; आरोपी गिरफ्तार

मधुबनी (एनएसबी)। बेनीपट्टी थाना क्षेत्र के बगवासा गांव में डायल-112 की पुलिस टीम पर जानलेवा हमला करने तथा पुलिसकर्मी से सरकारी हथियार छीनने का प्रयास करने के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार, 10 जुलाई को बगवासा निवासी मुकेश कुमार साह ने डायल-112 पर सूचना दी कि मो. अब्दुल्ला ने चाकू दिखाकर उनसे रुपये छीन लिए हैं। सूचना के सत्यापन एवं कार्रवाई के लिए डायल-112 की पुलिस टीम गांव पहुंची। इस दौरान आरोपी मो. अब्दुल्ला अपने घर की छत से पुलिसकर्मियों के साथ गाली-गलौज करने लगा। उसके हाथ में लोहे का रॉड भी था। पुलिस जब उसे हिरासत में लेने का प्रयास कर रही थी, तभी आरोपी ने सिपाही मो. सदाम अली पर लोहे के रॉड से जानलेवा हमला कर दिया। वार इतना जोरदार था कि सिपाही की राइफल का बट दो टुकड़ों में टूट गया और उनके सिर में गंभीर चोट लग गई। बीच-बचाव करने पहुंचे दूसरे सिपाही मो. लाल पर भी आरोपी ने हमला कर दिया, जिससे उनके दाहिने हाथ में चोट आई। हमले के बाद आरोपी घायल सिपाही की राइफल छीनकर भागने लगा, लेकिन छत की सीढ़ियों पर असंतुलित होकर गिर पड़ा, जिससे उसके सिर में भी चोट लग गई। पुलिस ने तत्काल दोनों घायल जवानों एवं आरोपी को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। उपचार के बाद आरोपी मो. अब्दुल्ला को गिरफ्तार कर लिया गया। इस मामले में बेनीपट्टी थाना में कांड संख्या 321/26 दर्ज कर सुसंगत धाराओं के तहत आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

12 वीं या उससे ऊपर अध्ययनरत 1000 पात्र छात्राओं को मिलेगी छात्रवृत्ति

दरभंगा(एनएसबी)। सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, दरभंगा आरती कुमारी द्वारा राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की प्रज्ञा योजना की जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि कक्षा 12 वीं या उससे ऊपर अध्ययनरत 1000 पात्र छात्राओं को छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। उन्होंने योजना की पात्रता के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि निम्नलिखित श्रेणियों की छात्राएं आवेदन कर सकती हैं। जिन छात्राओं के माता-पिता दोनों का निधन हो चुका हो। जिन छात्राओं के परिवार के एकमात्र कमाने वाले अभिभावक का निधन हो गया हो। शारीरिक रूप से दिव्यांग छात्राएं। ऐसी छात्राएं जिनके माता-पिता उनकी शिक्षा का व्यय वहन करने में असमर्थ हों।ऐसी छात्राएं जिनके पिता जेल में हों तथा माता की आय शिक्षा के लिए पर्याप्त न हो। जनजातीय समुदाय की ऐसी छात्राएं जिनके माता-पिता उनकी शिक्षा का खर्च वहन करने में असमर्थ हों। अन्य समान परिस्थितियों में रहने वाली कमजोर एवं वंचित छात्राएं।इच्छुक आवेदक 22 जुलाई 2026 तक डीएलएसए, दरभंगा अथवा अनुमंडलीय न्यायालय, बेनीपुर एवं बिरौल में आधार कार्ड, विद्यालय का पहचान पत्र एवं पात्रता संबंधी दस्तावेजों के साथ आवेदन जमा कर सकते हैं।

रैयाम एवं सकरी चीनी मिलों के सफल संचालन के लिए लगभग 30 हजार एकड़ प्रति मिल क्षेत्र में गन्ना की खेती जरूरी

दरभंगा में गन्ना क्षेत्र विस्तार विशेष अभियान को लेकर कार्यशाला आयोजित

दरभंगा (एनएसबी)। प्रेक्षागृह,दरभंगा में रैयाम एवं सकरी चीनी मिल के लिए गन्ना क्षेत्र विस्तार विशेष अभियान के तहत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुखियागण , पैक्स अध्यक्ष ने भाग लिया। कार्यशाला में रैयाम एवं सकरी चीनी मिलों के सफल संचालन के लिए लगभग 30 हजार एक-ड़ प्रति मिल क्षेत्र में गन्ना की खेती सुनिश्चित करना आवश्यक है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सभी संबंधित विभागों को समन्वित रूप से कार्य करते हुए व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने तथा किसानों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु बात की गई। बैठक में बताया गया कि रैयाम चीनी मिल के लिए छह प्रखंड तथा सकरी चीनी मिल के लिए बारह प्रखंडों को शामिल किया गया है। इन क्षेत्रों में गन्ना उत्पादन बढ़ाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा तथा किसानों के बीच लगातार जागरूकता कार्यक्रम ग्राम स्तर पर आयोजित किए जाएंगे। मुखिया एवं पैक्स अध्यक्ष को किसानों के गन्ना किसान पंजीकरण एवं सहकारी समिति की सदस्यता के लिए प्रेरित करने को कहा। कार्यशाला में सहायक निदेशक ईख विकास विकास अजीत कुमार प्रसाद, जिला कृषि पदाधिकारी डॉ. सिद्धार्थ एवम जिला सहकारिता पदाधिकारी के प्रतिनिधि हर्षवर्धन यादव एवम अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मैथिली में श्रीमद्भगवद्गीता का भावार्थ लिखने वाले जयनगर के ब्रह्मदेव झा दिल्ली में सम्मानित

जयनगर(एनएसबी)। मिथिला की भाषा, संस्कृति और सनातन आध्यात्मिक परंपरा को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की दिशा में जयनगर के बर ब्राह्मण टोला निवासी वरिष्ठ शिक्षाविद्, साहित्यप्रेमी एवं समाजसेवी ब्रह्मदेव झा ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने "श्रीमद्भगवद्गीता झ मैथिली भावार्थ" शीर्षक से श्रीमद्भगवद्गीता के सभी 18 अध्यायों का सरल, सहज एवं भावपूर्ण मैथिली अनुवाद प्रस्तुत किया है। उनके इस उल्लेखनीय कार्य के लिए उन्हें नई दिल्ली में दरभंगा के सांसद डॉ. गोपालजी ठाकुर द्वारा सम्मानित किया गया।

करीब 34 वर्षों तक शिक्षा के क्षेत्र में अपनी सेवाएं देने वाले ब्रह्मदेव झा लंबे समय से साहित्य, समाज सेवा और सांस्कृतिक गतिविधियों से जुड़े रहे हैं। उन्होंने गीता के गूढ़ संदेशों को आम लोगों तक उनकी मातृभाषा मैथिली में पहुंचाने का प्रयास किया

सम्मानित करते सांसद।

है, ताकि हर वर्ग का व्यक्ति गीता के जीवनोपयोगी उपदेशों को सहज रूप से समझ सके और उन्हें अपने जीवन में आत्मसात कर सके। ब्रह्मदेव झा का मानना है कि मातृभाषा में धार्मिक एवं दार्शनिक ग्रंथों की उपलब्धता समाज को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का प्रभावी माध्यम बनती है। इसी उद्देश्य से उन्होंने श्रीमद्भगवद्गीता के प्रत्येक अध्याय का भावार्थ सरल एवं सहज मैथिली भाषा में प्रस्तुत किया है। यह कृति न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि मैथिली भाषा और साहित्य के संरक्षण एवं संवर्धन में भी महत्वपूर्ण योगदान मानी जा रही है।यह पुस्तक एमेजोन, फिलिप कार्ड सहित विभिन्न ऑनलाइन मंचों पर उपलब्ध है और पाठकों के बीच सकारात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त कर रही है। साहित्यकारों, शिक्षाविदों और मैथिली भाषा प्रेमियों ने इसे भारतीय ज्ञान परंपरा को जनभाषा में प्रस्तुत करने की सराहनीय पहल बताया है।सम्मान समारोह के दौरान सांसद डॉ. गोपालजी ठाकुर ने कहा कि "श्रीमद्भगवद्गीता का मैथिली भावार्थ हमारी मातृभाषा, संस्कृति और सनातन परंपरा के संरक्षण की दिशा में एक अनुकरणीय प्रयास है। यह पुस्तक नई पीढ़ी को अपनी भाषा, संस्कृति और आध्यात्मिक विरासत से जोड़ने का सशक्त माध्यम बनेगी।" उन्होंने ब्रह्मदेव झा के इस योगदान की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रयासों से मैथिली भाषा का गौरव और बढ़ेगा।ब्रह्मदेव झा की यह कृति केवल एक धार्मिक पुस्तक नहीं, बल्कि मातृभाषा के माध्यम से भारतीय ज्ञान, संस्कृति और आध्यात्मिक मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाने का प्रेरणादायी अभियान है। साहित्य एवं सांस्कृतिक जगत से जुड़े लोगों का विश्वास है कि "श्रीमद्भगवद्गीता झ मैथिली भावार्थ" आने वाले समय में मैथिली साहित्य की महत्वपूर्ण कृतियों में अपना विशिष्ट स्थान बनाएगी और समाज को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने में अहम भूमिका निभाएगी।

आयुष्मान कार्ड एवं आयुष्मान वय वंदना कार्ड निर्माण हेतु महादलित टोलों में विशेष अभियान : जिलाधिकारी

मधुबनी (एनएसबी)। आयुष्मान कार्ड एवं आयुष्मान वय वंदना कार्ड निर्माण हेतु महादलित टोलों में विशेष अभियान चलाने हेतु जिलाधिकारी, आनंद शर्मा के द्वारा सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निदेश दिए गए है।

21. जुलाई से अगले 15 दिनों तक विकास मित्रों के माध्यम से अनुसूचित जाति,अनुसूचित जनजाति टोलों में आयुष्मान कार्ड एवं आयुष्मान वय वंदना कार्ड का निर्माण करने हेतु विशेष अभियान चलाने का निदेश दिया है।

*जिलाधिकारी ने कहा है कि आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना एवं मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत सभी पात्र लाभार्थियों का आयुष्मान कार्ड बनाया जाना है। साथ ही 70 वर्ष या उससे अधिक उम्र के सभी वरिष्ठ नागरिकों को चाहे उनकी सामाजिक, आर्थिक स्थिति कुछ भी हो, उन्हें भी आयुष्मान वय वंदना कार्ड से आच्छादित किया जाना है। उक्त योजनाओं के अंतर्गत सभी पात्र लाभार्थियों को प्रति वर्ष प्रति परिवार 5 लाख रुपये तक के निःशुल्क चिकित्सा प्रदान किये जाने का प्रावधान है।जिलाधिकारी ने पात्र लाभार्थियों को आयुष्मान योजना से आच्छादित करने के लिए मधुबनी जिला अंतर्गत सभी पंचायतों में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति टोलों में आयुष्मान भारत एवं आयुष्मान वय वंदना के बचे हुए पात्र लाभार्थियों की पहचान करते हुए आयुष्मान कार्ड एवं आयुष्मान वय वंदना कार्ड निर्माण करने हेतु सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निदेश दिया है।

21 जुलाई से पंद्रह दिनों तक विकास मित्रों के माध्यम से विशेष अभियान चलाकर अनुसूचित जाति,अनुसूचित जनजाति टोलों में विशेष अभियान चालक कर लाभार्थियों का आयुष्मान कार्ड एवं आयुष्मान वय वंदना कार्ड बनाने हेतु जिला कल्याण पदाधिकारी एवं अन्य संबंधित को आवश्यक निर्देश दिए हैं।साथ ही नजदीकी सीएससी सेंटर पर भी लाभार्थियों को भेजकर आयुष्मान कार्ड बनाया जा सकेगा।जिलाधिकारी ने स्पष्ट निदेश दिया है कि इस अभियान के दौरान विकास मित्रों या अन्य कर्मियों के द्वारा कार्य में शिथिलता एवं लापरवाही बरतने पर नियमानुकूल कड़ी कार्रवाई की जायेगी। साथ ही वरीय उप समाहर्ता, ज्योति रानी को इस 15 दिनों के अभियान के लिए नोडल पदाधिकारी नामित किया गया है, जो जिला कल्याण पदाधिकारी एवं जिला कार्यक्रम समन्वयक,आयुष्मान भारत के साथ संपूर्ण अभियान का अनुश्रवण करेंगे।

जिला क्रियान्वयन इकाई आयुष्मान भारत कार्यालय को इस अभियान के दौरान नए यूजर आईडी के निर्माण के साथ साथ अन्य आवश्यक तकनीक सहयोग प्रदान करने का भी निर्देश दिया गया है।

भैरवा उगना महादेव मंदिर के परिसर में ही लगेगा मेला

बिस्फी (एनएसबी)। भैरवा श्रावणी मेला को लेकर मंदिर कमेटी के सदस्यों के साथ शांति समिति की बैठक आयोजित किया गया. बैठक की अध्यक्षता एसडीएम सारंग पाणि पांडेय ने की. अध्यक्षता में एसडीएम ने कहा श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए पिछली बैठक में यह निर्णय लिया गया था मेला मंदिर कैंपस से बाहर लगाया जाए ताकि काफी संख्या में दुकान लग सके. और दूर-दूर से आने वाले श्रद्धालुओं का मेला का लाभ मिल सके. लेकिन मेला कमेटी के सदस्यों एवं श्रद्धालुओं कि मन को ध्यान में रखते हुए मेला कैंपस मे ही लगाए जाएंगे. श्रद्धालुओं के लिए पानी, रोशनी, शौचालय एवं ठहराव के लिए उत्तम व्यवस्था की जा रही है. जलाभिषेक के दौरान किसी प्रकार का कोई समस्या ना हो इसलिए प्रशासन एवं मंदिर कमेटी के द्वारा कई कदम उठाए गए हैं. जानकारी हो की जिला पदाधिकारी आनंद शर्मा कि अध्यक्षता में पिछले दिनों प्रखंड स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित की गई थी. जिसमें सर्वसम्मति से मेला को राजकीय स्तर के मेला बनाने को लेकर विस्तृत भूमि पर मेला लगाने का निर्णय लिया गया था. ताकि दूर-दूर से व्यवसायिक लोग यहां मेला में भाग ले सके. वहीं उच्च स्तर के दुकान भी लगाया जा सके एवं दूर-दूर से आने वाले श्रद्धालुओं को ठहरने, खाने पीने एवं मेला घूमने का आनंद मिल सके. ताकि मंदिर के राजस्व के साथ-साथ स्थानीय लोगों का व्यवसाय भी बढ़ सके. बैठक मे पर्यटन स्थल एवं भैरवा महोत्सव मानने को लेकर चर्चा भी किया गया था.लेकिन श्रद्धालुओं की श्रद्धा को देखते हुए मंदिर परिसर में ही मेला लगाने का फैसला लिया गया है. इस मौके पर एसडीपीओ अमित कुमार, बीडीओ बसंत कुमार सिंह, सीओ संतोष कुमार सिंह, राजस्व पदाधिकारी सविता कुमारी, मंदिर कमेटी के अध्यक्ष सुशील कुमार यादव, सांसद प्रतिनिधि विष्णु देव सिंह यादव सहित कई लोग उपस्थित है.

बैठक में उपस्थित पदाधिकारी।

भावुक माहौल में निवर्तमान डीपीआरओ परिमल कुमार को विदाई, ज्योति रानी ने संभाला प्रभार

मधुबनी (एनएसबी)। मधुबनी के निवर्तमान जिला जनसंपर्क पदाधिकारी (डीपीआरओ) परिमल कुमार ने अपना प्रभार नवपदस्थापित जिला जनसंपर्क पदाधिकारी श्रीमती ज्योति रानी को सौंप दिया। इस अवसर पर समाहरणालय सभागार में जिला प्रशासन के अधिकारियों एवं मीडिया प्रतिनिधियों ने उन्हें भावभीनी विदाई दी।

विदाई समारोह में परिमल कुमार ने कहा कि मधुबनी में जिला जनसंपर्क पदाधिकारी के रूप में कार्य करना उनके लिए सम्मान, सीख और आत्मीयता से भरी अविस्मरणीय यात्रा रही। उन्होंने अधिकारियों और पत्रकारों द्वारा मिले स्नेह, सम्मान एवं सहयोग के लिए सभी का हृदय से आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि मीडिया और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने में सभी पत्रकार साथियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। जनहित से जुड़ी सूचनाओं को आमजन तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने में मिले सहयोग को उन्होंने हमेशा प्रेरणादायी बताया।

परिमल कुमार ने अपने कार्यकाल के दौरान हुई किसी भी अनजानी त्रुटि के लिए क्षमा याचना करते हुए विश्वास जताया कि नवपदस्थापित जिला जनसंपर्क पदाधिकारी श्रीमती ज्योति रानी को भी सभी का समान स्नेह और सहयोग मिलेगा, जिससे जनसंपर्क विभाग अपनी जिम्मेदारियों का और अधिक प्रभावी ढंग से निर्वहन कर सके।

समारोह के अंत में उपस्थित अधिकारियों एवं मीडिया प्रतिनिधियों ने परिमल कुमार के उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा नई जिला जनसंपर्क पदाधिकारी श्रीमती ज्योति रानी का स्वागत करते हुए पूर्ण सहयोग का भरोसा दिलाया।

भूमि विवाद, दाखिल-खारिज एवं राजस्व संग्रहण कार्यों की भी हुई गहन समीक्षा

मधुबनी (एनएसबी)। जिलाधिकारी आनंद शर्मा ने शनिवार को वर्चुअल माध्यम से जिले के सभी भूमि सुधार उप समाहर्ता (डीसीएलआर), अंचलाधिकारी (सीओ) एवं राजस्व अधिकारियों के साथ राजस्व महाअभियान, भूमि सुधार एवं राजस्व प्रशासन से जुड़े विभिन्न कार्यों की विस्तृत समीक्षा की।बैठक में उन्होंने स्पष्ट किया कि राजस्व महाअभियान की सफलता प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता में है तथा निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति में किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी।समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने अभियान के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों की स्कैनिंग, अपलोडिंग एवं निष्पादन कार्य की प्रगति का भी आकलन किया।उन्होंने समय-सीमा के भीतर सभी लंबित आवेदनों का निष्पादन सुनिश्चित किया जाए।उन्होंने कहा कि प्रत्येक अंचल में निर्धारित दैनिक लक्ष्य हर हाल में पूरा किया जाए तथा कार्य निष्पादन में किसी प्रकार की उदासीनता पर जवाबदेही तय की जाएगी।जिलाधिकारी ने सभी डीसीएलआर को निर्देश दिया कि वे प्रतिदिन अपने क्षेत्र के अंचलों का भ्रमण कर कार्यों का भौतिक सत्यापन करें तथा अभियान की नियमित एवं प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित करें।उन्होंने कहा कि राजस्व महाअभियान केवल एक प्रशासनिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि आम नागरिकों को समयबद्ध सेवा उपलब्ध कराने का महत्वपूर्ण माध्यम है।बैठक में भूमि विवादों के निष्पादन, दाखिल-खारिज, परिमार्जन, ऑनलाइन जमाबंदी, लगान वसूली, भू-अभिलेखों के अद्यतनकरण एवं अन्य राजस्व मामलों की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि नागरिकों से जुड़े सभी राजस्व मामलों का त्वरित, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित किया जाए।

डीएम आनंद शर्मा।

जिलाधिकारी ने सहयोग पोर्टल के माध्यम से प्राप्त आवेदनों की समीक्षा के क्रम में पाया कि लखनौर, लदनियां, हरलाखी, लौकही, बासोपट्टी, पंडौल, बेनीपट्टी, अंधराठाढ़ी के द्वारा आवेदनों के ससमय निष्पादन में सराहनीय कार्य किया गया है।समीक्षा के दौरान जिले की आंतरिक संसाधन सुदृढ़ीकरण एवं राजस्व संग्रहण की स्थिति पर भी चर्चा हुई। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए राजस्व प्राप्ति बढ़ाने तथा निर्धारित लक्ष्यों की शत-प्रतिशत प्राप्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।इसके साथ ही जिलाधिकारी द्वारा भारत-नेपाल सीमा से सटे सीमा क्षेत्रों में अतिक्रमण की भी समीक्षा की गई एवं संबंधित अधिकारियों को कई आवश्यक निदेश दिए। बैठक में अपर समाहर्ता मुकेश रंजन, प्रभारी पदाधिकारी राजस्व शाखा, सभी डीसीएलआर, सभी अंचलाधिकारी तथा अन्य संबंधित अधिकारी वर्चुअल माध्यम से उपस्थित रहे।

नवपदस्थापित महिला पर्यवेक्षकों के साथ समीक्षा बैठक

बेनीपट्टी परियोजना को अव्वल बनाने का लक्ष्य

बेनीपट्टी (एनएसबी)। जिले के बेनीपट्टी बाल विकास परियोजना कार्यालय में गुरुवार को नवपदस्थापित महिला पर्यवेक्षकों की एक महत्वपूर्ण समीक्षा एवं परिचयात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता परियोजना पदाधिकारी कुमारी रेखा ने की। बैठक में विभागीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, कार्य संस्कृति में सुधार तथा परियोजना की जिला स्तरीय रैंकिंग को हर हाल में बेहतर बनाए रखने पर विशेष रूप से चर्चा की गई।बैठक की शुरूआत सभी नवपदस्थापित महिला पर्यवेक्षकों के परिचय से हुई। इस दौरान रेखा कुमारी, निरु सिंह, विनाका कुमारी, सपना कुमारी, प्रीति कुमारी, अनीता कुमारी एवं मालती कुमारी ने एवं डाटा इंट्री ऑपरेटर रमण झा नें अपना परिचय दिया। इसके बाद परियोजना पदाधिकारी कुमारी रेखा ने सभी पर्यवेक्षकों का स्वागत करते हुए कहा कि बेनीपट्टी परियोजना जिले की अग्रणी परियोजनाओं में अपनी पहचान बनाए रखे, इसके लिए प्रत्येक पदाधिकारी

बैठक करते सीडीपीओ

एवं कर्मी को पूरी ईमानदारी, पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ कार्य करना होगा।उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि विभागीय कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। पोषण ट्रैकर पर शत-प्रतिशत डाटा अद्यतन, मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना के लंबित मामलों का त्वरित निष्पादन, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के लाभार्थियों का समय पर पंजीकरण एवं भुगतान, एफआरएस की नियमित मॉनिटरिंग, आंगनबाड़ी केंद्रों का नियमित निरीक्षण, होम विजिट, बच्चों का वजन एवं ऊँचाई मापन सहित सभी योजनाओं का गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।परियोजना पदाधिकारी ने कहा कि जिला स्तर पर जारी होने वाली रैंकिंग में बेनीपट्टी परियोजना किसी भी इंडिकेटर में पीछे नहीं रहनी चाहिए। उन्होंने सभी महिला पर्यवेक्षकों से टीम भावना के साथ कार्य करने, समय पर प्रतिवेदन उपलब्ध कराने तथा राज्य एवं जिला मुख्यालय से प्राप्त निदेशों का अक्षरशः पालन करने का आह्वान किया।बैठक में उपस्थित सभी नवपदस्थापित महिला पर्यवेक्षकों ने परियोजना पदाधिकारी को विश्वास दिलाया कि वे पूरी निष्ठा, समर्पण और जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगी। उन्होंने कहा कि विभागीय योजनाओं का शत-प्रतिशत सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए बेनीपट्टी परियोजना की रैंकिंग को और बेहतर बनाने के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा।बैठक का समापन विभागीय कार्यों की नियमित समीक्षा, आपसी समन्वय तथा जनहित से जुड़ी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के संकल्प के साथ हुआ।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी देंगे जिलेवासियों को कई तोहफे, 981 योजनाओं का होगा उद्घाटन और शिलान्यास

सीएम आज मुजफ्फरपुर में करेंगे 'मरीन ड्राइव' का उद्घाटन

नवसंदेश ब्यूरो

मुजफ्फरपुर। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी 12 जुलाई (रविवार) को मुजफ्फरपुर के दौरे पर आ रहे हैं। अपने इस विशेष दौरे के दौरान मुख्यमंत्री जिले सहित पूरे बिहार को कुल 1,041 करोड़ रुपये की लागत वाली 981 विकास योजनाओं की एक बड़ी सौगात देंगे। इन सभी परियोजनाओं में बुडको और नगर विकास विभाग की कई महत्वपूर्ण योजनाएं शामिल हैं, जिनका मुख्यमंत्री के हाथों उद्घाटन और शिलान्यास किया जाएगा।

मुजफ्फरपुर पहुंचने के बाद मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी सबसे पहले शहर के नवनिर्मित सिकंदरपुर लेक फ्रंट पहुंचेंगे, जिसे स्थानीय स्तर पर 'मरीन ड्राइव' के नाम से भी जाना जाता है। मुख्यमंत्री यहां बने लेक फ्रंट के भव्य कम्युनिटी हॉल तथा मरीन ड्राइव का विधिवत उद्घाटन करेंगे, जो शहरवासियों के लिए पर्यटन और मनोरंजन का एक नया केंद्र बनने जा रहा है। मरीन ड्राइव के उद्घाटन के बाद मुख्यमंत्री का काफिला सीधे एमआईटी कॉलेज मैदान स्थित मुख्य कार्यक्रम स्थल के लिए रवाना होगा। यहां मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल्स, विशेषकर जीविका दीदियों के स्टॉल का बारीकी से निरीक्षण करेंगे। इसके बाद वे वहां उपस्थित एक विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे और रिमोट के जरिए विकास योजनाओं का डिजिटल लोकार्पण करेंगे। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर मुजफ्फरपुर शहर को सुरक्षा के लिहाज से पूरी तरह से अभेद्य किले में तब्दील कर दिया गया है। कार्यक्रम स्थल से लेकर मुख्यमंत्री के रूट लाइन तक सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए गए हैं। सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद रखने के लिए लगभग 1,500 पुलिस जवानों और पुलिस अधिकारियों की तैनाती की गई है, साथ ही चप्पे-चप्पे पर निगरानी के लिए सैकड़ों मजिस्ट्रेट को जिम्मेदारी सौंपी गई है। कार्यक्रम में किसी भी स्तर पर सुरक्षा या प्रोटोकॉल में चूक न हो, इसके लिए जिले के आला अधिकारियों ने खुद मोर्चा संभाल लिया है। मुजफ्फरपुर के जिलाधिकारी कुमार गौरव और एसएसपी कांतश कुमार मिश्रा लगातार कार्यक्रम स्थल और मरीन ड्राइव का दौरा कर तैयारियों का भौतिक निरीक्षण कर रहे हैं। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि मुख्यमंत्री के प्रस्तावित वीआईपी दौरे को लेकर सभी प्रशासनिक और सुरक्षात्मक तैयारियां समय से पूरी कर ली गई हैं।

मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर सुरक्षा के मद्देनजर कार्यक्रम स्थल व सभास्थल का जायजा लेते डीएम और एसएसपी।

कार्यक्रम के दौरान नगर की यातायात व्यवस्था में परिवर्तन को लेकर प्रमुख मार्गो का जायजा लेते अधिकारियो की टीम।

संक्षिप्त खबरें

औराई में लूट का विरोध करने पर लुटेरों ने सर्राफा व्यवसाई पुत्र को मारी गोली, एसकेएमसीएच में भर्ती

औराई(एनएसबी)। औराई थाना क्षेत्र के महेशवारा पंचायत अंतर्गत महिसौथा गांव निवासी सर्राफा दुकानदार संजय साह के 19 वर्षीय पुत्र बबलू कुमार को लूट का विरोध करना महंगा पड़ गया। शुक्रवार की रात अज्ञात अपराधियों ने लूटपाट के दौरान उसके बाएं पैर की जांघ में गोली मार दी और करीब ढाई लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण से भरा बैग लूटने की कोशिश की। घायल बबलू का इलाज एसकेएमसीएच में चल रहा है। घायल बबलू कुमार ने एसकेएमसीएच में पुलिस को दिए फर्दबयान में बताया कि बरहद चौक पर उनकी संजय ज्वेलर्स के नाम से सोने-चांदी की दुकान है। शुक्रवार रात करीब आठ बजे दुकान बंद कर वह एचएफ डीलक्स बाइक से घर लौट रहे थे। इसी दौरान दुकान से ही पल्सर बाइक पर सवार दो अज्ञात बदमाश उनका पीछा करने लगे। बरहद चौक से करीब एक किलोमीटर आगे महेशवारा बस स्टैंड के पीछे पुलिया के पास बदमाशों ने उन्हें रोक लिया और बैग छीनने का प्रयास किया, जिसमें दो से ढाई लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के गहने थे। बबलू ने विरोध किया तो अपराधियों ने दो राउंड फायरिंग की। एक गोली उनके बाएं पैर की जांघ में जा लगी, जिससे वह सड़क किनारे गिर पड़े। फायरिंग की आवाज सुनकर स्थानीय लोगो को घटनास्थल की ओर आते देख दोनों अपराधी फरार हो गया।घायल युवक ने अपने बड़े भाई को फोन कर घटना की जानकारी दी। परिजन पहले उसे घर ले गए, फिर चारपहिया वाहन से उसे लेकर एसकेएमसीएच पहुंचे। इस दौरान बब्लू रास्ते में बेहोश हो गया। अस्पताल में इलाज के बाद होश आने पर शुक्रवार रात करीब 11:30 बजे एसकेएमसीएच ओपी पुलिस ने उसका फर्दबयान दर्ज किया। उधर, घटना की सूचना पर औराई थाना एवं हथौड़ी थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास के इलाके की घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी। औराई थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि पीड़ित के फर्दबयान के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है तथा अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

अस्पताल में इलाजरत सर्राफा व्यवसायी पुत्र बब्लू कुमार।

औराई में नर्सिंग होम व अल्ट्रासाउंड केंद्रों पर छापेमारी, कई केंद्र मिले बंद

मुजफ्फरपुर(एनएसबी)। औराई प्रखंड विकास पदाधिकारी रजनीश शंकर झा एवं प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. दिव्या प्रीति के नेतृत्व में शनिवार को औराई प्रखंड क्षेत्र में पुलिस बल के साथ निजी नर्सिंग होम एवं अल्ट्रासाउंड केंद्रों की सघन जांच की गई। जांच अभियान के दौरान कई निजी नर्सिंग होम और अल्ट्रासाउंड केंद्र बंद मिले। अधिकारियों के पहुंचने की सूचना मिलते ही कई संचालक केंद्रों में ताला लगाकर फरार हो गए। जांच के क्रम में सुधांशु अल्ट्रासाउंड केंद्र का भी निरीक्षण किया गया। टीम ने आवश्यक अभिलेखों, पंजीकरण, लाइसेंस तथा अन्य दस्तावेजों की जांच की। जहां भी अनियमितता की आशंका मिली, वहां संबंधित बिंदुओं की जांच की जा रही है। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ दिव्या प्रीति ने बताया कि औराई प्रखंड क्षेत्र में संचालित नर्सिंग होम एवं अल्ट्रासाउंड केंद्रों का नियमित निरीक्षण किया जा रहा है। बिना वैध अनुमति या नियमों का उल्लंघन कर संचालित संस्थानों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में पारदर्शिता एवं सरकारी मानकों का पालन सुनिश्चित करने के लिए आगे भी इस तरह का अभियान जारी रहेगा।

औराई में चल रहे निजी क्लिनिक एवं अल्ट्रासाउंड सेंटर की जांच करती टीम।

एनटीपीसी के डैम में डूबे 3 मृतकों के परिजनों को क्षेत्रीय विधायक ने उनके घर पहुँचकर दिया चेक

काँटी (एनएसबी)। कांटी थाना क्षेत्रअंतर्गत कांटी कोठिया स्थित एनटीपीसी डैम में शुक्रवार को नहाने गये तीन बच्चों के डूबने से हुई मौत के मामले में शनिवार को स्थानीय विधायक सह पूर्व मंत्री ई. अजीत कुमार ने मृतक बच्चे दीनानाथ, आर्यव गुप्ता व आयुष कुमार के परिजनों के घर कांटी नगर परिषद क्षेत्र के पुराना चौक वार्ड 16 एवं अकुराहा गांव पहुंचकर सरकारी मुआवजा स्वरूप मिले 4-4 लाख रुपये का चेक दिया। इस दौरान मृतक बच्चे के परिजनों के चीख- पुकार से विधायक अजीत कुमार भी काफी भावुक दिखे। श्री कुमार ने कहा कि यह हृदयविदारक दर्दनाक घटना काफी दुःखद व मर्माहट करने वाली है। उन्होंने कहा कि एक साथ हमारे क्षेत्र के तीन किशोर बच्चों के डूबने से हुई मौत से वे काफी आहत हुए है। साथ ही यह घटना सभी के लिए काफी पीड़ादायक है। वही, मृतक बच्चों के परिजनों ने विधायक अजीत कुमार के समक्ष कांटी कोठिया डैम पर आगे कोई इस तरह की घटना न हो इसके लिए मुकम्मल व्यवस्था करवाने का अनुरोध किया। जिसे काफी गंभीरता से लेते हुए विधायक श्री कुमार ने कहा कि वे जल्द ही एनटीपीसी के अधिकारियों से इस मामले पर बात कर डैम के चारो ओर सुरक्षा की व्यवस्था करायेंगे। उन्होंने डैम स्थल का निरीक्षण करने की भी बात कही। इस मौके पर कांटी बीडीओ किशन चांद्रयान, सीओ मुकेश कुमार, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी स्वराज चौहान, सभापति दिलीप कुमार, उप सभापति अजय कुमार गुप्ता, जदयू नगर परिषद अध्यक्ष सह पार्षद चंदन पांडे, पार्षद प्रतिनिधि दीपक सिंह, रामनाथ गुप्ता, प्रतीक उर्फ सोमू गुप्ता, प्रोफेसर अशोक गुप्ता, राजकुमार साह उर्फ भोला, राजस्व कर्मचारी गौतम कुमार समेत कई लोग उपस्थित थे।

मृतक बच्चों के परिजनों को मुआब्जा राशि का चेक देते विधायक अजीत कुमार।

शहर में कई मार्ग रहेंगे बंद, पुलिस ने जारी की एडवाइजरी

मुजफ्फरपुर(एनएसबी)। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के 12 जुलाई के मुजफ्फरपुर दौरे को लेकर कई प्रमुख मार्गों पर यातायात डायवर्ट रहेगा, जबकि वाहनों के लिए अलग-अलग पार्किंग की व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी कल 12 जुलाई रविवार को मुजफ्फरपुर दौरे पर आ रहे हैं। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर प्रशासन द्वारा नगर के कई मार्गों को डायवर्ट किया गया है। इसे लेकर एसएसपी कार्यालय की ओर से एक पत्र जारी किया गया है। जिसमें मुख्यमंत्री के जिला परिभ्रमण कार्यक्रम को लेकर मुजफ्फरपुर का ट्रैफिक प्लान जारी किया गया है। कार्यक्रम स्थल की ओर आने वाली बसों की पार्किंग चाँदनी चौक बैरिया गोलम्बर-लक्ष्मी चौक होते हुए सिकंदरपुर स्टेडियम में की जाएगी।

वीआईपी वाहनों की पार्किंग एमआईटी प्रवेश द्वार (गेट संख्या-01) से प्रवेश कर दाहिनी ओर स्थित मैदान में होगी। वही सामान्य वाहनों की पार्किंग ग्रामीण पुलिस अधीक्षक आवास से पहले स्थित सीपीडब्लूडी मैदान में की गई है। इसके अतिरिक्त आवश्यकता अनुसार झिटकियां रोड एवं मार्बल गली में भी अतिरिक्त पार्किंग की व्यवस्था की गई है। वही बताया गया है कि मुख्यमंत्री के कार्यक्रम अवधि पूर्वाहन 11 बजे से अपराह्न 02 बजे तक के दौरान दादर पुलिस लाइन चौक से लक्ष्मी चौक जाने वाली सड़क,

लक्ष्मी चौक से पुलिस लाइन जाने वाली सड़क, रानीसती मंदिर (सिकंदरपुर चौक) से सिकंदरपुर स्टेडियम की ओर जाने वाली सड़क, कर्बला चौक से सिकंदरपुर स्टेडियम की ओर जाने वाली सड़क बंद रहेंगे। जिला प्रशासन के निर्देश के अनुसार कार्यक्रम स्थल पर आने वाली सभी प्रकार के वाहन यातायात नियमों का पालन करते हुए चिन्हित पार्किंग स्थल में वाहन को लगाकर रखेगें। एम्बुलेंस, अग्निशमन वाहन एवं अन्य आकस्मिक / आपातकालीन सेवा वाहनों के आवागमन के लिए मार्ग आवश्यकतानुसार निर्बाध एवं खुला रखा जाएगा।वही परीक्षार्थियों को अपना वैध प्रवेश पत्र दिखाने पर आवश्यकतानुसार संबंधित मार्ग से आवागमन की अनुमति प्रदान की जाएगी। उधर एसएसपी ने कहा है कि मुजफ्फरपुर पुलिस साइबर सेल एवं सोशल मीडिया सेल द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर निरंतर निगरानी रखी जा रही है। एसएसपी ने नगरवासियों से अपील की है कि बिना सत्यता की जांच किए किसी भी तरह के भड़काऊ, आपतिजनक एवं अमर्यादित टिप्पणी, अफवाह तथा भ्रामक पोस्ट शेयर ना करें। साथ हीं इस तरह की हरकत करने वाले के संबंध में पुलिस को अविलंब सूचना दें।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के आज आगमन को लेकर कई मार्गो में किया गया ट्रैफिक डायवर्ट

क्लब का 74वाँ स्थापना एवं पदस्थापना समारोह संपन्न

रूपा सिन्हा को रोटरी क्लब ऑफ मुजफ्फरपुर के अध्यक्ष का दायित्व

मुजफ्फरपुर(एनएसबी)। रोटरी क्लब ऑफ मुजफ्फरपुर का 74वाँ स्थापना एवं पदस्थापना समारोह होटल एम्बेसी इंटरनेशनल सभागार में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर वर्ष 2026-27 के लिए रोटेरियन रूपा सिन्हा को अध्यक्ष तथा रोटेरियन निसर्ग शंकर को सचिव के रूप में विधिवत पदस्थापित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व जिला गवर्नर रोटेरियन संजीव ठाकुर थे व विशिष्ट अतिथि के रूप में असिस्टेंट गवर्नर रोटेरियन अजीत कुमार अग्रवाल समारोह में उपस्थित रहे। समारोह में शहर के गणमान्य नागरिकों, विभिन्न रोटरी क्लबों के पदाधिकारियों, इनरव्हील क्लब की पदाधिकारियों एवं बड़ी संख्या में रोटेरियन्स की उत्साहपूर्ण उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं रोटरी की परंपराओं के अनुरूप हुआ। तत्पश्चात वर्ष 2026-27 के लिए रोटरी क्लब ऑफ मुजफ्फरपुर की नई कार्यकारिणी का विधिवत पदस्थापन संपन्न कराया गया।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में रोटेरियन रूपा सिन्हा ने क्लब के आगामी वर्ष के विजन एवं सेवा परियोजनाओं की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण एवं सामुदायिक विकास के क्षेत्र में प्रभावी कार्य करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। क्लब के सचिव रोटेरियन निसर्ग शंकर ने आगामी वर्ष की योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि क्लब द्वारा बालिकाओं के लिए निःशुल्क जूडो-कराटे प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इसके अतिरिक्त स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण, युवा विकास एवं समाज के वंचित वर्गों के कल्याण हेतु अनेक सेवा परियोजनाएँ पूरे वर्ष संचालित की जाएँगी। वही मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों ने रोटरी की नई टीम को सफल एवं जनसेवा से परिपूर्ण कार्यकाल के लिए शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर मुजफ्फरपुर के विभिन्न रोटरी क्लबों के अध्यक्ष एवं सचिवों तथा इनरव्हील क्लबों की अध्यक्ष एवं सचिवों को सम्मानित किया गया, जिससे रोटरी एवं इनरव्हील परिवार के बीच सहयोग एवं समन्वय की भावना को और अधिक सुदृढ़ किया गया। कार्यक्रम का संचालन पीपी रोटेरियन राकेश चाचन ने मास्टर ऑफ सेरेमनी के रूप में किया। समारोह में डॉ एच एन भारद्वाज, पीपी रोटेरियन सुधीर कुमार सिन्हा, पीपी गोपाल प्रकाश, पीपी शेखर कुमार, पीपी राकेश चाचन, पीपी रजनीश कुमार, रोटेरियन राजकुमार गुप्ता, रोटेरियन बबलू चौधरी, रोटेरियन बसंत सहित बड़ी संख्या में रोटेरियन्स एवं गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। समारोह का समापन रोटरी के आदर्श 'स्वयं से ऊपर सेवा' के अनुरूप समाज हित में निरंतर कार्य करने के संकल्प के साथ हुआ। अंत में सभी अतिथियों, रोटेरियन्स, इनरव्हील सदस्यों, मीडिया प्रतिनिधियों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

समारोह का उद्घाटन करते अतिथि गण।

20 लाख रुपये की हाईटेक ठगी का मास्टर माइंड मुजफ्फरपुर से गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर(एनएसबी)। भोपाल में भारतीय स्टेट बैंक के 22 एटीएम बूथों से करीब 20 लाख रुपये की हाईटेक ठगी करने वाले गिरोह के मास्टरमाइंड को आखिरकार मुजफ्फरपुर से गिरफ्तार कर लिया गया। भोपाल के शाहपुरा थाना पुलिस ने मुजफ्फरपुर सदर थाना पुलिस के सहयोग से भगवानपुर स्थित एक किराये के मकान में छापेमारी कर आरोपी अभिषेक कुमार को दबोच लिया। वह कैश लोडिंग एजेंसी में सीनियर इंजीनियर के पद पर कार्यरत था और पूरे गिरोह का संचालन कर रहा था।

भोपाल में एसबीआई के 22 एटीएम से 20 लाख की हाईटेक ठगी की

छपरा का इंजीनियर छात्र चला रहा था गैंग, डोरीगंज में बना रखा है ट्रेनिंग सेंटर

पुलिस के अनुसार, इस मामले में अब तक कुल सात आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। गिरफ्तार अभिषेक कुमार मूल रूप से सारण (छपरा) जिले के खलपुरा का रहने वाला है। उसने छपरा और गया के युवकों को साथ लेकर एक संगठित गिरोह बनाया था, जिसमें इंजीनियरिंग के दो छात्र भी शामिल थे। अन्य गिरफ्तार आरोपियों में मो आसिफ, मो सागीर, साहिल अली, प्रिंस गुप्ता, सोनू उर्फ विपुल और साकेत खेतान शामिल हैं। पुलिस ने इनके पास से 50 हजार रुपये नकद और वारदात में प्रयुक्त कार भी बरामद की है। पुलिस जांच में यह तथ्य सामने आया है कि अभिषेक ने छपरा के डोरीगंज इलाके में बाकायदा एक ट्रेनिंग सेंटर बना रखा था। यहां नए सदस्यों को एटीएम मशीन से छेड़छाड़ करने की विशेष तकनीक सिखाई जाती थी। उन्हें मास्टर चाबी से एटीएम का शटर खोलने और मशीन से नकदी निकालने के ऐसे तरीके बताए जाते थे, जिससे बैंक के सर्वर पर ट्रांजैक्शन फेल दिखाई दे। पुलिस के अनुसार पूछताछ में खुलासा हुआ कि गिरोह सुनसान इलाकों में स्थित एसबीआई के एटीएम को निशाना बनाता था। आरोपी कैश डिस्पेंसर में तकनीकी छेड़छाड़ कर ग्राहकों के रुपये मशीन में फंसा देते थे। इसके बाद ग्राहकों से कहते थे कि कुछ देर में राशि उनके खाते में वापस आ जाएगी। ग्राहक के जाने के बाद आरोपी मशीन खोलकर फंसे हुए रुपये निकाल लेते थे। इतना ही नहीं, कई एटीएम बूथों पर कस्टमर केयर नंबर की जगह अपना मोबाइल नंबर लिख देते थे, ताकि जरूरत पड़ने पर ग्राहक उन्हें फोन करें और वे उन्हें झांसे में लेकर ठगी कर सकें।

भोपाल पुलिस की गिरफ्त में हाईटेक ठग गिरोह का सरगना ।

मुजफ्फरपुर में पुलिस की बड़ी चूक, जिस पाउडर को बताया स्मैक, वह एफएसएल जांच में निकली बुखार-दर्द की दवा

मुजफ्फरपुर(एनएसबी)। जिले से पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करने वाला मामला सामने आया है। बेनीबाद थाना पुलिस ने जिस पदार्थ को स्मैक बताकर तीन युवकों को गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट के तहत जेल भेज दिया था, वह फॉरेंसिक साइंस लैब की जांच में साधारण बुखार और दर्द की दवा निकला। इसके बाद विशेष एनडीपीएस कोर्ट-2 ने तीनों युवकों को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया। हालांकि अदालत से राहत मिलने तक तीनों युवक करीब नौ महीने जेल में रह चुके थे। जानकारी के अनुसार, मामला अक्टूबर 2025 का है। बेनीबाद थाना पुलिस ने छापेमारी के दौरान प्रेमशंकर कुमार उर्फ छोटा मेल, सुदेश कुमार और रमेश कुमार को गिरफ्तार किया था। पुलिस का दावा था कि उनके पास से 30 पुड़िया स्मैक बरामद हुई है। इसी आधार पर तीनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। बाद में पुलिस ने इस मामले में चार्जशीट भी दाखिल कर दी। करीब नौ महीने तक जेल में रहने के दौरान तीनों युवकों और उनके परिवारों को मानसिक, सामाजिक और आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ा।

डेढ़ सौ रुपये के उधार के विवाद का 45 साल तक कोर्ट में चला मुकदमा, मामले के एकमात्र जीवित बुजुर्ग को कोर्ट ने माना दोषी

मुजफ्फरपुर(एनएसबी)। महज 150 रुपये के उधार लिए जाने को लेकर शुरू हुआ विवाद का मुकदमा 45 साल तक अदालत में चलने के बाद शनिवार 11 जुलाई को अंतिम मुकाम पर पहुंचा। 45 वर्षो से चल रहे इस मुकदमे की शनिवार को जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश-20 शरद चंद्र कुमार की अदालत ने अंतिम सुनवाई करते हुए मामले के एकमात्र जीवित बचे आरोपित 75 वर्षीय भिखारी सहनी को मारपीट और बंधक बनाने का दोषी पाया। मुकदमे के एकमात्र जीवित बचे आरोपित की उम्र, वृद्धावस्था और मुकदमे की असाधारण लंबी अवधि को देखते हुए अदालत ने उन्हें जेल भेजने के बजाय आपराधिक परिवीक्षा अधिनियम के तहत चेतावनी देकर रिहा कर दिया।

ज्ञात हो कि 5 मई 1981 की रात महज 150 रुपए उधार लेने और देने को लेकर दो पक्ष के बीच हुआ मुकदमा 45 साल तक अदालत में चलता रहा, जिसकी आज अंतिम सुनवाई की गई। 5 मई 1981 की रात गायघाट थाना क्षेत्र के एक गांव में रहने वाली कबूतरी मलाहिन ने प्राथमिकी दर्ज कराई थी। प्राथमिकी शिकायत के अनुसार 5 मई 1981 की दोपहर कबूतरी देवी के पुत्र लोढ़न सहनी ने गांव के ही भिखारी सहनी से 150 रुपये का पुराना उधार (पैंचा) मांगा था। इसी बात से नाराज होकर रात करीब 11 बजे भिखारी सहनी समेत कई लोग लाठी-डंडों से लैस होकर उनके घर पहुंच गए और गाली-गलौज किया। विरोध करने पर भिखारी सहनी सहित उनके साथ आए लोगों द्वारा कबूतरी मलाहिन के साथ मारपीट की गई। शोर सुनकर जब उनका बेटा लोढ़न सहनी बचाव के लिए आया तो भिखारी सहनी और महेंद्र सहनी ने उसके हाथ-पैर रस्सी से बांध दिए। आरोप है कि इसके बाद हमलावरों ने घर में आग लगा दी, जिससे चौखट, किवाड़, दो मन धान, एक मन गेहूं, खैनी, कपड़े समेत लगभग 2,500 रुपये की संपत्ति जलकर नष्ट हो गई।

5 मई को गायघाट थाना पुलिस ने मामला दर्ज किया। वही 14 जून 1981 को आरोप पत्र कोर्ट में दाखिल किया गया और 17 जनवरी 1983 को अदालत ने आरोप तय किए। इसके बाद मामला चार दशक से अधिक समय तक अदालत में विचाराधीन रहा। लंबी सुनवाई के बाद अदालत ने इस मामले की अंतिम सुनवाई की। जिसमें अदालत मुकदमे के वर्तमान में जीवित बचे एकमात्र आरोपी भिखारी सहनी को मारपीट और बंधक बनाने का दोषी माना, लेकिन उनकी 75 वर्ष की आयु, बृद्धवस्था और लगभग 45 वर्षो तक चले मुकदमे को देखते हुए मानवीय आधार पर भिखारी सहनी को जेल भेजने के बजाय चेतावनी देकर रिहा करने का आदेश दिया। महज डेढ़ सौ रुपए उधार लेनदेन को लेकर हुए विवाद का यह मुकदमा अदालत में 45 वर्षो तक चलते रहने और 45 वर्षो के बाद इसकी अंतिम सुनवाई होने का मामला आमलोगों के बीच चर्चा का विषय बना रहा।

अदालत ने अंतिम सुनवाई करते हुए दोषी ठहराए गए 75 वर्षीय बृद्ध को चेतावनी देकर दी रिहाई

मामले की प्रतीकात्मक तस्वीर।

संक्षिप्त खबरें

वरिष्ठ पत्रकार एवं प्रेस क्लब सीतामढ़ी के संस्थापक अध्यक्ष नरेंद्र कुमार के निधन पर जिला प्रशासन ने जताया गहरा शोक

नरेंद्र कुमार का निधन पत्रकारिता जगत एवं समाज के लिए अपूरणीय क्षति : जिलाधिकारी

सीतामढ़ी (एनएसबी)। वरिष्ठ पत्रकार एवं प्रेस क्लब, सीतामढ़ी के संस्थापक अध्यक्ष नरेंद्र कुमार के निधन पर जिला प्रशासन ने गहरा शोक व्यक्त किया है। जिलाधिकारी रिची पांडेय ने अपने शोक संदेश में कहा कि श्री कुमार ने लंबे समय तक निष्पक्ष, जिम्मेदार एवं जनसरोकारों से जुड़ी पत्रकारिता के माध्यम से समाज और पत्रकारिता जगत की उल्लेखनीय सेवा की। उनकी कार्यशैली, प्रतिबद्धता एवं पत्रकारिता के प्रति समर्पण सदैव प्रेरणास्रोत रहेंगे। उन्होंने कहा कि नरेंद्र कुमार का निधन पत्रकारिता जगत ही नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए एक अपूरणीय क्षति है। जारी शोक संदेश में जिला प्रशासन ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हुए शोक-संतप्त परिजनों, शुभचिंतकों एवं समस्त पत्रकार बंधुओं के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की।

जिलाधिकारी रिची पांडेय।

वरिष्ठ पत्रकार स्व. नरेंद्र कुमार का द्वादशा श्राद्ध (पगड़ी) सोमवार 20 जुलाई को संपन्न होगा

सीतामढ़ी (एनएसबी)। वरिष्ठ पत्रकार नरेंद्र कुमार के निधन से पत्रकारिता जगत, सामाजिक एवं बौद्धिक क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त है। निधन के उपरांत उनकी दिवंगत आत्मा की शांति के लिए निर्धारित धार्मिक कार्यक्रमों की घोषणा की गई है। स्व. कुमार के पुत्र राजीव कुमार, पत्रकार द्वारा जारी सूचना के अनुसार नरेंद्र कुमार का स्वर्गवास बुधवार, 8 जुलाई 2026 को हो गया। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार नवकेश शनिवार, 18 जुलाई 2026, एकादशा श्राद्ध रविवार, 19 जुलाई 2026 तथा द्वादशा श्राद्ध (पगड़ी) सोमवार, 20 जुलाई 2026 को संपन्न होगा। सभी धार्मिक कार्यक्रम उनके निज निवास 'कलाश्री', वार्ड संख्या-11 (पुराना वार्ड-18), कपरौल रोड, सीतामढ़ी नगर में आयोजित होंगे। परिजनों ने सभी आत्मीयजनों, शुभचिंतकों एवं पत्रकार साथियों से कार्यक्रम में सम्मिलित होकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करने का आग्रह किया है।

वरिष्ठ पत्रकार दिवंगत नरेंद्र कुमार (फाइल फोटो)।

पूर्व मुखिया द्वारा भुतही में शोक सभा एवं शांति भोज का आयोजन, स्मृतिशेष मदन मोहन कुमार को दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

सीतामढ़ी(एनएसबी)। पूर्व मुखिया मनोज कुमार द्वारा उनके पिता मदन मोहन कुमार के निधन के उपरांत शांति एवं श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।

शोकसभा में स्व मदन मोहन कुमार को श्रद्धांजलि अर्पित करते लोग।

इस अवसर पर मनोज कुमार द्वारा शांति भोज का आयोजन कर दिवंगत आत्मा की शांति हेतु सामूहिक प्रार्थना की गई। कार्यक्रम में पटना उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश संजय कुमार परिवार संग स्मृतिशेष मदन मोहन कुमार के तैलीय चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। शांति भोज में क्षेत्र के अनेक जनप्रतिनिधियों, चिकित्सकों, समाजसेवियों एवं गणमान्य नागरिकों ने बड़ी संख्या में उपस्थिति दर्ज कराई। उपस्थित लोगों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हुए शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। स्थानीय लोगों के अनुसार, मदन मोहन कुमार अपने सरल स्वभाव, सामाजिक व्यवहार और पारिवारिक मूल्यों के लिए जाने जाते थें। उनके निधन को क्षेत्र में अपूरणीय क्षति के रूप में देखा जा रहा है। शांतिभोज में बिहार सरकार के पूर्व मंत्री डॉ रामचंद्र पूर्वे, डॉ रंजना पूर्वे, पूर्व सांसद अर्जुन राय, विधायक अनिल कुमार, डॉ वरूण कुमार, डॉ सुबोध कुमार महतो, पूर्व मेयर प्रत्याशी विशाल कुमार समेत बड़ी संख्या में अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

सेवानिवृत व स्थानांतरित हुए बाल विकास परियोजना कार्यालय के तीन कर्मियों की विदाई

बैरगनिया(एनएसबी)। बाल विकास परियोजना कार्यालय, बैरगनिया में कार्यरत कार्यपालक सहायक मनोज शर्मा, महिला पर्यवेक्षिका (एलएस) सीमा कुमारी एवं अर्चना कुमारी के स्थानांतरण एवं कार्यकाल पूर्ण होने पर आंगनबाड़ी सेविकाओं

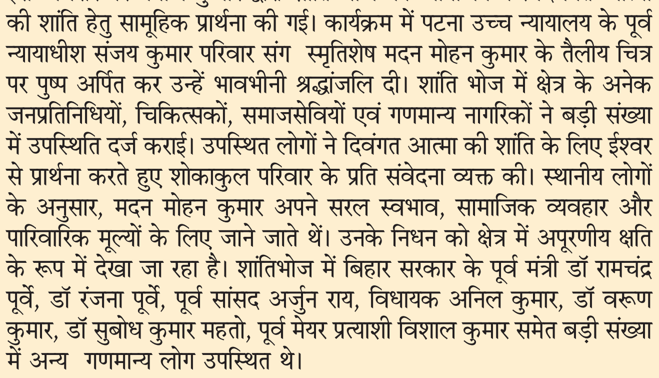
सहयोगी कर्मियों को सम्मानित कर विदाई देती आंगनबाड़ीकर्मी।

द्वारा भावभीनी विदाई समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में परियोजना कार्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने तीनों कर्मियों के कार्यकाल की सराहना करते हुए उनके समर्पण, कार्यकुशलता और सेवा भावना की प्रशंसा की। वक्ताओं ने कहा कि उन्होंने अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी से किया, जिसकी छाप हमेशा बनी रहेगी। इस अवसर पर सहकर्मियों एवं आंगनबाड़ी सेविकाओं ने अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर उन्हें सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल, सुखद एवं सफल भविष्य की कामना की। समारोह का माहौल भावुक रहा और उपस्थित लोगों ने उन्हें नई जिम्मेदारियों के लिए शुभकामनाएँ देते हुए सम्मानपूर्वक विदाई दी। मौके पर सेविका नीतू कुमारी, रंजू सिंह, ललिता कुमारी, गीता देवी, पिंकी कुमारी, इशरत लका खानम, अंचला कुमारी, रेणु कुमारी, निकहत प्रवीण, रेणु जायसवाल, रूपसागर कुमारी, शगुफ्ता बेगम आदि उपस्थित थी।

विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर छोटे परिवार एवं जन्म अंतराल अपनाने का दिया गया संदेश

जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़ा का शुभारंभ

सीतामढ़ी (एनएसबी)। विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर राज्य स्वास्थ्य समिति, बिहार के निदेर्शानुसार 11 जुलाई से 31 जुलाई 2026 तक आयोजित जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़ा का शुभारंभ शनिवार को सदर अस्पताल, सीतामढ़ी में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन सिविल सर्जन डॉ आर के यादव, अस्पताल उपाधीक्षक डॉ मनोज कुमार, अस्पताल प्रबंधक विजय झा, पीरामल फाउंडेशन के जिला प्रबंधक प्रभाकर कुमार, दुर्गा प्रसाद, बिकेश कुमार, विक्रम कुमार तथा पीएसआई (इंडिया) के विनय कुमार ने संयुक्त रूप से किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सिविल सर्जन डॉ आर के यादव ने कहा कि जनसंख्या किसी भी देश के विकास का महत्वपूर्ण आधार है, लेकिन अनियंत्रित जनसंख्या वृद्धि विकास की गति को प्रभावित करती है। सीमित एवं नियोजित परिवार न केवल आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त होता है, बल्कि बच्चों को बेहतर पोषण, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएं और उज्ज्वल भविष्य प्रदान करने में भी सक्षम होता है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में भारत का कुल प्रजनन दर 2.1 है, जबकि बिहार का कुल प्रजनन दर 2.9 है। इस अंतर को कम करने के लिए परिवार नियोजन सेवाओं को जन-जन तक पहुंचाना तथा योग्य दंपतियों को उपलब्ध सभी स्थायी एवं अस्थायी परिवार नियोजन साधनों की सही जानकारी देना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि महिला बंध्याकरण, पुरुष नसबंदी, अंतरा इंजेक्शन, छाया, माला-एन, कंडोम, आईयूसीडी एवं पीपीआईयूसीडी जैसे परिवार नियोजन साधनों के बारे में लोगों को जागरूक किया जाए, ताकि वे अपनी आवश्यकता के अनुसार सही विकल्प का चयन कर सकें। डॉ यादव ने दो बच्चों के जन्म के बीच कम-से-कम तीन वर्ष का अंतर रखने पर विशेष बल देते हुए कहा कि इससे मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी

जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़ा का उद्घाटन करते सिविल सर्जन व अन्य।

आती है, कुपोषण की समस्या घटती है तथा मां और शिशु दोनों का स्वास्थ्य बेहतर रहता है। उन्होंने सभी स्वास्थ्यकर्मियों से अपील की कि वे समुदाय स्तर पर नियमित परामर्श, गृह भ्रमण एवं जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से योग्य दंपतियों तक परिवार नियोजन सेवाओं की जानकारी पहुंचाएं।

उन्होंने कहा कि जनसंख्या स्थिरीकरण केवल स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह पूरे समाज का दायित्व है। इस अभियान को सफल बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग, आईसीडीएस, शिक्षा विभाग, पंचायती राज संस्थाएं, स्वयंसेवी संस्थाएं तथा समुदाय के जागरूक नागरिकों को मिलकर कार्य करना होगा। तभी बिहार को राष्ट्रीय प्रजनन दर के स्तर तक लाने का लक्ष्य प्राप्त किया जा सकेगा। इस अवसर पर परिवार नियोजन सेवाओं की उपलब्धता, गुणवत्तापूर्ण परामर्श, योग्य दंपतियों की पहचान, पुरुष सहभागिता बढ़ाने तथा समुदाय में छोटे परिवार एवं स्वस्थ जन्म अंतराल के संदेश को व्यापक रूप से पहुंचाने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में जिला अस्पताल के चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों सहित अस्पताल प्रबंधक विजय झा, पीरामल फाउंडेशन के जिला प्रबंधक प्रभाकर कुमार, दुर्गा प्रसाद, बिकेश कुमार, विक्रम कुमार, पीएसआई (इंडिया) के विनय कुमार, मनीषा कुमारी, संजय कुमार, शोभा कुमारी सहित बड़ी संख्या में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सीतामढ़ी में पॉश एक्ट एक दिवसीय उन्मुखीकरण सह प्रशिक्षण आयोजित

कार्यस्थल पर सुरक्षित एवं सम्मानजनक वातावरण सुनिश्चित करने पर बल

सीतामढ़ी(एनएसबी)। महिला एवं बाल विकास निगम बिहार पटना की प्रबंध निदेशक के निदेर्शानुसार कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, प्रतिषेध एवं प्रतितोष) अधिनियम, 2013 (पॉश एक्ट) विषयक एक दिवसीय उन्मुखीकरण-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन समाहरणालय स्थित परिचर्चा भवन में किया गया।

उन्मुखीकरण-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन करते जिला पदाधिकारी।

कार्यक्रम का शुभारंभ जिलाधिकारी रिची पाण्डेय, उप विकास आयुक्त संदीप कुमार, अपर समाहर्ता बृजकिशोर पाण्डेय एवं जिला प्रोग्राम पदाधिकारी (आईसीडीएस) श्रीमती निशिकांत द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।अपने संबोधन में जिला पदाधिकारी रिची पाण्डेय ने निर्देश दिया कि ढडरल अधिनियम का प्रभावी अनुपालन सभी सरकारी, निजी एवं गैर-सरकारी संस्थानों में सुनिश्चित करे। उन्होंने कहा कि कार्यस्थल पर महिलाओं के लिए सुरक्षित, सम्मानजनक एवं अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराना प्रत्येक संस्था की जिम्मेदारी है। इसके लिए प्रत्येक कार्यालय में आंतरिक समिति एवं स्थानीय समिति का गठन तथा उनके कार्यों एवं दायित्वों की जानकारी सभी कर्मियों तक पहुंचाना आवश्यक है।

प्रशिक्षण सत्र में मुख्य प्रशिक्षक गुंजन बिहारी ने POSH अधिनियम के विकासक्रम, 1992 के घटनाक्रम, 1997 के विशाखा दिशा-निर्देश (भंवरी देवी प्रकरण) तथा वर्ष 2013 में बने कानून की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने वर्तमान समय में कानून के प्रति संस्थागत जागरूकता की आवश्यकता पर बल देते हुए प्रतिभागियों के प्रश्नों का सरल एवं व्यवहारिक उत्तर दिया। साथ ही POSH विषयक ऑनलाइन प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों की भी जानकारी साझा की। कार्यक्रम में अपर समहार्ता रजनीश लाल, राहुल कुमार, वरीय उप समाहर्ता अमूल्य कुमार, डीआरडीए निदेशक राजेश कुमार, योजना पदाधिकारी संतोष सुमन, सिविल सर्जन आर के यादव, सहायक निदेशक जिला दिव्यांगजन कोषांग सुश्री जया, जिला उद्योग प्रबंधक प्रिया भारती, डीपीएम एजाजूल अंसारी, जिला मिशन समन्वयक देवजीत चक्रवर्ती, विकास कुमार, प्रथम संस्था के जिला समन्वयक सुधीर कुमार, प्रथम की राज्य प्रतिनिधि ममता आनंद, गीता कुमारी, अदिति संस्था के मनीष कुमार, दृष्टि संस्था के परियोजना निदेशक परणीता कुमारी, माधुरी कुमारी सहित शिक्षा, श्रम, आईसीडीएस, पुलिस विभाग, सामाजिक सुरक्षा, जीविका, सांख्यिकी, उद्यान, मनरेगा, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान एवं अन्य विभागों के अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

गर्मी और बढ़ते तापमान के मद्देनजर पीएचईडी व विद्युत विभाग के कार्यों की जिलाधिकारी ने समीक्षा

कहा : किसी भी क्षेत्र में जल संकट या बिजली संकट उत्पन्न होने पर जिम्मेदार लोगो पर कार्रवाई तय

सीतामढ़ी(एनएसबी)। बढ़ती गर्मी एवं लगातार बढ़ रहे तापमान के कारण संभावित जल संकट की स्थिति को देखते हुए जिलाधिकारी रिची पांडेय की अध्यक्षता में परिचर्चा भवन में पीएचईडी एवं विद्युत विभाग के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक के दौरान प्रखंड एवं वार्ड स्तर पर संचालित पेयजल योजनाओं की समीक्षा में पाया गया कि कई स्थानों पर कार्य अपेक्षित गति से नहीं चल रहे हैं।

पीएचईड़ी एवं विद्युत विभाग के अधिकारियो के साथ समीक्षा बैठक करते जिलाधिकारी।

इस पर जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी छूटे हुए टोलों में पेयजल योजनाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर अविलंब पूर्ण कराया जाए। बैठक में बोरिंग की स्थिति, पाइपलाइन के कार्य में अद्यतन प्रगति, गृह जल संयोजन इत्यादि की समीक्षा की गई। उन्होंने कहा कि किसी भी परिस्थिति में आमजन को पेयजल संकट का सामना नहीं करना चाहिए और इसके लिए संबंधित पदाधिकारी एवं कार्यकारी एजेंसियां सीधे तौर पर जवाबदेह होंगी। जिलाधिकारी ने सभी कार्यकारी एजेंसियों को चेतावनी देते हुए कहा कि कार्य में अनावश्यक विलंब, लापरवाही अथवा उदासीनता किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी। जिन एजेंसियों की प्रगति असंतोषजनक पाई गई है, उनसे तत्काल स्पष्टीकरण प्राप्त करने तथा संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने निर्देश दिया कि प्रत्येक प्रखंड में कार्यरत टीमों की संख्या बढ़ाई जाए तथा योजनाओं के निष्पादन में तेजी लाने के लिए अतिरिक्त मानव संसाधन एवं मशीनरी लगाई जाए। साथ ही सभी प्रखंडों से प्रतिदिन अद्यतन प्रगति प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। विशेष रूप से पूर्व से जल संकट प्रभावित क्षेत्रों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि ऐसे प्रखंडों में योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की शिथिलता गंभीरता से ली जाएगी। बैठक में विद्युत विभाग के पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया कि जिन योजनाओं में विद्युत दोष के कारण विलंब हो रहा है वहां शीघ्र कार्रवाई करते हुए विद्युत दोष दूर किया जाए।

कार्यपालक अभियंता विद्युत प्रमंडल को निर्देशित किया गया है कि पीएचईडी के साथ समन्वय बनाए रखें। बैठक में अपर समाहर्ता आपदा प्रबंधन बृज किशोर पांडेय, पीएचईडी के कार्यपालक अभियंता, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी कमल सिंह, विद्युत कार्यपालक अभियंता, विभाग के सभी कनीय अभियंता एवं विभिन्न कार्यकारी एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

पीओपी रैंकिंग में सोनबरसा अंचल ने मारी बाजी, बिहार में दूसरा स्थान हासिल किया

सीतामढ़ी(एनएसबी)। कभी पीओपी रैंकिंग में निचले स्थान रहने वाला सोनबरसा अंचल आज पूरे बिहार में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। यह उपलब्धि अंचल प्रशासन की बेहतर कार्यशैली, नियमित मॉनिटरिंग और पूरी टीम की सामूहिक मेहनत का परिणाम मानी जा रही है। जानकारी के अनुसार जून महीने की अंचल कार्यालय के राजस्व से जुड़े कार्यों के त्वरित निष्पादन, लंबित मामलों के निपटारे, दाखिल-खारिज, परिमार्जन एवं अन्य सेवाओं की नियमित समीक्षा की गई। कार्यों में पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान दिया गया, जिसका सकारात्मक असर राज्यस्तरीय पीओपी रैंकिंग में देखने को मिला है। इस उपलब्धि पर तत्कालीन अंचलाधिकारी अनुपम कुमार ने कहा कि यह किसी एक अधिकारी की नहीं, बल्कि पूरे अंचल कार्यालय की टीम की सफलता है। उन्होंने कहा कि सभी राजस्व कर्मचारी, अंचल अमीन और कार्यालय कर्मियों ने पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ कार्य किया। जिसके कारण सोनबरसा अंचल ने यह मुकाम हासिल किया है। उन्होंने बताया कि टीम का उत्साहवर्धन बेहतर परिणाम देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसी उद्देश्य से उन्होंने पिछले दिनों राजस्व कर्मचारियों व कर्मियों को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया था। उनका मानना है कि कर्मचारियों का सम्मान और प्रोत्साहन उन्हें और बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित करता है, जिसका लाभ सीधे आम नागरिकों को मिलता है। सम्मानित होने वाले अंचल कर्मचारियों में शशिकांत कुमार, दीपक कुमार, धीरज कुमार सिंह, सुनील कुमार पंडित, उमेश मुखिया समेत अन्य कर्मी शामिल थे।

सम्मानित किए गए सोनबरसा के अंचलकर्मी।

108 पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

सीतामढ़ी(एनएसबी)। श्रीजानकी कथा के द्वितीय एवं समापन दिवस के अवसर पर 12 वर्षीय बाल व्यास वैदेहीनंदन वेदांतजी महाराज के नेतृत्व में उपस्थित गणमान्यों द्वारा 108 पौधों का सामूहिक पौधरोपण किया गया। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण, प्रकृति संवर्धन एवं हरित भारत के निर्माण का संकल्प भी लिया गया। वैदेहीनंदन वेदांतजी ने कहा कि भारतीय संस्कृति में वृक्ष केवल प्रकृति का अंग नहीं, बल्कि जीवन, धर्म और लोकमंगल के प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार मां जानकी का प्रकृति से गहरा संबंध रहा है, उसी प्रकार प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है कि वह पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिकाधिक पौधरोपण करे और उनकी नियमित देखभाल भी सुनिश्चित करे। काउंसिल से जुड़े विजय कुमार ने कहा कि 'श्रीजानकी कथा' केवल सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक जागरण का अभियान नहीं, बल्कि प्रकृति संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन एवं सामाजिक उत्तरदायित्व का भी संदेश देती है। इसी उद्देश्य से कथा के समापन अवसर पर 108 पौधों का रोपण कर हरित एवं स्वच्छ समाज के निर्माण का सामूहिक संकल्प लिया गया।

कुम्हरा विष्णुपुर में दो दिवसीय श्रीजानकी कथा का भक्तिभाव के साथ हुआ समापन, मातृशक्ति के जागरण का लिया गया संकल्प

सीतामढ़ी(एनएसबी)। जगज्जननी मां जानकी की पावन प्राकट्यभूमि सीतामढ़ी के डुमरा प्रखंड अंतर्गत कुम्हरा विष्णुपुर स्थित श्रीराम-जानकी मठ में रामायण रिसर्च काउंसिल के तत्त्वावधान में आयोजित दो दिवसीय श्रीजानकी कथा का रविवार को भक्तिभाव के साथ समापन हो गया। कथा के अंतिम दिवस भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। विशेष रूप से सैकड़ों महिलाओं, युवतियों एवं बालिकाओं ने कथा का श्रवण कर मां जानकी के जीवन-आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

कथा-व्यास 12 वर्षीय बाल व्यास वैदेहीनंदन वेदांतजी महाराज ने अंतिम दिवस अपने ओजस्वी एवं भावपूर्ण प्रवचन में मां जानकी के जीवन को

व्यासपीठ से श्री जानकी कथा वाचन करते बाल वैदेहीनंदन वेदांतजी।

भारतीय संस्कृति की सर्वोच्च प्रेरणा बताते हुए कहा कि मां सीता केवल श्रद्धा की प्रतीक नहीं, बल्कि धैर्य, साहस, आत्मबल, करुणा, मयार्दा और आत्मसम्मान की साक्षात प्रतिमूर्ति हैं। उन्होंने कहा कि आज समाज को मां जानकी के जीवन-दर्शन को समझने और उसे व्यवहार में उतारने की आवश्यकता है। बाल व्यास वैदेहीनंदन वेदांतजी महाराज ने कहा कि यदि समाज को सशक्त बनाना है तो सबसे पहले बेटियों को सुरक्षित, शिक्षित और संस्कारित बनाना होगा। उन्होंने कहा कि "हमें अपनी बेटियों को बचाना भी है, पढ़ाना भी है और उन्हें ऐसा आत्मविश्वास देना है कि वे अपने जीवन के प्रत्येक निर्णय को साहस, विवेक और स्वाभिमान के साथ ले सकें।" कथा के समापन अवसर पर उन्होंने मां सीताजी के प्राकट्य और विवाह-उत्सव का दर्शन कराया।

कथा के समापन पर रामायण रिसर्च काउंसिल के सीतामढ़ी जिला संगठन प्रभारी नीरज गोयनका ने रामायण रिसर्च काउंसिल के उद्देश्यों को विस्तार से रखते हुए कहा कि श्रीजानकी कथा का उद्देश्य केवल धार्मिक आयोजन करना नहीं, बल्कि मां जानकी के प्रेरणादायी जीवन-दर्शन को समाज के प्रत्येक परिवार तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि सीतामढ़ी मां जानकी की प्राकट्यभूमि है, इसलिए यहीं से प्रारंभ हुआ यह अभियान आगे पूरे जिले, बिहार तथा देशभर में संचालित किया जाएगा।

रामायण रिसर्च काउंसिल के शोध समिति के अध्यक्ष रामशरण अग्रवाल ने कहा कि काउंसिल का संकल्प है कि सीतामढ़ी को 'शक्ति-क्षेत्र' के रूप में विकसित करते हुए यहां से मातृशक्ति जागरण, भारतीय संस्कृति के संरक्षण तथा मां जानकी के जीवन-आदर्शों के व्यापक प्रचार-प्रसार का अभियान निरंतर चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि उन्हें बहुत प्रसन्नता है कि आगामी दिनों में जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं गांवों में भी नियमित रूप से 'श्रीजानकी कथा' का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में अनुमंडलाधिकारी आनंद कुमार, सीतामढ़ी सदर-2 के अपर पुलिस अधीक्षक आशीष आनंद, शहर के जाने-माने चिकित्सक डॉ. प्रमोद कुमार, डॉ आर.के. प्रकाश आदि उपस्थित रहे। कथा को सफल बनाने में सुशीला कुमारी और ऋषि के नेतृत्व में चंचल कुमारी, संजू कुमारी, वीणा कुमारी, सिंधु कुमारी, राखी, लव कुमार, तारकेश, रत्नेश आदि का योगदान रहा। मंच का संचालन आग्नेय कुमार ने किया।

सम्पादकीय

बांकीपुर उपचुनाव पर टिकीं निगाहें!

बिहार की राजनीति में पटना शहर की बांकीपुर विधानसभा सीट हमेशा से एक हाई-प्रोफाइल और बेहद प्रतिष्ठित सीट मानी जाती रही है। इसे भारतीय जनता पार्टी के दिग्गज नेता और वर्तमान में पार्टी अध्यक्ष के रूप में राजनीतिक परिदृश्य में मजबूती से स्थापित नितिन नवीन की पैतृक और अजेय सीट के तौर पर जाना जाता है। इस सीट पर दशकों से नवीन परिवार और भाजपा की विचारधारा का एकछत्र राज रहा है। लेकिन हाल ही में इस सीट पर घोषित हुए उपचुनाव ने राज्य की राजनीति में एक ऐसा भूचाल ला दिया है जिसकी उम्मीद शायद ही किसी राजनीतिक पंडित को थी। चुनाव की तारीखों के ऐलान के साथ ही यह माना जा रहा था कि भाजपा के लिए यह महज एक औपचारिकता होगी और जीत का अंतर ही एकमात्र चर्चा का विषय होगा। लेकिन ऐन वक्त पर पार्टी के आधिकारिक प्रत्याशी द्वारा अपना नामांकन वापस लिए जाने की घटना ने पूरे राजनीतिक परिदृश्य को पूरी तरह से पलट कर रख दिया है। इस अप्रत्याशित घटना ने न केवल सत्ताधारी दल के रणनीतिकारों को चौंकाया है, बल्कि विपक्ष को भी बैठे-बिठाए एक बड़ा राजनीतिक हथियार थमा दिया है।

किसी भी कैडर-आधारित और अनुशासित माने जाने वाली पार्टी के लिए उसके सबसे सुरक्षित गढ़ में ऐसी घटना होना बेहद असामान्य बात है। बांकीपुर जैसे विशुद्ध शहरी क्षेत्र में, जहां पार्टी का चुनाव चिह्न ही जीत की गारंटी माना जाता रहा हो, वहां अंतिम क्षणों में उम्मीदवार का मैदान से हट जाना कई गंभीर सवाल खड़े करता है। राजनीतिक गलियारों में इस बात को लेकर तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं कि आखिर ऐसी कौन सी मजबूरी, तकनीकी खामी या आंतरिक कलह थी जिसने प्रत्याशी को यह कदम उठाने पर मजबूर किया। क्या यह पार्टी के भीतर चल रही किसी गहरी गुटबाजी का परिणाम है, या फिर गठबंधन धर्म निभाने की किसी जटिल राजनीतिक चाल का हिस्सा? कारण चाहे जो भी हो, इस वाकये ने भाजपा के 'अजेय और अनुशासित' होने के मिथक पर एक मनोवैज्ञानिक चोट जरूर की है। चुनाव में धारणा (परसेप्शन) का बहुत बड़ा महत्व होता है, और फिलहाल इस घटना के तुरंत बाद धारणा के स्तर पर पार्टी को रक्षात्मक मुद्रा में आना पड़ा है।

विपक्ष ने स्वाभाविक रूप से इस मौके को हाथों-हाथ लिया है। विपक्षी दलों के नेताओं ने इसे सत्ता पक्ष की हताशा, अंदरूनी कलह और संभावित हार के डर के रूप में प्रचारित करना शुरू कर दिया है। विपक्ष का तर्क बड़ा सीधा है कि जो पार्टी अपने सबसे मजबूत किले में एक उम्मीदवार को चुनाव मैदान में टिका कर नहीं रख सकती, वह राज्य या क्षेत्र के विकास की गारंटी कैसे दे सकती है। विपक्षी खेमे में इस घटना के बाद से अचानक एक नई ऊर्जा का संचार देखने को मिल रहा है। वे इसे केवल एक विधानसभा सीट का उपचुनाव नहीं, बल्कि एक बड़े राजनीतिक बदलाव के संकेत के रूप में पेश कर रहे हैं। चुनावी रैलियों और जनसंपर्क अभियानों में सत्तारूढ़ दल की इस 'रणनीतिक विफलता' को मुख्य मुद्दा बनाया जा रहा है ताकि शहरी मतदाताओं के बीच एक भ्रम की स्थिति पैदा की जा सके और उनके भीतर असंतोष के बीज बोए जा सकें।

हालांकि, राजनीति का खेल केवल सतह पर दिखने वाली घटनाओं से तय नहीं होता और बांकीपुर की जमीनी हकीकत इससे कहीं अधिक गहरी है। भाजपा नेतृत्व भले ही इस झटके से शुरू में असहज दिखा हो, लेकिन पार्टी ने तुरंत डैमेज कंट्रोल की कवायद शुरू कर दी है। पार्टी के रणनीतिकार यह भली-भांति जानते हैं कि बांकीपुर की तासीर क्या है। यहां का मतदाता पारंपरिक रूप से व्यक्ति से ज्यादा विचारधारा और राष्ट्रीय मुद्दों के आधार पर मतदान करता रहा है। ऐसे में पार्टी का पूरा फोकस अब अपने कोर वोट बैंक को एकजुट रखने पर है। यदि भाजपा किसी निर्दलीय या सहयोगी दल के डमी उम्मीदवार को पर्दे के पीछे से समर्थन देने की रणनीति अपनाती है, तो चुनाव प्रचार का तरीका पूरी तरह से बदल जाएगा। यह एक 'अदृश्य चुनाव अभियान' बन जाएगा जहां लाउडस्पीकर और बड़े पोस्टरों के बजाय घर-घर जाकर, बूथ स्तर की कमेटियों के माध्यम से साइलेंट वोटिंग की अपील की जाएगी।

असली खेल अब वोटों के उस जटिल गणित का है, जिसे समझना विपक्ष के लिए इतना आसान नहीं है। बांकीपुर मुख्य रूप से कायस्थ, वैश्य और अन्य सवर्ण मतदाताओं का एक बहुत बड़ा गढ़ है। इस जनसांख्यिकी (डेमोग्राफी) का झुकाव ऐतिहासिक और वैचारिक रूप से मजबूती के साथ एनडीए के पक्ष में रहा है। दूसरी ओर, इस चुनाव ने स्थानीय जातीय और सामाजिक समीकरणों को भी दिलचस्प बना दिया है। बांकीपुर की गलियों और मोहल्लों में अब चर्चा किसी विशेष उम्मीदवार की नहीं, बल्कि सीधे तौर पर पार्टी की प्रतिष्ठा की हो रही है। नितिन नवीन और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं के लिए यह अपनी राजनीतिक जमीन को बिना किसी आधिकारिक चुनाव चिह्न या चेहरे के बचाने की एक अभूतपूर्व चुनौती है।

भारत-ऑस्ट्रेलिया असैन्य परमाणु समझौता से दुनिया के बड़े यूरेनियम भंडारों तक भारत की पहुंच

ऊर्जा सुरक्षा और पारस्परिक संबंधों के नए आयाम

प्रो. संजय कुमार राजा

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच हुए ऐतिहासिक असैन्य परमाणु सहयोग समझौते ने भारत के ऊर्जा परिदृश्य, विशेषकर परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में एक नई और परिवर्तनकारी शुरूआत की है। वर्ष 2014 में हस्ताक्षरित और 2015 में लागू हुए इस समझौते ने भारत के लिए दुनिया के सबसे बड़े यूरेनियम भंडारों में से एक तक पहुंच सुनिश्चित कर दी। अंतरराष्ट्रीय राजनीति और ऊर्जा कूटनीति के लिहाज से यह समझौता महज एक व्यापारिक सौदा नहीं है, बल्कि यह वैश्विक पटल पर भारत के बेदाग परमाणु अप्रसार रिकॉर्ड पर मुहर लगाता है। भारत ने परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं, इसके बावजूद ऑस्ट्रेलिया द्वारा यूरेनियम आपूर्ति के लिए राजी होना भारत की जिम्मेदार परमाणु शक्ति की छवि को दशार्ता है। इस समझौते से भारत में यूरेनियम आयात का जो निर्बाध रास्ता खुला है, वह देश के ऊर्जा क्षेत्र, आर्थिक विकास, पर्यावरण संरक्षण और दीर्घकालिक रणनीतिक लक्ष्यों के लिए अभूतपूर्व उपलब्धियों का मार्ग प्रशस्त कर रहा है।

किसी भी देश के सतत आर्थिक विकास के लिए ऊर्जा सुरक्षा सबसे बुनियादी आवश्यकता होती है। भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और इसकी ऊर्जा जरूरतें भी उसी अनुपात में तेजी से बढ़ रही हैं। ऐतिहासिक रूप से, भारत का महत्वाकांक्षी परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम हमेशा से ही घरेलू यूरेनियम की कमी से जूझता रहा है। झारखंड के जादूगोड़ा और आंध्र प्रदेश के तुम्मलापल्ले जैसे क्षेत्रों में यूरेनियम का खनन तो होता है, लेकिन यह भंडार न केवल सीमित है, बल्कि इसकी गुणवत्ता (ग्रेड) भी बहुत उच्च कोटि की नहीं है। इस कमी के कारण एक लंबे समय तक भारत के परमाणु ऊर्जा संयंत्र अपनी स्थापित क्षमता से काफी कम (प्लांट लोड फैक्टर या पीएलएफ) पर काम करने को मजबूर थे। कई बार संयंत्रों को अपनी क्षमता के 50 से 60 प्रतिशत पर ही संचालित करना पड़ता था, जो भारी वित्तीय और ऊर्जा नुकसान का कारण बनता था। ऑस्ट्रेलिया के साथ हुए इस समझौते ने भारत की इस सबसे बड़ी बाधा को दूर कर दिया है। ऑस्ट्रेलिया के पास विश्व के कुल ज्ञात और रिकवरेबल यूरेनियम भंडार का लगभग एक-तिहाई हिस्सा मौजूद है। इस निर्बाध आपूर्ति के सुनिश्चित होने से भारत के मौजूदा परमाणु संयंत्र अब अपनी 90 प्रतिशत से अधिक क्षमता पर काम करने में सक्षम हो गए हैं, जो अपने आप में एक बहुत बड़ी और तात्कालिक उपलब्धि है।

इस यूरेनियम आयात ने भारत को अपने भविष्य के परमाणु विस्तार कार्यक्रमों को लेकर एक नया आत्मविश्वास दिया है। जब किसी देश को कच्चे माल (ईंधन) की निरंतर आपूर्ति का भरोसा होता है, तभी वह नई अवसंरचनाओं में भारी पूंजी निवेश करने का जोखिम उठा सकता है। इस समझौते के बाद, भारत सरकार ने स्वदेशी रूप से विकसित प्रेशराइज्ड हेवी वाटर रिएक्टर्स (पीएचडब्ल्यूआर) के फ्लीट मोड निर्माण को मंजूरी दी है। इसके अलावा, विदेशी सहयोग से लाइट वाटर रिएक्टर्स (एलडब्ल्यूआर) की स्थापना के मार्ग की बाधाएं भी दूर हुई हैं। भारत ने अपनी परमाणु ऊर्जा क्षमता को वर्तमान के लगभग 7,480 मेगावाट से बढ़ाकर 2031-32 तक 22,480 मेगावाट तक ले जाने का जो महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है, उसकी सफलता पूरी तरह से ऑस्ट्रेलिया जैसे मित्र राष्ट्रों से होने वाले यूरेनियम आयात पर ही निर्भर करती है। देश के विभिन्न हिस्सों में नए परमाणु संयंत्रों का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है और आने वाले दशक में यह क्षमता भारत के कुल ऊर्जा उत्पादन में एक महत्वपूर्ण हिस्सेदारी निभाने के लिए तैयार है।

आर्थिक दृष्टिकोण से देखा जाए तो, परमाणु ऊर्जा एक बेहतरीन बेस-लोड पावर का विकल्प प्रदान करती है। यद्यपि सौर और पवन ऊर्जा जैसे नवीकरणीय स्रोत पर्यावरण के अनुकूल हैं, लेकिन वे प्रकृति पर निर्भर होने के कारण दिन-रात निरंतर और एक समान बिजली (बेस-लोड) प्रदान नहीं कर सकते। उद्योगों के निर्बाध संचालन के लिए ग्रिड में चौबीसों घंटे स्थिर ऊर्जा की आवश्यकता होती है। वर्तमान में भारत इस बेस-लोड के लिए मुख्य रूप से कोयले पर निर्भर है। कोयले पर इस अत्यधिक निर्भरता के कारण भारत को हर साल अरबों डॉलर का कोयला और तेल आयात करना पड़ता है, जिससे विदेशी मुद्रा भंडार पर भारी बोझ पड़ता है और

> **'भारत ने परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं, इसके बावजूद ऑस्ट्रेलिया द्वारा यूरेनियम आपूर्ति के लिए राजी होना भारत की जिम्मेदार परमाणु शक्ति की छवि को दर्शाता है।'**

चालू खाता घाटा बढ़ता है। यूरेनियम आयात के माध्यम से परमाणु ऊर्जा क्षमता में वृद्धि करके भारत कोयले और जीवाश्म ईंधनों पर अपनी निर्भरता को काफी हद तक कम कर सकता है। यूरेनियम की थोड़ी सी मात्रा से विशाल मात्रा में ऊर्जा उत्पन्न की जा सकती है, जिससे लॉजिस्टिक्स और परिवहन की लागत भी बचती है। लंबे समय में, यह देश की अर्थव्यवस्था को वैश्विक तेल और कोयला बाजार के उतार-चढ़ाव से बचाकर एक स्थायी आर्थिक स्थिरता प्रदान करेगा।

जलवायु परिवर्तन के वर्तमान वैश्विक संकट में, इस समझौते की भूमिका और भी अधिक प्रासंगिक हो जाती है। पेरिस जलवायु समझौते के तहत और हाल ही में विभिन्न वैश्विक मंचों (जैसे सीओपी 26) पर भारत ने प्रतिबद्धता जताई है कि वह 2070 तक 'नेट जीरो' (शून्य कार्बन उत्सर्जन) का लक्ष्य हासिल करेगा और 2030 तक अपनी गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता को 500 गीगावाट तक ले जाएगा। परमाणु ऊर्जा पूरी तरह से एक स्वच्छ ऊर्जा स्रोत है जो बिजली उत्पादन के दौरान ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन नहीं करता है। ऑस्ट्रेलिया से आने वाले यूरेनियम की मदद से स्थापित होने वाले नए परमाणु संयंत्र हर साल लाखों टन कार्बन डाइऑक्साइड को वायुमंडल में जाने से रोकेंगे। यह भारत को अपने आर्थिक विकास की गति से समझौता किए बिना अपने अंतरराष्ट्रीय जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने में एक मजबूत तकनीकी आधार प्रदान करता है। पर्यावरण के प्रति यह जिम्मेदारी भारत की वैश्विक नेतृत्वकर्ता की छवि को और सशक्त बनाती है।

रणनीतिक और कूटनीतिक मोर्चे पर भी यह समझौता भारत के लिए एक बड़ी जीत का प्रतीक है। दशकों तक, 1974 और 1998 के परमाणु परीक्षणों के कारण भारत को वैश्विक परमाणु व्यापार से अलग-थलग (न्यूक्लियर आइसोलेशन) रखा गया था। 2008 में परमाणु आपूर्ति समूह (एनएसजी) से मिली विशेष छूट के बाद, ऑस्ट्रेलिया जैसे सख्त अप्रसार नीति वाले देश का भारत के साथ व्यापारिक समझौता करना एक बहुत बड़ा कूटनीतिक बदलाव है। यह समझौता इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में भारत और ऑस्ट्रेलिया की बढ़ती रणनीतिक साझेदारी (क्वाड के संदर्भ में भी) को एक नया आयाम देता है। इसके अलावा, जब ऑस्ट्रेलिया जैसा यूरेनियम निर्यातक देश भारत पर विश्वास जताता है, तो इससे भारत का परमाणु आपूर्ति समूह (एनएसजी) में पूर्ण सदस्यता का दावा और भी अधिक पुख्ता और तार्किक हो जाता है। यह विश्व समुदाय को एक स्पष्ट संदेश देता है कि भारत का परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह से शांतिपूर्ण, सुरक्षित और जिम्मेदार हाथों में है।

तकनीकी और वैज्ञानिक उपलब्धियों के संदर्भ में, यह यूरेनियम आयात भारत के प्रसिद्ध 'त्रि-चरणीय परमाणु कार्यक्रम' (थ्री-स्टेज न्यूक्लियर प्रोग्राम) को एक नई गति प्रदान कर रहा है। डॉ. होमी जहांगीर भाभा द्वारा परिकल्पित इस कार्यक्रम का अंतिम लक्ष्य भारत के विशाल थोरियम भंडारों का उपयोग करके ऊर्जा स्वतंत्रता प्राप्त करना है। हालांकि, थोरियम सीधे तौर पर विखंडनीय (फिसाइल) नहीं है, इसे रिएक्टर में उपयोग करने से पहले यूरेनियम-233 में बदलना पड़ता है। इस पूरी प्रक्रिया के पहले चरण में प्राकृतिक यूरेनियम की आवश्यकता होती है, जो प्रेशराइज्ड हेवी वाटर रिएक्टरों में इस्तेमाल होता है और इसके उप-उत्पाद के रूप में प्लूटोनियम-239 बनता है। यह प्लूटोनियम दूसरे चरण के फास्ट ब्रीडर रिएक्टरों (एफबीआर) में काम आता है, जो अंततः तीसरे चरण में थोरियम के उपयोग का मार्ग प्रशस्त करेगा। इसलिए, ऑस्ट्रेलिया से आयातित यूरेनियम न केवल आज बिजली बना रहा है, बल्कि यह भविष्य के थोरियम आधारित असीमित ऊर्जा युग की नींव भी तेजी से तैयार कर रहा है। विदेशी यूरेनियम के बिना, यह त्रि-चरणीय कार्यक्रम बहुत धीमी गति से आगे बढ़ता।

हालांकि, इन असीम संभावनाओं के बीच कुछ चुनौतियां और शर्तें भी हैं जिनका भारत को पूरी जिम्मेदारी से पालन करना है। ऑस्ट्रेलिया ने यह यूरेनियम विशुद्ध रूप से नागरिक और शांतिपूर्ण उपयोग के लिए दिया है। इसके लिए एक सख्त 'प्रशासनिक व्यवस्था' (एडमिनिस्ट्रेटिव अरेंजमेंट) लागू की गई है, जिसके तहत अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के सुरक्षा उपाय (सेफगार्ड्स) सुनिश्चित किए जाते हैं। भारत को यह सुनिश्चित करना होता है कि आयातित यूरेनियम और स्थानीय यूरेनियम को अलग-अलग रखा जाए और आयातित सामग्री का उपयोग किसी भी सैन्य या हथियार कार्यक्रम में न हो। इसके अतिरिक्त, परमाणु कचरे का सुरक्षित प्रबंधन, संयंत्रों की उच्च स्तरीय सुरक्षा और स्थानीय लोगों के बीच परमाणु ऊर्जा को लेकर भ्रांतियों को दूर करना सरकार और वैज्ञानिकों के लिए चुनौती बनी हुई है। फुकुशिमा जैसी दुर्घटनाओं के बाद सार्वजनिक स्वीकृति प्राप्त करना परमाणु क्षमता के विस्तार के लिए नितांत आवश्यक है।

यह समझौता एक ऐसे सेतु का काम कर रहा है जो भारत को उसकी वर्तमान ऊर्जा कमी की स्थिति से निकालकर भविष्य की स्वच्छ, सुरक्षित और आत्मनिर्भर ऊर्जा अर्थव्यवस्था की ओर ले जा रहा है। आर्थिक महाशक्ति बनने की राह पर अग्रसर भारत के लिए, कोयले से स्वच्छ ऊर्जा की ओर पारगमन अत्यंत आवश्यक है और ऑस्ट्रेलिया से आयातित यूरेनियम इस पारगमन को तेज और सुगम बनाने में एक उत्प्रेरक की भूमिका निभा रहा है। उचित सुरक्षा मानकों और वैज्ञानिक प्रबंधन के साथ, यह समझौता आने वाले दशकों में भारत के परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में स्वर्ण युग की शुरूआत का आधार साबित होगा।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)

प्रवचन

मनुष्य में कर्तापन का भाव नहीं होना चाहिए : जीयर स्वामी

> **हमें क्रिया करनी चाहिए, प्रक्रिया और प्रतिक्रिया नहीं**
>
> **तत्त्वज्ञानी का दृष्य में लीन होना ही ईश्वर-समर्पण**

किसी भी कर्म का कत्रापन का भाव का नहीं लेना चाहिए। कर्तापन का अभिमान पतन का कारण होता है। जब तक अन्तःकरण में उपाधि (मैं) बनी रहती है, तब तक अहं का बोध रहता है। इसके विपरीत निरहंकार भाव से किया गया कार्य भक्ति का रूप ले लेता है। अहंकार का त्याग परमात्मा के प्रति समर्पण है। जिसे कत्रापन और देह का अभिमान न रह जाये उसे विदेह कहते हैं। हर परिस्थिति में भगवान की कृपा माने और हर जगह उनकी सत्ता का अनुभव करें, तो जीवन धन्य हो जाये। उपरोक्त बातें श्री लक्ष्मी प्रपन्न जीयर स्वामी ने चंदवा चातुर्मास्य ज्ञान-यज्ञ में प्रवचन करते हुए कहीं। श्री जीयर स्वामी ने कहा कि मनुष्य के भीतर जबतक उपाधि बनी रहती है, अहंकार का बोध होते रहता है। अपने घर में अपनी आज्ञा का पालन नहीं होने से अपमान का अनुभव होता है, परन्तु दूसरे स्थान पर ऐसा होने पर हम अपने को अपमानित महसूस नहीं करते। यदि माला जपने, तप करने, तीर्थ यात्रा करने, खेती-व्यापार करने या किसी का भला करने के क्रम में आप के अन्दर यदि अहं भाव रहे, तो ऐसे श्रेष्ट कर्मों के बावजूद आप के पुण्य-खाते में कुछ नहीं आयेगा। इसलिये किसी भी कार्य को परमात्मा से आदेशित कार्य मानें और उसी के निमित्त करें। ऐसा करने से कर्ता को किसी प्रकार का कर्मजनित दोष नहीं लगता। कत्रापन का अभिमान उंचाई से भी गिरा देता है। राजा भरत को जंगल में हिरण के शावक को पालने के दरम्यान कत्रापन का भाव आ गया कि वहीं उसे पाल रहे हैं। जिससे मृत्यु के बाद राजा मृग बने। राजा नुहुस इन्द्रासन की सत्ता प्राप्त करने के बाद कत्रापन भाव के कारण ऋषियों के शाप से सर्प बन गये।

स्वामी जी ने कहा कि मंदिर जीवन की प्रक्रिया जानने की व्यवस्था है, लेकिन जानना ही काफी नहीं। जानने के बाद वैसा ही करना चाहिए। जीवन जीने के लिये क्रिया होनी चाहिए, न कि सिर्फ प्रक्रिया। मनुष्य सदैव प्रक्रिया एवं प्रतिक्रिया में रहता है। संत, महात्मा, ज्ञानी एवं सतपुरूषों से कुशल क्षेम नहीं पूछना चाहिए। वैसे लोगों से साधना एवं भक्ति पूछनी चाहिए। संत कुशल क्षेम की कामना नहीं करते हैं।

"जाति न पूछौ साधु की, पूछ लिज्यौ ज्ञान।
मोल करो तलवार की, पड़ा रहने दो म्यान।"

संत कहते हैं कि भगवान की कृपा हम पर बनी है। नारायण से युक्त हो जाने पर द्रष्टा उनकी सृष्टि (दृश्य) में लीन हो जाता है। ब्रह्मज्ञानी जगत में लीन रहते हुए भी जगत से निर्लिप्त रहता है। जैसे कमल का पता जल में रहते हुए भी जल से अछूता रहता है।

-: 'सान्निध्य का संस्मरण' पुस्तक से साभार

'बेटी घर की रानी' ने 12 घंटे में पार किया 10 लाख व्यूज का आंकड़ा

अपर्णा मल्लिक का डिजिटल जलवा बरकरार

भोजपुरी सिनेमा में पारिवारिक फिल्मों की पहचान बन चुकी अभिनेत्री अपर्णा मल्लिक ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उनकी लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। उनकी नई फिल्म ह्यबेटी घर की रानीह्न ने रिलीज के महज 12 घंटे के भीतर 10 लाख से अधिक व्यूज हासिल कर दर्शकों के बीच अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज करा दी है। यह उपलब्धि बताती है कि अपर्णा की फिल्मों को न केवल सिनेमाघरों में बल्कि डिजिटल माध्यमों पर भी भरपूर प्यार मिल रहा है।

10 जुलाई को Shujay Music World के यूट्यूब चैनल पर रिलीज हुई यह फिल्म एक भावनात्मक पारिवारिक कहानी है, जिसमें रिश्तों की गरिमा, बुजुर्गों का सम्मान, पारिवारिक मूल्यों और लालच के खिलाफ बेटी के संघर्ष को बेहद संवेदनशील तरीके से दिखाया गया है। फिल्म की कहानी दर्शकों को भावनात्मक रूप से जोड़ने में सफल रही है, जिसका असर इसके शुरूआती व्यूअरशिप में साफ दिखाई दे रहा है।

भावनात्मक किरदार में छाईं अपर्णा मल्लिक

फिल्म में अपर्णा मल्लिक ने ऐसी बेटी का किरदार निभाया है, जो परिवार की मयार्दा और अपने दादा के सम्मान के लिए हर चुनौती का सामना करती है। उनके अभिनय को दर्शकों ने सोशल मीडिया पर भी सराहा है। सहज अभिनय और भावनात्मक अभिव्यक्ति फिल्म की सबसे बड़ी ताकत बनकर सामने आई है।

सशक्त स्टारकास्ट और अनुभवी टीम ने बना दिया बेहतरीन शो

फिल्म में अपर्णा मल्लिक के साथ कुंदन भारद्वाज, विनोद मिश्रा, परी सिंघानिया, प्रियांशु सिंह और समर्थ चतुर्वेदी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं। फिल्म का निर्माण कृष्णा जे. हलवाई (गुप्ता) ने किया है, जबकि निर्देशन धनंजय तिवारी ने किया है। पारिवारिक विषय पर बनी यह फिल्म हर वर्ग के दर्शकों को ध्यान में रखकर तैयार की गई है।

डिजिटल प्लेटफॉर्म की भरोसेमंद स्टार

अपर्णा मल्लिक का नाम अब उन भोजपुरी अभिनेत्रियों में शामिल हो चुका है, जिनकी फिल्मों का डिजिटल रिलीज भी किसी बड़े इवेंट से कम नहीं माना जाता। इससे पहले उनकी कई फिल्मों ने यूट्यूब पर शानदार प्रदर्शन किया है। 'सास बहू की पंचायत' को 3 करोड़ से अधिक, 'क्योंकि हर एक सास जरूरी होती है' को 2 करोड़ से अधिक, 'शुभ लगन' को करीब 1 करोड़ और 'दुल्हन वही जो पिया मन भाए-2' को 50 लाख से अधिक व्यूज मिल चुके हैं। इन सफल फिल्मों ने अपर्णा की लोकप्रियता को लगातार नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है।

भोजपुरी से लेकर पैन इंडिया तक मजबूत पहचान

अपर्णा मल्लिक ने बहुत कम समय में भोजपुरी के अलावा हिंदी, तेलुगु, तमिल और कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री में भी अपनी पहचान बनाई है। फिल्मों के साथ-साथ वे कई म्यूजिक वीडियो और वेब प्रोजेक्ट्स में भी अपनी मौजूदगी दर्ज करा चुकी हैं। सोशल मीडिया पर उनकी मजबूत फैन फॉलोइंग भी उनकी बढ़ती लोकप्रियता का प्रमाण है।

भोजपुरी में बदल रही सफलता की परिभाषा

आज के दौर में किसी फिल्म की सफलता केवल बॉक्स ऑफिस तक सीमित नहीं रह गई है। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मिलने वाला दर्शकों का प्यार भी किसी कलाकार की लोकप्रियता का बड़ा पैमाना बन चुका है। अपर्णा मल्लिक लगातार ऐसी फिल्में दे रही हैं, जिन्हें यूट्यूब पर लाखों-करोड़ों लोग देख रहे हैं।

यही वजह है कि उन्हें भोजपुरी सिनेमा की सबसे भरोसेमंद पारिवारिक अभिनेत्रियों में गिना जाने लगा है। 'बेटी घर की रानी' की शानदार शुरूआत इस बात का संकेत है कि आने वाले दिनों में यह फिल्म व्यूअरशिप के नए रिकॉर्ड बना सकती है। पारिवारिक विषय, भावनात्मक कहानी और अपर्णा मल्लिक के प्रभावशाली अभिनय ने एक बार फिर दर्शकों का दिल जीत लिया है।

घर लौटा 'लल्ला': 'रक्तांचल सीजन 3' के ट्रेलर में दिखा क्रांति प्रकाश झा का वही दमदार अंदाज!

ओटीटी की दुनिया के सबसे चर्चित और दमदार शोज में से एक 'रक्तांचल' अपने तीसरे सीजन के साथ वापसी के लिए पूरी तरह तैयार है। हाल ही में मेकर्स ने 'रक्तांचल सीजन 3' का ऑफिशियल ट्रेलर रिलीज किया है, जिसने सामने आते ही सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। ट्रेलर को दर्शकों और क्रिटिक्स की तरफ से बेहद शानदार रिस्पॉन्स मिल रहा है, लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा हो रही है शो के असली 'लल्ला' यानी क्रांति प्रकाश झा की!

'वसीम खान' के गढ़ में फिर गूंजेगा 'विजय सिंह' का नाम : ट्रेलर में क्रांति प्रकाश झा का अंदाज पहले से कहीं ज्यादा दमदार, आक्रामक और सॉर्टेड नजर आ रहा है। पूर्वांचल के बैकड्रॉप पर बनी इस क्राइम-थ्रिलर सीरीज में उन्होंने 'विजय सिंह' के किरदार को एक बार फिर से जीवंत कर दिया है। रक्तांचल के पिछले सीजन्स में जिस तरह उन्होंने अपनी कमाल की एक्टिंग से दर्शकों को बांधकर रखा था, सीजन 3 के ट्रेलर को देखकर साफ लग रहा है कि इस बार वो क्रूरता और बदले की सारी हदें पार करने वाले हैं। उनका स्क्रीन प्रेजेंस और संवाद अदायगी इतनी सटीक है कि दर्शक ट्रेलर से अपनी नजरें नहीं हटा पा रहे हैं।

बिहार का नाम कर रहे हैं रोशन : मूल रूप से बिहार (बेगूसराय) के रहने वाले क्रांति प्रकाश झा ने अपनी इस परफॉर्मेंस से एक बार फिर साबित कर दिया है कि मिट्टी की पकड़ क्या होती है। सोशल मीडिया पर फैंस "घर लौटा लल्ला" कहकर उनकी तारीफों के पुल बांध रहे हैं। ठेठ देसी अंदाज, आंखों में बदले की आग और बिहार-यूपी के इस बेजोड़ स्वैग के साथ क्रांति ने बॉलीवुड और ओटीटी की दुनिया में अपनी एक अलग और मजबूत पहचान बनाई है। फैंस का कहना है कि क्रांति अपनी दमदार एक्टिंग के दम पर हर बार देश के नक्शे पर बिहार का नाम रोशन कर रहे हैं। 'रक्तांचल सीजन 3' का ट्रेलर सभी प्रमुख प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध है, जहां इसके लिंक्स लगातार ट्रेंड कर रहे हैं। सत्ता, राजनीति और गैंगवार की यह खूनी लड़ाई इस बार किस अंजाम तक पहुंचती है, यह देखना बेहद दिलचस्प होगा।

क्रांति प्रकाश झा एक बेहतरीन और बहुमुखी अभिनेता हैं, जो क्षेत्रीय सिनेमा, बॉलीवुड और ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर अपनी दमदार परफॉर्मेंस के लिए जाने जाते हैं। उन्हें शुरूआती पहचान नेशनल अवॉर्ड जीतने वाली फिल्म 'मिथिला मखान' से मिली। इसके बाद वह 'देसवा', 'वन्स अपॉन ए टाइम इन बिहार' और 'एम.एस. धोनीः द अनटोल्ड स्टोरी' जैसी फिल्मों में नजर आए। 'रक्तांचल' से उन्हें जबरदस्त लोकप्रियता मिली। इसके अलावा वह 'स्पिरिचुअल गोवा' और 'संकल्प' में भी दिखाई दे चुके हैं। अब उनकी अगली पेशकश 'रक्तांचल सीजन 3' है, जो जुलाई में अमेजन पर रिलीज होने वाली है।

दैनिक नवसंदेश
वायस 4 बिहार डॉटकाम के यूनिट डिजिटल डेली न्यूज पेपर दैनिक नवसंदेश स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, संपादक यू सिंह के द्वारा वार्ड-28, नियर पानी टंकी रानीपुर, ब्रह्मपुर, फुलवारीशरीफ, पटना-801505 से डिजिटली प्रकाशित और संपूर्ण बिहार में प्रसारित।
इस डिजिटल समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री से संपादक, मुद्रक, प्रसारक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। प्राप्त स्पष्टीकरण प्रकाशित किया जायेगा। समाचारों से संबंधित सभी विवादों का न्याय क्षेत्र पटना न्यायालय (बिहार) ही होगा। (सभी पद अवैतनिक है।)

दैनिक नवसंदेश

मोतिहारी/विविध

पटना

रविवार 12 जुलाई, 2026

संक्षिप्त खबरें

राजेपुर में 1 किलो अफीम बरामद, एक गिरफ्तार

तेतरिया(एनएसबी)। पुलिस ने मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए राजेपुर थाना क्षेत्र से करीब एक किलोग्राम अफीम बरामद की है। इस मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है।जानकारी के अनुसार, पकड़ीदयाल डीएसपी चंदन कुमार के नेतृत्व में राजेपुर थाना पुलिस ने हनुमान नगर गांव में राजीव राय के घर पर छापेमारी की। तलाशी के दौरान पुलिस ने घर से लगभग एक किलोग्राम अफीम बरामद की।बरामी के बाद पुलिस ने राजीव राय को मौके से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।डीएसपी चंदन कुमार ने बताया कि इस मामले में संलिप्त अन्य लोगों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस पूरे मामले की गहनता से जांच कर रही है।

हेलीकॉप्टर से होगी पुष्पवर्षा, गहवा माई की चौथी भव्य रथ यात्रा बनेगी ऐतिहासिक

रक्सौल(एनएसबी)। नेपाल के वीरगंज स्थित गहवा माई मंदिर से निकलने वाली चौथी रथ यात्रा इस वर्ष नया इतिहास रचने जा रही है। आयोजन समिति ने घोषणा की है कि पहली बार रथ यात्रा के दौरान हेलीकप्टर से पुष्पवर्षा की जाएगी, जिससे श्रद्धालुओं का स्वागत किया जाएगास समिति के अध्यक्ष श्याम पोखरेल, सचिव लक्ष्मीनारायण गुप्ता (पप्पू गुप्ता) एवं प्रचार-प्रसार उपसमिति के संयोजक श्याम प्रसाद गुप्ता ने संयुक्त रूप से बताया कि इस वर्ष का आयोजन पिछले वर्षो की तुलना में अधिक भव्य और आकर्षक होगास रथ यात्रा के साथ भजन संध्या, 56 भोग पूजा तथा विशाल महाप्रसाद भंडारे का भी आयोजन किया जाएगा। आयोजन समिति ने भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र सहित दूर-दराज से आने वाले लाखों श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर इस ऐतिहासिक धार्मिक आयोजन को सफल बनाने की अपील की हैस समिति का कहना है कि गहवा माई की रथ यात्रा केवल धार्मिक आयोजन ही नहीं, बल्कि भारत-नेपाल की सांस्तिक और धार्मिक एकता का भी प्रतीक है। इस बार हेलीकप्टर से पुष्पवर्षा का विशेष आकर्षण श्रद्धालुओं के लिए याार अनुभव बनेगा।

पोल से तार टूटकर गिरा, 6-7 सौ घर अंधेरे में डूबे

तुरकौलिया(एनएसबी)। पूर्वी पंचायत के वार्ड नंबर 8,9,10 व 11 में बिजली सप्लाई ठप है। लोग अंधेरे में रहने को विवश हैं। कवलपुर डीह वार्ड ग्यारह में विधुत ट्रांसफार्मर के पास तार टूटकर गिर गया है। ग्रामीणों ने बताया कि यार टूटने से दो फेज बंद है और एक फेज चालू है। जिससे मलाही टोला, कवलपुर डीह, कांहींटोला, महादलित बस्ती में करीब 600-700 घर अंधेरे में डूबा हुआ है। 'उपभोक्ताओं ने विधुत विभाग से शीघ्र मरम्मत कराने की मांग किया है।

तुरकौलिया में नये अंचलाधिकारी ने किया पदभार ग्रहण

तुरकौलिया(एनएसबी)। प्रखंड कार्यालय में नवनियुक्त अंचलाधिकारी (सीओ) प्रभात कुमार ने शुक्रवार को विधिवत अपना पदभार ग्रहण कर लिया। इस अवसर पर राष्ट्रीय पुरस्कार से

तुरकौलिया पूर्वी पंचायत की पूर्व मुखिया डा बेबी आलम ने बुके देकर किया स्वागत।

सम्मानित तुरकौलिया पूर्वी पंचायत की पूर्व मुखिया डा0 बेबी आलम ने नये पदाधिकारी को बुके भेंटकर और शाल ओढ़ाकर भव्य स्वागत किया।

उप विकास आयुक्त ने परिवार नियोजन जागरूकता के लिए प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

जनसंख्या स्थिरता दिवस के अवसर पर सदर अस्पताल मोतिहारी में परिवार नियोजन कार्यक्रम मेला का हुआ उद्घाटन

जनसंख्या स्थिरता दिवस के अवसर पर सिविल सर्जन पूर्वी चम्पारण के द्वारा हरी झंडी दिखाकर जागरूकता रैली का किया गया शुभारंभ

परिवार नियोजन के अस्थायी संसाधन कंडोम, माला, छाया, अंतरा, गर्भनिरोधक दवाएं की जा रहीं है वितरित

मोतिहारी(एनएसबी)। जनसंख्या स्थिरता दिवस के उपलक्ष्य में परिवार नियोजन पर जन समुदाय में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से पूर्वी चम्पारण जिला अंतर्गत सभी स्वास्थ्य संस्थानों में एवं जिला अस्पताल में परिवार नियोजन मेला का आयोजन किया गया साथ 11 जुलाई से 31 जुलाई तक परिवार नियोजन सेवा पखवाड़ा की शुरुआत का भी उद्घाटन ड प्रदीप कुमार डी़ डी़ सी़ एवं सिविल सर्जन दिलीप कुमार सिंह के द्वारा किया गया। मौके पर ड़ प्रदीप कुमार उप विकाश आयुक्त ने कहा की परिवार नियोजन के प्रति योग्य दंपतियों को जागरूक करना, परामर्श उपलब्ध करना बढ़ती जनसंख्या पर रोक हेतु बेहद जरूरी है। इन्हीं लाभ को आमजनों तक पहुंचाने के उद्देश्य से सदर अस्पताल में ओपीडी के बाहर भी महिला को बंध्याकरण व पुरुष नसबन्दी के बारे में जानकारी देने हेतु स्टल लगाकर परिवार नियोजन के बारे में परामर्श दिया जा रहा है साथ ही परिवार नियोजन के अस्थायी संसाधन जैसे कंडोम, माला, छाया, अंतरा, गर्भनिरोधक दवाएं वितरित की जा रहीं है। मौके पर ड़ दिलीप कुमार सिंह सिविल सर्जन के द्वारा बताया गया की गर्भवस्था के दौरान माँ स्वास्थ्य रहे इसके लिए दो बच्चों के बीच अंतराल की आवश्यकता है इसलिए सभी दम्पतियों को (भ्मंसजील ज्पउपदह ंदक ैचंबपदह व् च्तमहदंदबल) इस विषय पर जागरूक होने की जरूरत है जिससे अनचाहे गर्भ को रोका जा सके साथ नदउमज दममक को कम किया जा सके इसके लिए नये गर्भनिरोधक साधन इमप्लान्ट को अपनाना बहुत हीं सुगम है एवं दम्पतियों के लिए बेहतर साधन है।

प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवान ाकरते डीडीसी व अन्य।

- पुरुष नसबन्दी भी है आसान प्रकिया : सिविल सर्जन एवं उपाधीक्षक सदर अस्पताल ने कहा कि सदर अस्पताल के साथ ही जिले सरकारी अस्पतालों में महिला बंध्याकरण व पुरुष नसबन्दी निःशुल्क कराई जाती है। उन्होंने कहा कि महिला बंध्याकरण से पुरुष नसबंदी की प्रक्रिया सरल है। पुरुष नसबंदी को लेकर समाज में कई प्रकार का भ्रम फैला हुआ है। इस भ्रम को तोड़ना होगा। छोटा परिवार सुखी परिवार की अवधारणा को साकार करने के लिए पुरुष को आगे बढ़कर जिम्मेदारी उठाने की जरूरत है। नसबंदी के लिए पुरुष लाभार्थी को 3000 रुपए एवं महिला बंध्याकरण के लिए लाभार्थी को 2000 रुपए की प्रोत्साहन की राशि लाभार्थियों के खाते में भेजी जाती है इसके साथ अस्थाई साधन में जिला अस्पताल मोतीहारी में नये गर्भनिरोधक के साधन इमप्लान्ट प्रत्येक दिन प्रशिक्षित स्त्री रोग विशेषज्ञ के द्वारा लगाया जाता है और यह तीन वर्षो तक कम करता है इससे एक बच्चे से दूसरे बच्चों के बीच आसानी से तीन वर्षो का अंतराल किया जा सकता है।

- सही समय पर विवाह एवं - दो बच्चों के बीच तीन साल का अंतर होना जरूरी : डीसीएम नंदन झा ने कहा की युवक युवतियों का सही समय पर विवाह होना चाहिए एवं दो बच्चों के बीच तीन साल का अंतर होना जरूरी है इसके लिए जिले की आशा द्वारा लोगों को जागरूक किया जाता है सास बहू सम्मेलन कराया जा रहा है। उन्होंने बताया की जिले में परिवार नियोजन कार्यक्रम चलाए जा रहें है इसके दौरान स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा बैनर, पोस्टर, माइकिंग द्वारा लोगों को सही उम्र में शादी, पहले बच्चे में देरी, बच्चों के बीच सही अंतर तथा छोटा परिवार के लाभ के बारे में जागरूक किया जा रहा है।वहीं गर्भनिरोधक उपायो को अपनाने हेतु भी परामर्श दिया जा रहा है।सभी 27 प्रखंडो के हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर परिवार नियोजन सेवाओं के तहत् प्रदान की जाने वाली सेवा यथा- कपर-टी, गर्भनिरोधक सूईध एमपीए बंध्याकरण एवं नसबंदी की सेवा प्रदान करने पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इसके सफल संचालन हेतु सांसद, विधायक, पंचायती राज संस्था के सदस्य, शहरी स्थानीय निकाय, स्वास्थ्य कर्मी एवं सिविल सोसायटी के सदस्य के साथ ही प्रिंट एवं इलेक्ट्रनिक, डिजिटल मीडिया चौनलों का सहयोग लिया जा रहा है साथ हीं पी़ एस़ आई इंडिया के प्रतिनिधियों के द्वारा परिवार नियोजन कार्यक्रम के क्रियान्वयन में सराहनीय तकनीकी सहयोग प्रदान किया जा रहा हैस मौके पर उप विकास आयुक्त ड़ प्रदीप कुमार, सीएस ड दिलीप कुमार सिंह, एसीएमओ ड़ एस़ एऩ सत्यर्थी, डीसीएम नंदन झा, अस्पताल प्रबंधक कौशल दुबे, जिला प्रबंधक पी़एस़आई इंडिया अमित कुमार, जिला समन्वयक सी3 आदित्य राज, जननी सूर्या क्लिनिक के प्रतिनिधि दीपक कुमार एंव समरेन्द्र ठाकुर व अन्य लोग उपस्थित रहे।

15 जुलाई से पूर्वी चंपारण के 15 नए डिग्री महाविद्यालयों का होगा शुभारंभ

डीएम ने दो दिनों में सिविल कार्य पूरा करने का दिया निर्देश

मोतिहारी(एनएसबी)। पूर्वी चंपारण जिले के 15 प्रखंडों में स्थापित किए जा रहे 15 नए राजकीय डिग्री महाविद्यालयों का शुभारंभ 15 जुलाई 2026 को समारोहपूर्वक किया जाएगा। इसे लेकर जिलाधिकारी श्री सौरभ सुमन यादव ने वीडियो कन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी संबंधित अधिकारियों और महाविद्यालयों के प्राचार्यो के साथ कार्य प्रगति की समीक्षा की।बैठक में उप विकास आयुक्त, जिला शिक्षा पदाधिकारी, डीपीओ (माध्यमिक शिक्षा), भवन निर्माण, पीएचईडी एवं विद्युत विभाग के कार्यपालक अभियंता सहित सभी चिन्हित डिग्री महाविद्यालयों के प्राचार्य उपस्थित रहे। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने भवन निर्माण विभाग को निर्देश दिया कि सभी 15 डिग्री महाविद्यालयों में शेष बचे सिविल कार्य हर हाल में अगले दो दिनों के भीतर पूरे कर लिए जाएं। उन्होंने विशेष रूप से चिन्हित कक्षों का रंग-रोगन, विद्युत व्यवस्था, शौचालय और पेयजल की सुविधा समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि 15 जुलाई को प्रस्तावित उद्घाटन समारोह से पहले सभी आवश्यक तैयारियां पूरी होनी चाहिए। बैठक में बताया गया कि अधिकांश महाविद्यालयों में सिविल कार्य पूरे हो चुके हैं। जहां कार्य शेष हैं, वहां प्रतिदिन संध्या में प्रगति की समीक्षा की जाएगी। जिलाधिकारी ने भवन, पीएचईडी और विद्युत विभाग के कार्यपालक अभियंताओं को अगले दो दिनों के भीतर कार्य पूर्णता प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराने का भी निर्देश दिया।महाविद्यालयों के प्राचार्यो ने जानकारी दी कि नए डिग्री महाविद्यालयों में प्रारंभिक चरण में छह विषयोंहिंदी, अंग्रेजी, इतिहास, राजनीति शास्त्र, अर्थशास्त्र और समाजशास्त्रकी पढ़ाई शुरू की जाएगी। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार के श्सात निश्चयश कार्यक्रम के चौथे निश्चय श्उन्नत शिक्षाउज्ज्वल भविष्यश के अंतर्गत विभागीय संकल्प संख्या 633, दिनांक 30 अप्रैल 2026 के आलोक में पूर्वी चंपारण जिले के 15 प्रखंडों में राजकीय डिग्री महाविद्यालय स्थापित किए जा रहे हैं। जिला प्रशासन इन संस्थानों में समय पर पठन-पाठन शुरू कराने के लिए लगातार तैयारियों की निगरानी कर रहा ।

स्मैक, नकदी और चोरी के सामान के साथ चार गिरफ्तार

रक्सौल(एनएसबी)। गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने मादक पदार्थो की तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने बाईपास रोड स्थित शास्त्री नगर इलाके में छापेमारी कर स्मैक, भारतीय एवं नेपाली रुपया, चोरी के सामान तथा तस्करी में प्रयुक्त वाहनों के साथ चार युवकों को गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष रमेश महतो ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि शास्त्री नगर क्षेत्र में कुछ युवक मादक पदार्थो की खरीद-बिक्री में संलिप्त हैं। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उक्त स्थान पर छापेमारी की। इस दौरान एक टेंपो और दो मोटरसाइकिल पर सवार चार युवकों को हिरासत में लिया गया। तलाशी के दौरान धनगढ़वा कौड़ीहार निवासी भगवान शाह के पुत्र श्यामबाबू शाह के पास से स्मैक की 20 पुड़िया, जिसका कुल वजन 6.68 ग्राम है, बरामद की गई। इसके अलावा धनगढ़वा कौड़ीहार निवासी इजहार मियां के पुत्र नबी आलम, कोईरिया टोला निवासी विनोद कुशवाहा के पुत्र विवेक कुमार तथा पश्चिमी चंपारण जिले के सिकटा निवासी बच्चु बैठा के पुत्र संतोष कुमार को भी गिरफ्तार किया गयास पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चार मोबाइल फोन, 10,090 रुपये भारतीय, 2,720 नेपाली रुपये तथा चोरी का एक इलेक्ट्रिक पानी का मोटर भी बरामद किया है। इसके अलावा मादक पदार्थो के कारोबार में उपयोग किए जा रहे एक टेंपो और दो मोटरसाइकिलों को भी जब्त कर लिया गया है। थानाध्यक्ष रमेश महतो ने बताया कि बरामद स्मैक, नकदी और अन्य सामान को जब्त कर लिया गया है। गिरफ्तार सभी आरोपियों से पूछताछ की जा रही है ताकि इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोगों की पहचान की जा सके। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि बरामद स्मैक कहां से लाई गई थी और इसकी आपूर्ति किन-किन क्षेत्रों में की जाती थी।उन्होंने बताया कि चारों आरोपियों के विरुद्ध संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर अग्रेतर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

विश्व जनसंख्या दिवस पर जनसंख्या जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

मोतिहारी(एनएसबी)। मुंशी सिंह महाविद्यालय, मोतिहारी की राष्ट्रीय सेवा योजना (एऩएस़एस़) इकाई एवं सेहत केंद्र इकाई के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार, दिनांक 11 जुलाई 2026 को विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर ष्जनसंख्या जागरूकता कार्यक्रमष का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम ष्सर्व ब्रिक्स 2026रू वलंटियरिंग फर अ बेटर टुमरोष अभियान के अंतर्गत आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में प्रसिद्ध स्त्री रोग विशेषज्ञ एवं चंद्रा हस्पिटल की निदेशक ड़ हेना चंद्रा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहीं। अपने संबोधन में उन्होंने बढ़ती जनसंख्या से जुड़े सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक जैसे विभिन्न आयामों पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि बढ़ती जनसंख्या को केवल एक चुनौती के रूप में नहीं, बल्कि एक संभावना और अवसर के रूप में भी देखा जाना चाहिए। ड़ चंद्रा ने कहा कि भारत की लगभग 60 प्रतिशत आबादी युवा है और यही युवा आने वाले समय में देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देते हुए भारत को विश्वगुरु बनाने में अपनी भूमिका निभाएंगे। उन्होंने बालिका शिक्षा एवं महिला सशक्तिकरण पर विशेष बल देते हुए कहा कि शिक्षित बेटियाँ अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति अधिक जागरूक होती हैं, जिससे उनमें निर्णय लेने की क्षमता तथा सामाजिक जिम्मेदारी की भावना का विकास होता है।उन्होंने कहा कि छोटे एवं नियोजित परिवार उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग कर सकते हैं, जिससे एक खुशहाल समाज एवं समृद्ध राष्ट्र के निर्माण का मार्ग प्रशस्त होता है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे बढ़ती जनसंख्या जैसी चुनौती को अवसर में परिवर्तित करते हुए जागरूक एवं जिम्मेदार नागरिक बनने का संकल्प लें।कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो़ एम़ एऩ हक ने

उद्घाटन करती ड हेना चंद्रा व अन्य ।

भी अपने विचार व्यक्त किए तथा जनसंख्या स्थिरीकरण एवं जागरूकता के लिए युवाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया।इस अवसर पर एऩएस़एस. कार्यक्रम पदाधिकारी ड. गौरव भारती, सेहत केंद्र इकाई की नोडल पदाधिकारी ड़ विदुषी दीक्षित, अंग्रेजी विभागाध्यक्ष ड़ रूपेश कुमार, मनोविज्ञान विभाग के ड़ दद्दन राम, हिंदी विभाग के ड़ आलोक कुमार पाण्डेय, ड़ अवनीश मिश्र, ड़ शशिकांत यादव, गणित विभाग की ड़ पूजा श्रीवास्तव, उर्दू विभाग की ड. कौसर नाज, इतिहास विभाग की ड़ रिजवाना, वाणिज्य विभाग की ड़ मोमिता बेनर्जी, रसायनशास्त्र विभाग की ड. कुमारी स्वीटी, विधि विभाग की ड़ खानम अफरीन, गणित विभाग के ड़ मंटू कुमार, ड़ नितेश एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयंसेवकों की उपस्थिति सराहनीय रही।कार्यक्रम का संचालन सेहत केंद्र इकाई की नोडल पदाधिकारी ड़ विदुषी दीक्षित ने किया और धन्यवाद ज्ञापन एऩ एस़ एस. कार्यक्रम पदाधिकारी ड. गौरव भारती ने किया।

संक्षिप्त खबरें

पीपराकोठी में बीईओ की विदाई नवनियुक्त बीईओ का स्वागत

शिक्षकों ने अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया, उनके कार्यकाल को सराहा

पीपराकोठी(एनएसबी)। प्रखंड मुख्यालय स्थित मडल स्कूल के सभागार में शनिवार को प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी (बीईओ) सरोज कुमार सिंह के स्थानांतरण पर विदाई समारोह आयोजित किया गया। इसी अवसर पर नवनियुक्त प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी मो़ अफरोज आलम का स्वागत भी किया गया। समारोह में शिक्षकों ने बीईओ सरोज कुमार सिंह के कार्यकाल की सराहना की। उन्हें पुष्पगुच्छ और अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया

समारोह में उपस्थित लोग।

गया। सरोज कुमार सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि पीपराकोठी में कार्य करने के दौरान उन्हें शिक्षकों का भरपूर सहयोग और ेह मिला। उन्होंने शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए सभी के सामूहिक प्रयासों को सराहनीय बताया। नवनियुक्त प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी मो़ अफरोज आलम का भी शिक्षकों ने पुष्पगुच्छ और अंगवस्त्र देकर गर्मजोशी से स्वागत किया। अपने संबोधन में मो़ अफरोज आलम ने कहा कि उनकी प्राथमिकता प्रखंड के सभी विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, नियमित शैक्षणिक गतिविधियों और अनुशासित कार्य संस्ति को बढ़ावा देना होगी। उन्होंने शिक्षकों से आपसी समन्वय के साथ बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य करने की अपील की। इस अवसर पर प्रधानाध्यापक मनोज ठाकुर, शैलेन्द्र कुमार, पंकज शर्मा, फैयाज अख्तर, विनय पांडेय, राजेश सिंह, प्रमोद कुमार, रमेश कुमार यादव, प्रभुनंदन ठाकुर, मो. जहांगीर, विकास कुमार, चतुर्भुज बैठा और फरियाद अली सहित दर्जनों शिक्षक उपस्थित थे। समारोह सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

गंगा में फंसा एनटीपीसी के लिए कोयला लदा जहाज, मोकामा के पास जलमार्ग पर बढ़ी चिंता

बाढ़ (दैनिक नवसंदेश)। बाढ़ स्थित एनटीपीसी ताप विद्युत परियोजना के लिए कोयला लेकर जा रहा एक मालवाहक जहाज शुक्रवार को मोकामा के समीप गंगा नदी में फंस गया। जहाज के फंसने की सूचना मिलते ही संबंधित एजेंसियों में हलचल मच गई और स्थिति का जायजा लेने के लिए तकनीकी टीम

एनटीपीसी बाढ़ का मालवाहक जहाज गंगा में फंसी, मोकामा।

को सक्रिय किया गया।प्राप्त जानकारी के अनुसार, जहाज जलमार्ग के रास्ते बाढ़ एनटीपीसी के लिए कोयला लेकर आ रहा था। मोकामा के निकट नदी के एक हिस्से में जहाज आगे बढ़ने में असमर्थ हो गया। प्रारंभिक तौर पर जलस्तर, नदी की धारा अथवा तल में गाद जमाव जैसी परिस्थितियों को संभावित कारण माना जा रहा है। हालांकि, वास्तविक कारणों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।घटना के बाद जलमार्ग से जुड़े अधिकारियों ने जहाज को सुरक्षित निकालने के लिए आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। विशेषज्ञों की टीम मौके पर पहुंचकर स्थिति का आकलन कर रही है। फिलहाल किसी प्रकार की जनहानि अथवा पर्यावरणीय क्षति की सूचना नहीं है।गौरतलब है कि बाढ़ एनटीपीसी को नियमित रूप से कोयले की आपूर्ति जलमार्ग के माध्यम से भी की जाती है। ऐसे में जहाज के फंसने की घटना ने आपूर्ति व्यवस्था और जलमार्ग संचालन को लेकर नई चुनौतियों की ओर ध्यान आकर्षित किया है। अधिकारियों का कहना है कि जहाज को शीघ्र सुरक्षित निकालने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि कोयला आपूर्ति और जल परिवहन व्यवस्था सामान्य हो सके।

बाढ़ थाना क्षेत्र में छह माह में 450 मामले दर्ज, कई घटनाओं की गुत्थी अब भी बरकरार

बाढ़ (दैनिक नवसंदेश)। बाढ़ थाना क्षेत्र में कानून-व्यवस्था की तस्वीर एक बार फिर चर्चा में है। जनवरी 2026 से अब तक थाना में करीब 450 आपराधिक एवं अन्य मामले दर्ज किए जा चुके हैं। इनमें मारपीट, भूमि विवाद, चोरी, सड़क दुर्घटना, पारिवारिक विवाद तथा अन्य घटनाओं से जुड़े मामले शामिल हैं। बड़ी संख्या में दर्ज मुकदमों ने पुलिस की जांच व्यवस्था और अपराध नियंत्रण की चुनौती को भी सामने ला दिया है। जानकारी के अनुसार, दर्ज मामलों में कई ऐसे भी हैं जिनमें एक ही घटना को लेकर दोनों पक्षों की ओर से काउंटर केस दर्ज कराए गए हैं। ऐसे मामलों में निष्पक्ष जांच और वास्तविक तथ्यों तक पहुंचना पुलिस के लिए अधिक चुनौतीपूर्ण हो जाता है। साक्ष्यों, प्रत्यक्षदर्शियों और वैज्ञानिक जांच के आधार पर ही घटना की वास्तविकता स्पष्ट हो पाती है।सूत्रों के अनुसार, कई चर्चित मामलों की जांच अब भी पूरी नहीं हो सकी है। कुछ मामलों की गुत्थी सुलझाने में पुलिस जुटी हुई है, जबकि कुछ में अनुसंधान लंबित है। इससे पीड़ित पक्षों को अंतिम निष्कर्ष का इंतजार बना हुआ है। विधि विशेषज्ञों का कहना है कि केवल प्राथमिकी दर्ज होना किसी पक्ष के दावे की अंतिम पुष्टि नहीं माना जा सकता। प्रत्येक मामले में निष्पक्ष अनुसंधान, ठोस साक्ष्य और न्यायिक प्रक्रिया ही सत्य को स्थापित करती है। विशेष रूप से काउंटर केस वाले मामलों में पुलिस को अतिरिक्त सतर्कता और निष्पक्षता के साथ जांच करनी होती है। स्थानीय लोगों का मानना है कि अपराध नियंत्रण के साथ-साथ लंबित मामलों का समयबद्ध निष्पादन भी आवश्यक है। इससे पीड़ितों का न्याय व्यवस्था पर विश्वास मजबूत होगा और कानून का प्रभावी संदेश भी समाज तक पहुंचेगा। उधर, पुलिस का कहना है कि सभी मामलों की जांच विधिसम्मत तरीके से की जा रही है। जिन मामलों का अनुसंधान लंबित है, उनमें साक्ष्य संकलन, गवाहों के बयान और अन्य आवश्यक कानूनी प्रक्रियाएं पूरी की जा रही हैं। पुलिस का दावा है कि प्रत्येक मामले का निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से अनुसंधान कर दोषियों के विरुद्ध कानून के अनुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

पुलिस अधीक्षक ने सोनवर्षा कचहरी थाना का किया निरीक्षण, लंबित कांडों के शीघ्र निष्पादन का दिया निर्देश

सहरसा नगर (एनएसबी)। जिले में विधि-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक विक्रम सिहाग ने शुक्रवार को सोनवर्षा कचहरी थाना का विस्तृत निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान थाना परिसर की साफ-सफाई, कार्यालय अभिलेखों का संधारण, मालखाना, हाजत, सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता, वायरलेस कक्ष तथा अन्य प्रशासनिक व्यवस्थाओं का बारीकी से अवलोकन किया गया। पुलिस अधीक्षक ने लंबित कांडों की समीक्षा करते हुए अनुसंधान की गुणवत्ता में सुधार, वारंट एवं कुर्की के मामलों के शीघ्र निष्पादन तथा फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने पुलिस पदाधिकारियों को आम जनता के साथ बेहतर व्यवहार करने एवं शिकायतों का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने की भी हिदायत दी। निरीक्षण के उपरांत नवनिर्मित थाना भवन का भी जायजा लिया गया, जहां कार्यालय कक्ष, हवालात, मालखाना, सीसीटीवी नियंत्रण कक्ष एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक विक्रम सिहाग ने कहा कि बेहतर पुलिस व्यवस्था एवं आधुनिक संसाधनों के माध्यम से आम नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण पुलिस सेवा उपलब्ध कराना प्राथमिकता है।

शिक्षा विभाग लगा रहा था आरओ, फिर भी पंचायत ने उसी विद्यालय में लगा दी 5 लाख की शुद्ध शीतल पेयजल यूनिट, उठे सवाल

बनमा ईटहरी (सहरसा) (एनएसबी)। प्रखंड की सहुरिया पंचायत के परसाहा गांव स्थित सरकारी विद्यालय में शुद्ध पेयजल योजना को लेकर सवाल उठने लगे हैं। जानकारी के अनुसार विद्यालय परिसर में शिक्षा विभाग की ओर से विद्यार्थियों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए आरओ प्लांट का निर्माण कार्य पहले से चल रहा है, जो अभी पूरा नहीं हुआ है। इसी बीच पंचायत की ओर से लगभग पांच लाख रुपये की लागत से एक और शुद्ध शीतल पेयजल यूनिट विद्यालय परिसर में स्थापित कर दी गई। ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत की शुद्ध शीतल पेयजल योजना का उद्देश्य आम लोगों को सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना है। ऐसे में जिस विद्यालय में पहले से शिक्षा विभाग की योजना पर कार्य चल रहा है, वहीं पंचायत द्वारा दूसरी यूनिट लगाने से सरकारी राशि के उपयोग और योजना की आवश्यकता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि विद्यालय परिसर में स्थापित पेयजल यूनिट का लाभ आम लोगों को सीमित रूप से ही मिल पाएगा, क्योंकि विद्यालय बंद रहने के दौरान परिसर आम जनता के लिए सुलभ नहीं रहता। उनका कहना है कि यदि यही यूनिट सार्वजनिक स्थान पर लगाई जाती तो अधिक लोगों को इसका लाभ मिलता। इस संबंध में पूछे जाने पर पंचायत सचिव शयमानंद राम ने बताया कि विद्यालय परिसर में भी शुद्ध शीतल पेयजल यूनिट लगाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि यूनिट का चयन एवं स्थापना मुखिया के निर्देशानुसार की गई है।

सलखुआ थाना पुलिस को मिली बड़ी सफलता, गोसपुर गोलीकांड के दो आरोपी 12 घंटे के भीतर गिरफ्तार

सहरसा नगर (एनएसबी)। जिले सलखुआ थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गोसपुर गोलीकांड मामले में घटना के महज 12 घंटे के भीतर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान वंशराज यादव एवं हंसराज यादव के रूप में हुई है। दोनों सौरबाजार थाना क्षेत्र के खेड़ा गांव के निवासी बताए गए हैं। पुलिस ने दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की तथा आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया। जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि गंभीर अपराधों में त्वरित कार्रवाई एवं अपराधियों की शीघ्र गिरफ्तारी के लिए जिला पुलिस पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मामले के अन्य पहलुओं की भी जांच जारी है।

सेवा संवाद-समाधान कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक विक्रम सिहाग ने सुनीं लोगों की समस्याएं, त्वरित कार्रवाई के दिए निर्देश

सहरसा नगर (एनएसबी)। जिले में आम नागरिकों और पुलिस के बीच बेहतर संवाद स्थापित करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में ष्सेवा संवाद-समाधान रू सीधा संवाद, त्वरित समाधानष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे लोगों ने अपनी शिकायतें एवं समस्याएं पुलिस अधीक्षक के समक्ष रखीं। पुलिस अधीक्षक ने प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से सुना तथा संबंधित पुलिस पदाधिकारियों को समयबद्ध, निष्पक्ष एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पुलिस का उद्देश्य केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखना ही नहीं, बल्कि आम जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान करना भी है। कार्यक्रम के माध्यम से लोगों में पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ाने तथा शिकायतों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करने की दिशा में सकारात्मक पहल की गई।

अलीनगर में अहले सुबह हुई गोलीबारी से मचा दहशत

जदयू नेता के कर्मचारी पर हमला, हथियार के बट से सिर और आंख पर किया वार, चार खोखे बरामद, पुलिस जांच में जुटी।

सहरसा शहर (एनएसबी)। सदर थाना क्षेत्र के अलीनगर में शनिवार तड़के करीब चार बजे गोलीबारी की घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। इस दौरान जदयू नेता के यहां कार्यरत एक कर्मचारी पर हथियार के बट से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। घायल का इलाज अस्पताल में चल रहा है। घायल की पहचान मीर टोला वार्ड संख्या-38 निवासी मो गुलाम गौस के 40 वर्षीय पुत्र मो हसनैन के रूप में हुई है। उनके सिर और बाईं आंख में गंभीर चोट आई है। हसनैन ने बताया कि वह जदयू नेता सरफराज आलम के यहां कार्यरत हैं। शनिवार सुबह करीब चार बजे सरफराज आलम ने उन्हें फोन कर अलीनगर के पास लगी जेसीबी मशीन की स्थिति देखने के लिए भेजा था। जब वह मौके पर पहुंचे तो अलीनगर निवासी छोटू खान उर्फ महताब अकरम, नजीश और सादिक मतीन पहले से मौजूद थे। हसनैन का आरोप है कि तीनों ने बिना किसी बात के पहले हवाई फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद हथियार के बट से उनके सिर और बाईं आंख पर वार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना को अंजाम देने के बाद सभी आरोपी फायरिंग करते हुए मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलने पर सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। सदर थानाध्यक्ष अजय कुमार पासवान ने बताया कि पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। घटनास्थल से चार कारतूस के खोखे बरामद किए गए हैं। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

भूमि विवाद को लेकर जनता दरबार का आयोजन।

पतरघट (सहरसा) (एनएसबी)। प्रखंड सभागार में एक दिवसीय जनता दरबार का आयोजन किया गया। जिसमें कुल 17 आवेदन प्राप्त हुआ, जनता दरबार की अध्यक्षता कर रहे, अंचल राजस्व अधिकारी जयंती झा द्वारा की गई। जिसमें संविदा लिपिक कौशल किशोर यादव, उच्च वर्गीय लिपिक कामाख्या यादव, पतरघट थाना से प्रतिनियुक्ति पदाधिकारी पिटिसि धर्मवीर चैधरी के उपस्थिति में कुल तीन आवेदन का निष्पादन किया गया। कुछ लोगों को सक्षम न्यायालय जाने को निर्देश दिया गया।सरकार के निर्देशानुसार आयोजित इस जनता दरबार का मुख्य उद्देश्य स्थानीय ग्रामीणों की भूमि, राजस्व समस्याओं का मौके पर ही निष्पादन करना। दिनभर चले इस जनता दरबार में पतरघट प्रखंड के विभिन्न पंचायतों से बड़ी संख्या में ग्रामीण अपनी-अपनी शिकायतें और आवेदन लेकर पहुंचे।

डीआईजी डॉ. कुमार आशीष ने सदर थाना का औचक निरीक्षण कर तीन कर्मियों को निलंबित किया

सहरसा नगर (एनएसबी)। कोशी प्रक्षेत्र, सहरसा द्वारा सहरसा सदर थाना का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में थाना परिसर में पदस्थापित सअनि अशोक कुमार आजाद तथा चैकीदार मो० अली खॉन व चैकीदार मनोज कुमार को यत्र-तत्र सादा वेशभूषा में घूमते हुए पाया गया। पूछताछ पर वे संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए। इस लापरवाही के कारण तीनों कर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। डीआईजी डा0 कुमार आशीष ने थाना पदाधिकारियों एवं कर्मियों को कड़ी हिदायत दी है कि वे पूर्ण वर्दी में ही रहें। आम जनता के साथ नम्र एवं प्रभावी व्यवहार करें, फरियादियों की समस्याओं को तत्क्षण सुनकर समाधान करें तथा थाना परिसर की व्यवस्था सुदृढ़ रखें। यातायात व्यवस्था के संदर्भ में डीआईजी डा0 कुमार आशीष ने सहरसा शहर के विभिन्न प्रमुख पोस्टों कचहरी ढाला पश्चिम भाग, सुपर मार्केट बस स्टैंड, थाना चैक, होटल राजदरबार गली मोड़, शंकर चैक, चांदनी चैक, महावीर चैक, सुभाष चैक, रिफ्यूजी कॉलोनी, दहलान चैक, गांधी चैक, वीर कुँवर सिंह चैक थाना पश्चिम, गंगजला चैक, प्रशांत सिनेमा के गेट के पास, प्रशांत मोड़, शिवपुरी ढाला, मनोहरलाल राधा कृष्णा पम्प के पास, होटल पीआरडी पैलेस मोड़, पूरब बाजार के रेल लाईन ढाला, तिवारी चैक, मनोकामना मार्ग, हनुमान मंदिर, यादव चैक, आदित्य विजन से दक्षिण मार्ग, सहरसा कचहरी पोस्ट, कोशी चैक, पंचवटी चैक, नया बाजार आर्शिवाद नर्सिंग होम चैक आदि पर यातायात को सुगम और सुचारू बनाए रखने के लिये अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, पुलिस उपाधीक्षक तथा सदर थाना प्रभारी के साथ विस्तृत चर्चा की। जिला स्तर पर भी अधिक भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर यातायात व्यवस्था सुदृढ़ करने हेतु अतिरिक्त बल तैनात करने और आवश्यक सुधारात्मक उपाय लागू करने के निर्देश दिये गये। बिहार पुलिस हस्तक नियम-34 के अंतर्गत सड़कों पर अतिक्रमण करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। पुलिस उप-महानिरीक्षक, कोशी प्रक्षेत्र डीआईजी डा0 आशीष ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे यातायात व्यवस्था के सुचारू संचालन में सहयोग दें और नियमों का पालन करें। पुलिस को सहयोग करें। बिहार पुलिस आपकी सेवा में सदैव तत्पर है।

यातायात सुधार पर विशेष निर्देश

निरीक्षण करते डीआईजी डां. कुमार आशीष

सहसौल जानेवाली 5 करोड़ की सड़क हुई जर्जर टापू में तब्दील लोगों की बढ़ी परेशानी

रौशन कुमार सिंह

सोनवषार्राज (सहरसा) (एनएसबी)। प्रखंड क्षेत्र की विभिन्न सडकें की हालात इन दिनों जर्जर होकर टापू में तब्दील हो गया है। करोड़ों रुपये की लागत से निर्मित सोनवर्षा - सहसौल मुख्य मार्ग प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से निर्मित कालीकरण सड़क 2 वर्ष के भीतर ही जर्जर होकर रह गई है। सोनवर्षा राज स्थित एनएच-107 के पूरब देहद मोड़ से सहसौल एवं ननौती तक जाने वाली यह सड़क जगह-जगह टूटकर गड्ढों में बदल गई है, बरसात के दिनों में गड्ढे में सैकड़ों जगह पानी भर गया जिससे आम लोगों को आवागमन खासकर स्कूली बच्चों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार लगभग 5 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित इस सड़क से क्षेत्रवासियों को काफी उम्मीदें थीं। सड़क बनने के बाद पूर्वी क्षेत्र के कई गांवों का आवागमन सुगम हुआ था, लेकिन निर्माण के महज एक वर्ष के भीतर ही इसकी स्थिति बदहाल हो गई। सड़क पर बने बड़े-बड़े गड्ढों में बरसात में एक भी बारिश हो जाए तो यह मार्ग कई स्थानों पर नाले जैसा दिखाई देने लगता है। ग्रामीणों का आरोप है कि संवेदक त्रिमूर्ति इन्सिकॉन्स एण्ड ट्रेडर्स प्राइवेट लिमिटेड के मंगवार निवासी रंजन सिंह ने निर्माण कार्य के दौरान घटिया सामग्री का उपयोग किया गया और गुणवत्ता मानकों की अनदेखी की गई, जिसके कारण सड़क इतनी जल्दी क्षतिग्रस्त हो गई। सबसे अधिक परेशानी स्कूली बच्चों, मरीजों और दैनिक आवागमन करने वाले लोगों को हो रही है। कई जगह सड़क टूट जाने से दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है। जानकारी के अनुसार इस सड़क योजना को वर्ष 2022-23 में स्वीकृति मिली थी तथा निर्माण कार्य वर्ष 2024 में पूरा हुआ था। निर्माण स्थल पर लगाए गए सूचना पट्ट के अनुसार सड़क का कार्य 1 दिसंबर 2023 को पूर्ण दशार्या गया है। यह सड़क एनएच-107 से देहद, बेहट, मोहनपुर, अतलखा, सहसौल होते हुए ननौती तक जाती है। आवागमन के लिए ये मुख्य सड़क है हजारों लोग इस सड़क से गाड़ी से गुजरते रहते हैं। ग्रामीणों ने बताया कि विभागीय नियमों के तहत संवेदक को निर्माण के बाद पांच वर्ष तक सड़क के रखरखाव एवं मरम्मत की जिम्मेदारी निभानी होती है, लेकिन सड़क की बदहाल स्थिति के बावजूद अब तक मरम्मत कार्य शुरू नहीं किया गया है। लोगों का आरोप है कि संवेदक गारंटी अवधि के बावजूद उदासीन बना हुआ है।

सड़क जर्जर टापू में तब्दील।

करंट की चपेट में आने से 14 वर्षीय छात्र की दर्दनाक मौत, परिवार में मचा कोहराम

सोनवषार्राज (सहरसा) (एनएसबी)। बसनहीं थाना क्षेत्र के अतलखा पंचायत के वार्ड संख्या-2 में शनिवार को हाईटेंशन बिजली तार की चपेट में आने से 14 वर्षीय छात्र की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई, जबकि परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक की पहचान अतलखा निवासी सूरज साह के 14 वर्षीय पुत्र नीरज कुमार के रूप में हुई है। वह अतलखा मध्य विद्यालय में सातवीं कक्षा का छात्र था। परिजनों ने बताया कि घर के ऊपर से गुजर रहे 11 हजार वोल्ट के हाईटेंशन बिजली तार से अचानक स्पार्क निकला, जिसकी चपेट में दरवाजे के पास टहल रहा नीरज आ गया। करंट लगने से उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में चीख-पुकार मच गई और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए। मृतक के पिता सूरज साह ने बताया कि करीब छह महीने पहले भी इसी हाईटेंशन तार से निकले स्पार्क की वजह से उनका एक मवेशी मर गया था। इसके बावजूद बिजली विभाग द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई, जिससे यह बड़ा हादसा हो गया। सूचना मिलते ही बसनहीं थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, सहरसा भेज दिया। थानाध्यक्ष विकास कुमार ने बताया कि करंट लगने से किशोर की मौत हुई है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा तथा मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इधर, घटना से आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने बिजली विभाग की लापरवाही का आरोप लगाते हुए मृतक के परिवार को उचित मुआवजा, सरकारी सहायता तथा जर्जर हाईटेंशन लाइन की तत्काल मरम्मत कराने की मांग की है।

मृतक बालक।

सड़क हादसे में घायल महिला की इलाज के दौरान मौत, गांव में पसरा मातम

सोनवषार्राज (सहरसा) (एनएसबी)। सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हुई मोकमा गांव निवासी मीरा देवी की इलाज के दौरान मौत हो गई। शनिवार को शव गांव पहुंचते ही परिजनों में कोहराम मच गया। मृतका के दरवाजे पर ग्रामीणों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। परिजनों के चीत्कार से माहौल गमगीन हो गया और मौजूद लोगों की आंखें नम हो गईं। मृतका के इकलौते पुत्र नीतीश कुमार ने लोगों के सहारे अपनी मां को मुखाग्नि दी। यह दृश्य देखकर हर कोई भावुक हो उठा। जानकारी के अनुसार, 9 जुलाई को मोकमा गांव निवासी बेचन यादव की पत्नी मीरा देवी अपने 18 वर्षीय पुत्र नीतीश कुमार के साथ बाइक से मायके बलूआ मोहनपुर से ससुराल लौट रही थीं। इसी दौरान पतरघट प्रखंड के किशनपुर गांव स्थित नहर के समीप विपरीत दिशा से आ रहे अपाचे बाइक सवार ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में मां-बेटा दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को तत्काल पतरघट सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए मधेपुरा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। वहां से बेहतर इलाज के लिए नेपाल के गोल्डन हॉस्पिटल भेजा गया, जहां इलाज के दौरान मीरा देवी ने दम तोड़ दिया। मीरा देवी अपने पीछे पति बेचन यादव, एक पुत्र और दो पुत्रियों को छोड़ गई हैं।

बड़गांव पंचायत में मुख्यमंत्री ग्राम संपर्क योजना की सड़क निर्माण में अनियमितता का आरोप, बारिश में बदहाल हुई सड़क

सोनवषार्राज (सहरसा) (एनएसबी)। प्रखंड क्षेत्र के बड़गांव से नब्बैडीह तक बैलदौर वितरणी नहर पर मुख्यमंत्री ग्राम संपर्क योजना के तहत अधूरे सड़क निर्माण कार्य को लेकर बड़ा सवाल उठने लगा है। जानकारी के लगभग 1.820 किलोमीटर सड़क का निर्माण करीब 1 करोड़ 65 लाख रुपये की लागत से कराया जा रहा है। सड़क की वर्तमान स्थिति को लेकर स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों का कहना है कि मां ज्वाला इन्टरप्राइजेज के द्वारा निर्माण स्थल पर लगाए गए सूचना बोर्ड में कार्य पूर्ण होने की तिथि फरवरी 2026 अंकित है, जबकि मौके पर सड़क का निर्माण अधूरा और बदहाल स्थिति में दिखाई दे रहा है। शुरूआती बारिश में ही सड़क पर जलजमाव और कीचड़ की समस्या उत्पन्न हो गई है, जिससे निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे हैं। बताया जाता है कि बड़गांव से पूरब स्थित यह सड़क नहर के रास्ते बलिया, नब्बेड़ी, मोतिबारी और संथाली टोला जैसे गांवों को बड़गांव से जोड़ती है। यह मार्ग क्षेत्र के लोगों के लिए आवागमन का प्रमुख साधन है। ग्रामीणों का कहना है कि जब बारिश की शुरूआत में ही सड़क की यह स्थिति है, तो आगामी दो-तीन महीनों के मानसून में लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि निर्धारित समय सीमा समाप्त होने के बावजूद निर्माण कार्य पूरा नहीं हुआ है। उन्होंने संबंधित विभाग से पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने, निर्माण की गुणवत्ता की जांच करने तथा दोषी संवेदक (ठेकेदार) के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की है।ग्रामीणों का कहना है कि सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं में यदि इस प्रकार की लापरवाही बरती जाएगी तो ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों का उद्देश्य पूरा नहीं हो सकेगा। अब लोगों की निगाहें प्रशासन और संबंधित विभाग की कार्रवाई पर टिकी हैं।

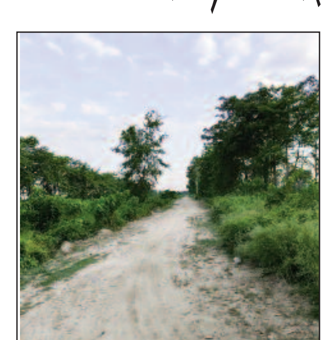

भारी जलजमाव के कारण लोगों ने सड़क जाम कर जताया आक्रोश

सहरसा शहर (एनएसबी)। पोलिटेकनिक रेलवे ढाला से तिवारी चैक के बीच लक्ष्मीनिया चैक समीप गड्ढ़ेनुमा सड़क पर भारी जलजमाव के कारण आम जनता एवं राहगीरों को नारकीय स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। सड़क पर पानी भर जाने की कारण चैक पर लंबा ट्रैफिक जाम लग गया। इसकी खबर मिलते ही नगर निगम महापौर बेन प्रिया शनिवार को खुद मौके पर पहुंचीं एवं स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने घुटने भर पानी में उतरकर सड़क का निरीक्षण किया। महापौर ने बताया कि वह बुद्धा अस्पताल में एक मरीज को देखने जा रही थी। तभी लक्ष्मीनिया चैक पर भीषण जाम देखकर वह अपनी गाड़ी से नीचे उतर गई। उन्होंने खुद घुटने भर पानी में जाकर स्थिति का निरीक्षण किया एवं प्रशासन के खिलाफ अपना आक्रोश व्यक्त किया। उन्होंने संबंधित विभाग एवं जिला प्रशासन पर लापरवाही का गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि इस समस्या के समाधान के लिए विभाग, मंत्रियों एवं नगर निगम को कई बार आदेश दिये हैं। नगर आयुक्त को निर्देशित किया गया था कि जब तक नेशनल हाईवे एवं प्रस्तावित बुडको नाले का निर्माण पूरा नहीं हो जाता, तब तक जनता को राहत देने के लिए सड़क पर ईंट एवं राबिश बिछ्वाई जाय। अधिकारियों ने दावा किया था कि ईंट बिछा दी गयी है। लेकिन यहां धरातल पर एक भी ईंट देखने को नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा कि इस जलजमाव एवं गड्ढों के कारण आज एक मासूम बच्ची का हाथ टूट गया। इसके अलावा सरबा ढाला के पास स्थिति और भी ज्यादा भयावह बनी हुई है। आरसीडी एजेंसी ने नाला तो बना दिया लेकिन दोनों तरफ बड़े-बड़े गड्ढे छोड़ दिये हैं। आसपास हाईवे निर्माण के कारण जल निकासी का पुराना सिस्टम पूरी तरह ठप हो चुका है। जल निकासी पुरी तरह बंद है। इसको लेकर उन्होंने जिलाधिकारी दीपेश कुमार से फोन पर बात की एवं उनसे अनुरोध किया कि वे खुद आकर यहां की भयावह स्थिति को देखें। उन्होंने साफ कहा कि जिला प्रशासन अपनी जिम्मेदारी से भाग रहा है। जनता सीधे तौर पर नगर निगम को दोषी मान रही है। जबकि इन बड़ी योजनाओं की जिम्मेदारी जिला प्रशासन की है। उन्होंने कहा कि वे कोई सरकारी अफसर नहीं हैं जो ट्रांसफर होकर चली जायेंगी वह जनता के बीच रहने वाली प्रतिनिधि हैं। इसलिए जब तक लक्ष्मीनिया चैक पर ईंट एवं राबिश गिराने का काम शुरू नहीं हो जाता तब तक वह पानी के बीच यहीं चैक पर डटी रहेंगी। महापौर के धरना को देखते नगर निगम द्वारा लक्ष्मीनियां चैक पर जलजमाव की समस्या से तत्काल राहत के लिए जलनिकासी एवं सड़क पर राबिस डालकर मोटेरेबल बनाने का कार्य आरंभ कर दिया गया एवं यातायत बहाल हो गया है।

सड़क जाम करते स्थानीय ग्रामीण

डीएम ने तेमथा, करारी और परबत्ता क्षेत्र में तटबंधों का किया निरीक्षण

तटबंधों की मजबूती पर विशेष ध्यान देने का निर्देश

दैनिक नवसंदेश

खगड़िया। जिलाधिकारी विक्रम विरकर ने संभावित बाढ़ की तैयारियों के क्रम में परबत्ता प्रखंड अंतर्गत तेमथा एवं करारी क्षेत्र का भ्रमण कर तटबंधों की स्थिति का स्थलीय निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को तटबंधों की मजबूती पर विशेष ध्यान देने तथा संवेदनशील स्थलों की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि किसी भी संभावित आपदा की स्थिति में त्वरित कार्रवाई की जा सके। निरीक्षण के क्रम में जिलाधिकारी ने जीआर पोर्टल पर लाभुकों की प्रविष्टि की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को सभी पात्र लाभुकों की शत-प्रतिशत एवं समयबद्ध प्रविष्टि सुनिश्चित करने का निर्देश दिया, जिससे आपदा की स्थिति में राहत सामग्री एवं अनुग्रह सहायता का वितरण शीघ्रता से किया जा सके।

तटबंध के निरीक्षण के दौरान ग्रामीण से बात करते डीएम।

इसके अतिरिक्त जिलाधिकारी ने संभावित बाढ़ के दौरान सामुदायिक रसोई संचालन हेतु चिन्हित स्थलों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने आवश्यक आधारभूत सुविधाओं, स्वच्छता, पेयजल, विद्युत व्यवस्था एवं खाद्यान्न भंडारण की समुचित तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि आवश्यकता पड़ने पर सामुदायिक रसोई का संचालन तत्काल प्रारंभ किया जा सके। जिलाधिकारी ने कहा कि बाढ़ पूर्व सभी तैयारियां समय रहते पूरी कर ली जाएं तथा सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह सतर्क एवं तैयार रहें।

एक दर्जन महिलाओं का किया गया बंध्याकरण

बेलदौर (दैनिक नवसंदेश)। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में शनिवार को परिवार नियोजन पखवाड़े का शुभारंभ किया गया। 11 से 31 जुलाई तक चलने वाले इस पखवाड़े के प्रथम दिन प्रखंड क्षेत्र की एक दर्जन से अधिक महिलाओं बंध्याकरण करवाने पहुंचीं। चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. मुकेश कुमार ने दो बच्चों के बीच अंतर रखने की सलाह देते हुए गर्भ निरोधक का उपयोग करने और परिवार नियोजन के लिए ऑपरेशन करवाने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जनसंख्या रोकने के लिए सरकार परिवार नियोजन कार्यक्रम चला रही है। पहले और दूसरे बच्चे के बीच अंतराल को अवश्य ही ध्यान रखना है। साथ ही बताया कि कम अंतराल में बच्चों को जन्म देने से मां के साथ बच्चे कमजोर हो जाते हैं साथ ही बच्चे का पालन पोषण नहीं हो पाता है। ऐसे में बच्चे कुपोषण का शिकार हो जाते हैं। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में एक दर्जन से अधिक महिलाओं का बंध्याकरण किया गया। ऑपरेशन के दौरान एएनएम नीलम कुमारी, वंदना कुमारी समेत अन्य स्वास्थ्य कर्मी मौजूद थे।

बहिया में वज्रपात से पांच दुधारू भैंसों की गयी जान

पसराहा (दैनिक नवसंदेश)। भरतखंड थाना क्षेत्र के बगुलबा के समीप डुमरकोठी बहियार में शुक्रवार देर शाम हुए वज्रपात से पांच दुधारू भैंसों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के समय किसान अपनी भैंसों को चराने के लिए बहियार ले गए थे, तभी अचानक मौसम बिगड़ने और तेज गर्जन के साथ बारिश शुरू हो गई। अपनी जान बचाने के लिए किसान तो सुरक्षित स्थानों पर भाग गए, लेकिन खुले में चर रही भैंसें आकाशीय बिजली की चपेट में आ गईं। इस त्रासदी में यदुवंश नगर निवासी सुधीर यादव की तीन, बीजो यादव की एक और मनीष यादव की एक भैंस की मौत हो गई। पशुपालन ही इन परिवारों की आजीविका का एकमात्र जरिया था, ऐसे में एक साथ पांच पशुओं की क्षति से किसानों को भारी आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। पीड़ित किसानों ने परबत्ता अंचलाधिकारी को लिखित आवेदन देकर सरकारी मुआवजे की मांग की है। मामले की गंभीरता को देखते हुए अंचलाधिकारी ने जांच के आदेश दिए हैं और रिपोर्ट मिलने के बाद नियमानुसार सहायता राशि प्रदान करने का आश्वासन दिया है। साथ ही, प्रशासन ने आम लोगों से खराब मौसम के दौरान खुले मैदानों में न जाने की अपील की है ताकि ऐसी दुखद घटनाओं से बचा जा सके।

संक्षिप्त खबरें

अपहरण मामले के फरार आरोपी गिरफ्तार

चौथम (दैनिक नवसंदेश)। पुलिस ने अपहरण के पुराने मामले में फरार आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। गिरफ्तार आरोपी बेगूसराय जिले के साहेबपुर कमाल थाना क्षेत्र के सिंह नया टोला निवासी अंकित कुमार है। थानाध्यक्ष ने बताया कि आरोपी चौथम थाना कांड संख्या 250/20 में दर्ज अपहरण मामले का नामजद अभियुक्त था। घटना के बाद से वह लगातार फरार था और पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए प्रयासरत थी। सूचना के आधार पर चौथम पुलिस ने साहेबपुर कमाल स्थित आरोपी के घर पर छापेमारी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। थानाध्यक्ष ने कहा कि फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार अभियान चला रही है और कानून से बचने वाले किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा।

सरैया के प्रधानाध्यापक से मांगा गया स्पष्टीकरण

चौथम (दैनिक नवसंदेश)। प्रखंड के मध्य विद्यालय सरैया में मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता को लेकर अभिभावकों के विरोध और तालाबंदी की घटना के बाद शिक्षा विभाग ने विद्यालय के प्रधानाध्यापक से स्पष्टीकरण मांगा है। प्रभारी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी मनोज श्रीवास्तव ने बताया कि विद्यालय व्यवस्था में पाई गई कमियों की जानकारी जिला शिक्षा पदाधिकारी को दी गई है। जिला शिक्षा पदाधिकारी के निर्देश पर प्रधानाध्यापक से इस मामले में अपना पक्ष प्रस्तुत करने को कहा गया है।

गिरफ्तार युवक की पत्नी ने एसपी से लगाई न्याय की गुहार

चौथम (दैनिक नवसंदेश)। थाना से करीब 20 मीटर की दूरी पर बीते दिनों डीआईयू टीम द्वारा देसी कट्टा और दो जिंदा कारतूस के साथ पांडव यादव को गिरफ्तार किए जाने के मामले में उसकी पत्नी रिंकू देवी ने साजिश बताते हुए पुलिस अधीक्षक एवं पुलिस महानिदेशक को आवेदन देकर मामले की निष्पक्ष जांच करने की मांग की है। आवेदन में रिंकू देवी ने आरोप लगाया है कि लगमा घाट पर नाव परिचालन को लेकर उनके पति पांडव यादव और अनिल यादव के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। उनके अनुसार, अनिल यादव कथित रूप से जबरन घाट का संचालन कर रहे थे, जबकि उनके पति इस मामले में कानूनी प्रक्रिया अपना रहे थे। इसी रंजिश के तहत उनके पति को झूठे मामले में फंसाया गया है। आवेदिका का कहना है कि चौकीदार धनंजय कुमार को कथित रूप से प्रलोभन देकर विपक्षी पक्ष ने अपने पक्ष में कर लिया। आरोप है कि चौकीदार ने मछली खरीदने के बहाने उनके पति से मोटरसाइकिल ली और बाद में फोन कर वाहन वापस ले जाने को कहा। इसके बाद चौकीदार ने उनके पति को अशोक होटल बुलाया, जहां दोनों खाना खाने पहुंचे। इसी दौरान उनके पति मोटरसाइकिल खड़ी कर चाय पी रहे थे। आवेदिका का आरोप है कि उसी समय अनिल यादव का पुत्र मिथुन कुमार आसपास मोबाइल पर बातचीत कर रहा था और तभी जिला पुलिस की टीम वहां पहुंची। रिंकू देवी के अनुसार, पुलिस ने मोटरसाइकिल की तलाशी ली, जिसमें सीट के नीचे से देसी कट्टा और दो जिंदा कारतूस बरामद होने की बात कही गई। इसके बाद उनके पति को गिरफ्तार कर लिया गया। आवेदिका ने पुलिस अधीक्षक एवं पुलिस महानिदेशक से पूरे मामले की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि जांच से सच्चाई सामने आ जाएगी और उनके पति को न्याय मिलेगा। हालांकि, इस मामले के संबंध में चौथम थानाध्यक्ष के मोबाईल पर कॉल किया गया तो उन्होने उसका जबाव नहीं दिया।

जीविका से जुड़कर सफल उद्यमी बन गईं विभा देवी

खगड़िया (दैनिक नवसंदेश)। जीविका ग्रामीण महिलाओं को संगठित कर उन्हें आर्थिक, सामाजिक एवं वित्तीय रूप से सशक्त बनाने का कार्य कर रही है। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को बचत, बैंकिंग, ऋण सुविधा, कौशल विकास तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं से जोड़कर आत्मनिर्भर बनने का अवसर दिया जा रहा है। इसी का प्रेरणादायक उदाहरण जिले के ईटहरी पंचायत अंतर्गत कटघरा दियारा गांव की विभा देवी हैं। सीमित संसाधनों और आर्थिक कठिनाइयों से जूझते हुए उन्होंने जीविका से जुड़कर अपने जीवन की दिशा बदल दी। विभा देवी का परिवार पहले आर्थिक रूप से अत्यंत कमजोर था। उनके पति प्रकाश पटेल मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते थे। मजदूरी से होने वाली आय अनियमित और बहुत कम थी, जिससे परिवार का खर्च चलाना मुश्किल हो जाता था। परिवार में दो पुत्र और दो पुत्रियां हैं। बच्चों की पढ़ाई, भोजन, कपड़े, दवा तथा अन्य आवश्यकताओं की पूर्ति करना उनके लिए बड़ी चुनौती थी। कई बार परिवार को अपनी मूलभूत जरूरतों के लिए भी संघर्ष करना पड़ता था। सीमित आय के कारण भविष्य को लेकर हमेशा चिंता बनी रहती थी। विभा देवी चाहती थीं कि वे भी परिवार की आय बढ़ाने में योगदान दें, लेकिन आर्थिक संसाधनों की कमी उनके सामने सबसे बड़ी बाधा थी। वर्ष 2018 में विभा देवी प्रियंका स्वयं सहायता समूह से जुड़ीं। समूह की नियमित बैठकों में भाग लेने, बचत करने और अन्य महिलाओं के साथ अनुभव साझा करने से उनके अंदर आत्मविश्वास बढ़ा। जीविका के माध्यम से उन्हें वित्तीय साक्षरता, बचत की आदत, बैंकिंग प्रणाली तथा स्वरोजगार से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त हुईं। समूह के माध्यम से उन्होंने समझा कि नियमित बचत और सामूहिक प्रयास से महिलाएं भी अपने पैरों पर खड़ी हो सकती हैं। जीविका ने उन्हें केवल आर्थिक सहायता ही नहीं दी, बल्कि आत्मनिर्भर बनने की नई सोच और आगे बढ़ने का साहस भी दिया। समूह की सक्रिय सदस्य होने के कारण विभा देवी को बैंक से 50,000 का ऋण प्राप्त हुआ। उन्होंने इस राशि का उपयोग अत्यंत सोच-समझकर किया और गाय खरीदकर डेयरी व्यवसाय की शुरुआत की।शुरुआत में एक गाय से दूध उत्पादन शुरू हुआ। परिवार के सभी सदस्यों ने इस कार्य में सहयोग दिया। विशेष रूप से उनके पति प्रकाश पटेल ने भी डेयरी व्यवसाय में उनका पूरा साथ दिया। दूध की बिक्री से परिवार की नियमित आय होने लगी। धीरे-धीरे उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार आने लगा और परिवार की दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति पहले की तुलना में अधिक आसानी से होने लगी। डेयरी व्यवसाय में सफलता मिलने के बाद विभा देवी को मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत 10,000 की सहायता राशि प्राप्त हुई। उन्होंने इस राशि का उपयोग स्वरोजगार को और मजबूत बनाने के लिए किया। इस सहायता से उन्होंने गांव में कुरकुरे, बिस्कुट, टफी, नमकीन तथा अन्य नाश्ते की वस्तुओं की छोटी दुकान शुरू की। यह निर्णय उनके लिए अत्यंत लाभदायक साबित हुआ।

जनसंख्या स्थिरता पखवाड़े का शुभारंभ

खगड़िया (दैनिक नवसंदेश)। विश्व जनसंख्या दिवस पर जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सदर अस्पताल परिसर में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया,जिसका उद्‌घाटन उपविकास आयुक्त ने किया। इस अवसर पर सदर अस्पताल के चिकित्सक भी मौजूद थे। उपविकास आयुक्त ने कहा कि कार्यक्रम का उद्वेष्य जनसंख्या से जुड़े मुद्दों के प्रति जागरूकता बढ़ाना। उन्होने कहा कि इस वर्ष विश्व जनसंख्या दिवस 2026 की थीम 'माँ एवं शिशु के स्वास्थ्य के लिए गर्भधारण में उचित समय एवं अंतराल' है। इधर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने कहा कि विष्व जनसंख्या पखबाड़ा के आयोजन का उद्वेष्य है कि इस बात को लेकर महिलाओं को जागरूक किया जाय कि गर्भधारण उचित समय पर हो तथा दो बच्चों के जन्म के बीच कम-से-कम तीन वर्ष का अंतराल रखा जाए। परिवार नियोजन पखवाड़ा का उद्देश्य प्रत्येक पात्र दंपति को

सही जानकारी, गुणवत्तापूर्ण परामर्श तथा सुरक्षित एवं प्रभावी गर्भनिरोधक साधनों तक आसान पहुँच उपलब्ध कराना ळें इस अभियान के दौरान सभी स्वास्थ्य संस्थानों में निश्चित दिवस परिवार नियोजन सेवाएँ, महिला एवं पुरुष नसबंदी सेवाएँ, अंतरा इंजेक्टेबल गर्भनिरोधक, माला-एन गर्भनिरोधक गोलियाँ, निरोध, आपातकालीन गर्भनिरोधक गोलियाँ तथा अन्य परिवार नियोजन सेवाएँ व्यापक रूप से उपलब्ध कराई जाएँगी।

बताते चले कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में महिला बंध्याकरण हेतु कुल 7159 एवं पुरुष नसबंदी हेतु 179 अनुमानित लक्ष्य निर्धारित किया गया था, जिसके आलोक में जिलान्तर्गत 10084 महिला बंध्याकरण (141 प्रतिषत) एवं 113 पुरुष नसबंदी (63 प्रतिषत) उपलब्धि के साथ पुरे राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस वर्ष जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा हेतु 560 महिला बंध्याकरण एवं 20 पुरुष नसबंदी का लक्ष्य प्राप्त है।

युवक के लापता होने से परिजन परेशान

बेलदौर (दैनिक नवसंदेश)। पटना में इलाज कराने आए एक युवक के लापता होने से परिजनों में हड़कंप मच गया है। मरीज के साथ आए अटेंडेंट के बाहर निकलते ही वह अचानक गायब हो गया। काफी खोजबीन के बाद भी कुछ पता नहीं चलने पर परिजनों ने फुलवारीशरीफ थाने में इसकी लिखित शिकायत दर्ज कराई है।

जानकारी के अनुसार खगड़िया जिले के पसराहा थाना क्षेत्र के छोटी पैकांत गांव निवासी आशीष कुमार ने बताया कि उनके जीजा प्रवीण कुमार, निवासी बेला नौवाद पटना में इलाज कराने आए थे। आशीष ने आवेदन में बताया कि 09. जुलाई को इलाज के दौरान अटेंडेंट बाहर गया। इसी बीच प्रवीण कैंपस से बाहर निकल गया। जब अटेंडेंट वापस आया तो उसे नहीं पाकर खोज शुरू की। कैंपस में नहीं मिलने पर 112 हेल्पलाइन पर कॉल की गयी। फुलवारीशरीफ थानाध्यक्ष ने बताया कि आवेदन प्राप्त हुआ है। प्रशासन से समन्वय कर सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर युवक की तलाश की जा रही है। आसपास के थानों और अस्पतालों को भी सूचना दी गई है।

बेलदौर में मिल रहे अज्ञात शवों की गुत्थी सुलझाने में पुलिस रही नाकाम

बेलदौर (दैनिक नवसंदेश)। थाना क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को लेकर सरकार के दावे चाहे जो हों, लेकिन बेलदौर थाना क्षेत्र इस वक्त अज्ञात शवों का डंपिंग यार्ड बनता जा रहा है। इलाके में एक के बाद एक मिल रही शवों ने सनसनी फैला दी है। आलम यह है कि कभी एक दिन छोड़कर, तो कभी लगातार दो-दो शव बरामद हो रहे हैं। लेकिन बेलदौर पुलिस अपराधियों को पकड़ना तो दूर, मृतकों की शिनाख्त तक करने में पूरी तरह फिसड्डी साबित हो रही है। पुलिस की इस सुस्ती से पूरे इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ।मालूम हो कि बेलदौर थाना क्षेत्र के अलग-अलग इलाकों में पिछले कुछ दिनों के भीतर कई शव बरामद हो चुके हैं, जिसने पुलिसिया चौकसी की पोल खोल कर रख दी है। बताते चले कि बीते15 जून को बेलदौर थाना क्षेत्र के बेला नवाद एनएच 107 पथ से पुरब बालू के गड्ढे में एक अज्ञात किशोरी का शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया था,वही 16 जून को अगले ही दिन, डुमरी बाजार से दक्षिण दिशा में स्थित कोसी नदी से एक और शव बरामद किया गया। जबकी इससे पहले 28 मई कंजरी पश्चिम पर में एक 20 वर्षीय युवती का शव मिला था, जिसकी हत्या कर शव फेंके जाने की आशंका जताई गई थी। जबकि पिरनगरा गमैना चौर में बेगूसराय जिले के एक 22 वर्षीय युवक का शव मिला। वहीं इससे पहले लालघाट मुसहरी के समीप कोसी नदी के किनारे भी एक शव बरामद हुआ था, जिसकी आज तक शिनाख्त नहीं हो सकी। इन सभी मामलों में बेलदौर पुलिस और अनुसंधानकर्ता जांच-पड़ताल का दावा ही कर रहे हैं।

आंगनबाड़ी केन्द्र पर बच्चों को मिलता है पका खाना

खगड़िया (दैनिक नवसंदेश)। जिले में संचालित आंगनबाड़ी केन्द्रों पर बच्चों को जहां स्कूल पूर्व शिक्षा जी जा रही है,वही पोषणयुक्त खाना भी उपलब्ध करायी जा रही है। केन्द्र प्रायोजित इस योजना के संचालन से विशेषरूप से गरीब बच्चों,गर्भवती और धात्री महिलाओं के जीवन में काफी बदलाव देखने को मिल रहा है। जानकारी हो कि जिला मुख्यालय के हाजीपुर मोहल्ला में संचालित आंगनबाड़ी केन्द्र संख्या 274 पर बच्चों को पोषणयुक्त खाना के साथ साथ स्कूल पूर्व शिक्षा भी दी जा रही है। आंगनबाड़ी केन्द्र की सेविका कुंदन कुमारी ने बताया कि केन्द्र पर अधिकांश गरीब परिवार के बच्चों को स्कूल पूर्व शिक्षा के साथ साथ पोषणयुक्त खाना भी दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि केन्द्र पर गर्भवती महिलाओं को टीकाकरण के साथ साथ पोषाहार भी माह में एकबार दिया जाता

है। उन्होंने कहा कि टीकाकरण और पोषाहार मिलने से महिलाओं और बच्चों की मृत्यु दर में कमी आई है। उन्होंने कहा कि अब पोषाहार देने से पहले एफआरएस किया जाता है। हलांकि उन्होने कहा कि काफी संख्या में मेरे क्षेत्र में ऐसे भी परिवार हैं जिनका आधार कार्ड अपडेट नही है,जिसके कारण उनका एफआरएस नही हो पाता है। उन्होने कहा कि विभाग का निर्देष है कि जिसका एफआरएस नही होगा उनको राषन नही दिया जाना है। वही आंगनबाड़ी सहायिका लक्ष्मी देवी ने कहा कि हमलोग आंगनबाड़ी केंद्र में पढ़नेवाले बच्चों को घर से बुलाकर लाने के बाद उन्हें मीनू के अनुसार खाना दिया जाता है। पढ़ाई पूर्ण होने के बाद पुनः बच्चों को घर पहुंचा दिया जाता है।

सम्मानित हुए मेधावी छात्र, फ्री मेडिकल कैंप आयोजित

खगड़िया (दैनिक नवसंदेश)। स्मृतिशेष ष्ण कुमार सिंह के 20वीं पुण्यतिथि पर बलतारा पंचायत के कन्हौली ग्राम में मैट्रिक परीक्षा में सर्वाधिक अंक पाने वाले तीन छात्रों को श्रीष्ण पार्वती प्रतिभा सम्मान से सम्मानित किया गया। इसके साथ हीं श्यामलाल चंद्रशेखर मेडिकल कलेज सह शहीद प्रभूनारायण मल्टी स्पेशलिस्ट हस्पिटल के द्वारा फ्री मेडिकल कैंप लगाया गया। जिसमें हृदय रोगी हेतु ईसीजी जांच, पेशाब जांच, ब्लड ग्रुप जांच, मोतियाबिंद संबंधी आंख का जांच, फिजियोथैरेपी एवं सभी प्रकार के बीमारियों वाले रोगी का जांच किया गया। उपरोक्त बातें स्वर्गीय ष्ण कुमार सिंह के सबसे छोटे संतान सह युवा शक्ति के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नागेंद्र सिंह त्यागी ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया। ष्ण पार्वती प्रतिभा सम्मान समारोह सह फ्री मेडिकल कैंप की अध्यक्षता बलतारा पंचायत के मुखिया मृत्युंजय कुमार सिंह एवं संचालन अभय कुमार गुड्डू ने किया। अपने संबोधन में भाजपा नेता इंजीनियर धर्मेंद्र कुमार ने कहा कि ष्ण कुमार बाबू पेशे से पंचायत सेवक थे,लेकिन इंसान के रुप में भी एक समाज के सेवक हीं थे। वे हमेशा एक पिता की तरह डांटते और आगे बढ़ने का हौसला अफजाई करते थे। आज हमने तय किया इन्हें श्रद्धांजलि स्वरुप फ्री मेडिकल कैंप लगवाया और यह घोषणा किया कि जो भी रोगी आज इस कैंप में देखा गया और यदि उसका रेफर होता है तो श्यामलाल चंद्रशेखर मेडिकल कलेज में इस कैंप के रोगी को ईलाज में 50 प्रतिषत छूट दी जाएगी। इस कैंप के माध्यम से लगभग 300 से ज्यादा रोगी का विभिन्न प्रकार का जांच किया गया। अपने संबोधन में युवा शक्ति के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नागेंद्र सिंह त्यागी ने अपने पिता के बातों को याद करते हुए कहा कि पिताजी हमेशा कहते थे सरकारी सेवक से पहले एक सच्चा इंसान बनो। जिस दिन व्यवहार, विचार और कर्म से इंसान बन गया तो यह समाज उसी दिन तुम्हें अपना भगवान बना लेंगे।

जलजमाव की समस्या पर अधिकारियों ने जताई चिंता, समाधान के दिए निर्देश

चौथम (दैनिक नवसंदेश)। प्रखंड मुख्यालय स्थित सुखराज मध्य विद्यालय एवं कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय सहित प्रखंड के कई विद्यालयों का अधिकारियों की संयुक्त टीम ने निरीक्षण किया। इस दौरान विद्यालयों में पठन-पाठन, मध्याह्न भोजन, छात्रों-शिक्षकों की उपस्थिति तथा साफ-सफाई का जायजा लिया गया। निरीक्षण दल में प्रखंड विकास पदाधिकारी रंजीत कुमार, प्रभारी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी मनोज श्रीवास्तव, पंचायती राज पदाधिकारी परमात्मा, कल्याण पदाधिकारी नितेश कुमार सहित अन्य अधिकारी शामिल थे। निरीक्षण में विद्यालय परिसर में जलजमाव की समस्या संज्ञान में आई। इस पर अधिकारियों ने मनरेगा के कार्यक्रम पदाधिकारी को विद्यालय परिसर से जलनिकासी एवं जलजमाव की समस्या के स्थायी समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई का निर्देश दिया। साथ ही पंचायती राज पदाधिकारी से भी विभागीय प्रावधानों के तहत समस्या के समाधान की दिशा में पहल करने का आग्रह किया गया। प्रभारी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी मनोज श्रीवास्तव ने बताया कि विद्यालयों में पठन-पाठन की व्यवस्था संतोषजनक पाई गई। मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता तथा रसोई व्यवस्था भी बेहतर मिली। छात्रों की उपस्थिति और साफ-सफाई की स्थिति भी अनुकूल रही। प्रखंड विकास पदाधिकारी रंजीत कुमार ने कहा कि विद्यालय परिसर में जलजमाव की समस्या के समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है।

अगवा युवती एकमा स्टेशन से सकुशल बरामद

एकमा/सारण (दैनिक नवसंदेश)। थाना क्षेत्र के एक गांव से शादी की नीयत से कथित रूप से अपहृत युवती को एकमा पुलिस ने एकमा रेलवे स्टेशन से सकुशल बरामद कर लिया। बरामदगी के बाद युवती को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। पुलिस के अनुसार करीब एक माह पूर्व युवती के पिता ने अज्ञात के विरुद्ध पुत्री के अपहरण की प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इसके बाद पुलिस लगातार मामले की जांच और युवती की तलाश में जुटी थी। इसी दौरान सूचना मिली कि युवती एकमा रेलवे स्टेशन पर मौजूद है, जिसके आधार पर पुलिस ने उसे सकुशल बरामद कर लिया। अनुसंधानकर्ता सह एसआई जगजीत कुमार ने बताया कि बरामद युवती को न्यायालय भेजा गया है, जहां उसका धारा 164 के तहत बयान दर्ज कराया जाएगा। न्यायालय के निर्देशानुसार आगे की विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

सड़क दुर्घटना में छात्र घायल, सदर अस्पताल रेफर

इसुआपुर (दैनिक नवसंदेश)। एसएच-90 पर शुक्रवार को हुई सड़क दुर्घटना में 14 वर्षीय छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल छात्र मान पुरसौली निवासी शैलेश सिंह का पुत्र अमन कुमार है। जानकारी के अनुसार अमन कुमार साइकिल से पढ़ाई कर अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान पुरसौली नहर पुल के पास मसरख की ओर से छपरा जा रही तेज रफ्तार बाइक की चपेट में वह आ गया। गंभीर रूप से जख्मी छात्र सड़क पर गिरकर अचेत हो गया। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तत्काल डायल-112 पुलिस को सूचना दी। पुलिस और ग्रामीणों की मदद से उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, इसुआपुर पहुंचाया गया जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल छपरा रेफर कर दिया। समाचार प्रेषण तक डायल-112 पुलिस ने दुर्घटना में शामिल बाइक चालक को हिरासत में लेकर थाना पहुंचा दिया था।

बदमाशों ने युवक को बेरहमी से पीटकर रुपए लूटे

मांझी (दैनिक नवसंदेश)। कबीरपार मठिया गांव के समीप शुक्रवार दोपहर दिनदहाड़े लूट की बड़ी वारदात सामने आई। बदमाशों ने साइकिल से जा रहे युवक की बेरहमी से पिटाई कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया और उसके पास मौजूद 75 हजार रुपये लूटकर फरार हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दो युवकों ने साइकिल सवार को रोककर उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। युवक की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और विरोध जताया। इसके बाद हमलावर युवक को छोड़कर भाग निकले। ग्रामीणों की तत्परता से घायल युवक की जान बच गई। घटना की सूचना मिलते ही मांझी थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मांझी भेजा। घायल युवक दाउदपुर थाना क्षेत्र के बंगरा मठिया निवासी मन्नान मंसूरी का पुत्र जहीर मंसूरी उर्फ बबलू है। पुलिस ने संदेह के आधार पर एक युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है तथा फरार दूसरे आरोपी की तलाश में छापेमारी कर रही है। पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

गहना चोरी के मामले में तीन गिरफ्तार

एकमा (सारण)। घर से आभूषण चोरी कर आभूषण दुकान में बेचने के मामले में पुलिस ने दुकानदार समेत तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में छपरा भेज दिया। मठनपुरा गांव निवासी एक व्यक्ति ने एकमा थाना में आवेदन देकर आरोप लगाया कि उनके पुत्र ने गांव के ही युवक के साथ मिलकर घर से आभूषण चोरी कर लिया। आरोप है कि चुराए गए गहनों को एकमा बाजार स्थित सोने-चांदी की दुकान में बेच दिया गया। थानाध्यक्ष रामबालक यादव ने बताया कि विक्रेता, उसके सहयोगी तथा संबंधित आभूषण दुकानदार को गिरफ्तार किया गया है।

दो वर्षों तक जनकल्याण योजनाओं को दी नई रफ्तार बीडीओ डा.प्रभात रंजन को भावभीनी विदाई

स्थानांतरण पर अधिकारियों-कर्मियों ने किया सम्मान, कार्यशैली और नेतृत्व की सराहना

जमालपुर (मुंगेर) (एनएसबी)। जमालपुर प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) ड़ प्रभात रंजन के लखीसराय स्थानांतरण पर प्रखंड कार्यालय परिसर में विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

समारोह में प्रखंड के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उन्हें फूल-मालाएं पहनाकर सम्मानित किया तथा उनके सफल कार्यकाल और सरल स्वभाव की सराहना करते हुए भावभीनी विदाई दी।अध्यक्षता प्रखंड सांख्यिकी पदाधिकारी रामप्रवेश सिंह ने की। उन्होंने कहा कि ड़ प्रभात रंजन ने अबतक अपने लगभग दो वर्षो के कार्यकाल में जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारने और विकास कार्यो को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके नेतृत्व में कई योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन हुआ, जिससे आम लोगों को लाभ मिला। उन्होंने विश्वास जताया कि उनके स्थान पर योगदान देने वाली श्वेता कुमारी से भी इसी तरह के सहयोग और बेहतर प्रशासनिक कार्यशैली की अपेक्षा रहेगी। सामाजिक सुरक्षा कोषांग की अर्चना कुमारी ने कहा कि ड़ प्रभात रंजन के साथ कार्य करते हुए दो वर्ष कब बीत गए, इसका एहसास ही नहीं हुआ।

विदाई से सम्मान समारोह में उपस्थित पदाधिकारी कर्मचारी।

उन्होंने कहा कि बीडीओ के रूप में उनका व्यवहार हमेशा सहयोगात्मक और प्रेरणादायी रहा। उन्होंने कर्मचारियों को मार्गदर्शन देने के साथ-साथ टीम भावना से कार्य करने का वातावरण तैयार किया, जिससे सभी को बहुत कुछ सीखने का अवसर मिला। मौके पर दीपा कुमारी, स्वच्छता प्रशिक्षक नीति राजदेव, विकास आवास सहायक मधुकर रुपेश, संजीवनी कुमार, विवेक कुमार, शिवेंद्र कुमार सहित प्रखंड कार्यालय के अनेक अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

फोरलेन किनारे दफन मिला बंटी यादव का शव, हत्या के बाद साक्ष्य मिटाने की आशंका

अथमलगोला में सनसनी पटना से लापता बंटी यादव के रूप में हुई पहचान

कोतवाली पुलिस पहुंची बाढ़, अनुमंडल अस्पताल में होगा पोस्टमार्टम

बाढ़ (दैनिक नवसंदेश)। अथमलगोला थाना क्षेत्र में फोरलेन सड़क के किनारे मिट्टी में दफन मिला शव आखिरकार पटना से लापता बंटी यादव का निकला। शव की शिनाख्त होने के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। प्रथम ष्टया मामला हत्या के बाद शव को दफनाकर साक्ष्य मिटाने के प्रयास का माना जा रहा है। घटना ने पुलिस महकमे में भी हड़कंप मचा दिया है। शव मिलने की सूचना पर स्थानीय पुलिस ने तत्काल घटनास्थल को घेर लिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीपीओ रामष्ण स्वयं घटनास्थल पर पहुंचे और जांच का नेतृत्व किया। पुलिस ने शव को मिट्टी से बाहर निकलवाकर कब्जे में लिया तथा वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाने की कार्रवाई शुरू की। आसपास के लोगों से पूछताछ के साथ घटनास्थल की फरेंसिक जांच भी कराई जा रही है। इधर, शव की पहचान बंटी यादव के रूप में होने के बाद पटना कोतवाली थाना पुलिस भी बाढ़ पहुंच गई। चूंकि बंटी यादव के लापता होने का मामला पटना में दर्ज था, इसलिए दोनों जिलों की पुलिस संयुक्त रूप से पूरे घटनाक्रम की कड़ियां जोड़ने में जुट गई है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि अपहरण के बाद हत्या कब, कहां और किन परिस्थितियों में की गई तथा शव को अथमलगोला फोरलेन किनारे लाकर दफनाने के पीछे किस गिरोह या किन लोगों का हाथ है। पुलिस ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम बाढ़ अनुमंडल अस्पताल में कराया जाएगा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट, फरेंसिक साक्ष्य और अन्य वैज्ञानिक जांच के आधार पर मौत के कारण एवं हत्या की परिस्थितियों का खुलासा होने की उम्मीद है। अधिकारियों का कहना है कि जांच के हर पहलू पर गंभीरता से काम किया जा रहा है और तकनीकी साक्ष्यों को भी खंगाला जा रहा है। इस सनसनीखेज वारदात के बाद अथमलगोला, बाढ़ और पटना में चर्चाओं का बाजार गर्म है। फोरलेन किनारे शव दफनाकर अपराध के साक्ष्य मिटाने की आशंका ने पुलिस के सामने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस का दावा है कि मामले के सभी पहलुओं की गहन जांच की जा रही है और जल्द ही घटना में शामिल अपराधियों की पहचान कर उन्हें कानून के शिकंजे में लिया जाएगा।

घटनास्थल पर जांच करते बाढ़ एसडीपीओ रामकृष्ण।

दफनाया शव बरामद फोर लेन अथमलगोला।

डीआरआई की टीम ने की छापेमारी

फतुहा। शनिवार को डीआरआई की विशेष टीम ने एक गोदाम में छापेमारी कर प्रतिबंधित नशीली कफ सिरप की एक बड़ी खेप बरामद की है। गोदाम परिसर की गहन तलाशी के दौरान अधिकारियों ने कार्टन में छिपाकर रखी गई सिरप की दो अलग-अलग खेप बरामद की है। पहली खेप से सौ मिलीलीटर की 8 हजार बोतलें और दूसरी खेप से सौ मिलीलीटर की 9 हजार 8,80 बोतलें बरामद की गईं। इस प्रकार गोदाम से कुल 17,880 बोतलें प्रतिबंधित दवाएं जब्त की गईं। अधिकारियों के अनुसार इस सिरप में कोडाइन फस्फेट और ट्राइप्रोलिडीन हाइड्रोक्लोराइड की मात्रा शामिल है जिसका निर्माण और भंडारण पूरी तरह अवैध है। डीआरआई द्वारा की गई तत्काल जांच में यह स्पष्ट हुआ कि पहली खेप के निर्धारित प्राप्तकर्ता का ड्रग लाइसेंस पहले ही रद्द किया जा चुका था। वहीं दूसरी खेप के प्राप्तकर्ता के दस्तावेजों में दर्ज किया गया पता पूरी तरह से फर्जी और अस्तित्वहीन पाया गया। मुजफ्फरपुर से आई डीआरआई की टीम ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि यह बहुत बड़ा सिंडिकेट है।

एक पेड़ माँ के नाम एक पेड़ एक जिंदगी के नाम पर आयोजित हुआ कार्यक्रम

विश्व जनसंख्या दिवस पर कालेज में पौधारोपण कार्यक्रम

जमालपुर (मुंगेर)। विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर जमालपुर कालेज जमालपुर में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत ष्एक पेड़ माँ के नामष, ष्एक पेड़, एक जिंष तथा ष्हर परिसर, हरा परिसरष अभियान के तहत व्यापक स्तर पर पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य ड़ विद्या कुमार चौधरी ने की। उन्होंने कहा कि आज पर्यावरण संरक्षण केवल सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुका है। बढ़ते तापमान, प्रदूषण और घटते हरित क्षेत्र के बीच अधिक से अधिक पौधारोपण एवं उसका संरक्षण समय की मांग है। राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की कार्यक्रम पदाधिकारी ड़ चन्दा कुमारी ने कहा कि यदि हम आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ, सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण देना चाहते हैं तो पौधारोपण को जन-आंदोलन बनाना होगा। प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए तथा उसके संरक्षण की जिम्मेदारी भी निभानी चाहिए।कार्यक्रम में उपस्थित ड संजीव कुमार,ड चंपकलता कुमारी , ड राकेश कुमार नटराजन एवं शिक्षक्केतर कर्मचारी एवं अधिक संख्या में विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने एवं उनकी देखभाल करने का संकल्प लिया।

पौधारोपण कार्यक्रम करते कालेज परिवार।

अभिभावक गोष्ठी में बच्चों के सर्वांगीण विकास पर दिया गया जोर

जमालपुर (मुंगेर) - सरस्वती विद्या मंदिर दौलतपुर, जमालपुर में शनिवार को विद्यालय परिसर में अभिभावक गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं वंदना के साथ हुआ। गोष्ठी में कक्षा तृतीय से अष्टम तक के विद्यार्थियों के अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यालय के आचार्यो ने विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति, अनुशासन, नियमित उपस्थिति तथा नैतिक मूल्यों के विकास पर विस्तार से चर्चा की। अभिभावकों से बच्चों की पढ़ाई के साथ-साथ उनके संस्कार, व्यवहार एवं दैनिक दिनचर्या पर विशेष ध्यान देने का आग्रह किया गया।गोष्ठी के दौरान विद्यालय में संचालित ओपन कैंपस ऐप एवं डिजिटल शिक्षण व्यवस्था की जानकारी कोषाध्यक्ष सुधीर सिंह द्वारा दी गई। अभिभावकों को ऐप के माध्यम से विद्यार्थियों की उपस्थिति, गृहकार्य, परीक्षा परिणाम तथा अन्य महत्वपूर्ण सूचनाओं की जानकारी प्राप्त करने की प्रक्रिया समझाई गई।प्रधानाचार्य छठु साह ने अपने संबोधन में कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए विद्यालय और अभिभावकों के बीच सतत संवाद एवं सहयोग अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों को मोबाइल के अनावश्यक उपयोग से दूर रखते हुए अध्ययन, खेलकूद तथा सांसतिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया।गोष्ठी के अंत में अभिभावकों ने विद्यालय द्वारा संचालित शैक्षणिक एवं संस्कारात्मक गतिविधियों की सराहना करते हुए विद्यालय परिवार के प्रति अपना विश्वास व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। कार्यक्रम मे विद्यालय सचिव चंद्रशेखर खेतान, सह सचिव शैल कुमारी, उप प्रधानाचार्य संतोष कुमार व आदि लोग उपस्थित थे।

गोष्ठी में उपस्थित प्रधानाचार्य एवं समिति के पदाधिकारी।

यूनियन और प्रशासन रेल व्यवस्था के दो मजबूत स्तंभ हैं : सीपीओ रेलवे इंटर कॉलेज की व्यवस्था का सीपीओ ने लिया जायजा

जमालपुर (मुंगेर) (एनएसबी)। ईस्टर्न रेलवे कोलकाता के मुख्य कार्मिक अधिकारी (सीपीओ) मनीष कुमार सिंह शुक्रवार को एकदिवसीय दौरे पर जमालपुर पहुंचे। उनके आगमन पर रेल कारखाना के कार्मिक अधिकारी राजीव कुमार के नेतृत्व में अधिकारियों और कर्मचारियों ने गर्मजोशी से स्वागत किया।जमालपुर रेल कारखाना पहुंचने के बाद सीपीओ ने सबसे पहले कार्मिक शाखा का निरीक्षण किया और वहां कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ बैठक की। उन्होंने कार्य संस्ति को और बेहतर बनाने, समयबद्ध निष्पादन तथा कर्मचारियों की समस्याओं के त्वरित समाधान पर विशेष जोर दिया। इसके बाद उन्होंने विभिन्न श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधियों से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि यूनियन और प्रशासन एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। दोनों के बीच बेहतर समन्वय और आपसी विश्वास से ही रेल प्रशासन मजबूत होगा तथा कर्मचारियों के हितों की प्रभावी ढंग से रक्षा की जा सकेगी।मेंस कांग्रेस यूनियन के शाखाध्यक्ष जितेंद्र कुमार के नेतृत्व में यूनियन पदाधिकारियों ने सीपीओ का स्वागत किया। बैठक में कर्मचारियों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर भी सकारात्मक चर्चा हुई।कारखाना भ्रमण के बाद सीपीओ रेलवे इंटर कलेज पहुंचे, जहां उन्होंने प्राचार्य एवं शिक्षकों से शैक्षणिक व्यवस्था की जानकारी ली। उन्होंने विद्यार्थियों से भी बातचीत कर पढ़ाई, सुविधाओं और विद्यालय के माहौल के बारे में जानकारी प्राप्त की तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर बल दिया।मौके पर यूनियन नेता सिसिलिया टुडू, राकेश राज,धर्मवीर, संजीव कुमार, ऋतुराज समेत कई अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

सीपीओ का स्वागत करते यूनियन नेता।

संक्षिप्त खबरें

जनता दरबार नहीं लगने से फरियादियों में निराशा

जमालपुर (मुंगेर)। अंचल कार्यालय जमालपुर में लगातार 3 सप्ताह से साप्ताहिक जनता दरबार का आयोजन नहीं होने से फरियादियों में नाराजगी देखी जा रही है। शनिवार का जनता दरबार का आयोजन नहीं होने का वजह अंचल कार्यालय के कर्मचारियों ने बताया कि सीओ के स्थानांतरण होने के कारण जनता दरबार स्थगित है अगले शनिवार से विधिवत जनता दरबार की कार्रवाई होगी।

जिला कबड्डी संघ द्वारा जूनियर बालक चयन प्रतियोगिता 15 जुलाई को

जमालपुर (मुंगेर)। जिला कबड्डी संघ के तत्वावधान में आगामी 15 जुलाई को जूनियर बालक कबड्डी टीम के गठन के लिए एक चयन प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रतियोगिता जमालपुर स्थित रेलवे स्कूल मैदान, रामपुर बस्ती में आयोजित की जाएगी।चयन प्रतियोगिता से जुड़ी मुख्य शर्तें और जानकारियां निम्नलिखित किया गया है। जिसमें प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों का जन्म 4 नवंबर 2006 के बाद होना अनिवार्य है। इसके अलावा सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों को अपने साथ जन्म प्रमाण पत्र और आधार कार्ड की मूल प्रति लाना आवश्यक है। बिना वैध दस्तावेजों के चयन प्रक्रिया में शामिल होने की अनुमति नहीं दी जाएगी।जिला कबड्डी संघ के सभापति राजेश कुमार ने इस संबंध में जानकारी देते हुए जिले के सभी योग्य और प्रतिभावान कबड्डी खिलाड़ियों से अपील की है कि वे समय पर मैदान पर पहुंचकर इस चयन प्रतियोगिता में हिस्सा लें और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करें।

युवती ने पुनपुन नदी में लगाई छलांग, लापता

फतुहा। शुक्रवार की देर शाम पुनपुन रेलवे पुल से एक युवती ने पुनपुन नदी में छलांग लगा दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार एक युवती रेल ट्रैक पर बैठकर रो रही थी। उधर से गुजर रही कुछ महिलाओं ने उसका हाल समाचार पूछा। तभी उसने अचानक पुल से ही पुनपुन नदी में छलांग लगा दी। हालांकि छलांग लगाने वाली युवती कौन थी पता नहीं चल पाया है। फतुहा थानाध्यक्ष श्रीमंत कुमार सुमन ने बताया कि शनिवार को एसडीआरएफ की टीम ने सर्च अपरेशन चलाया पर सफलता नहीं मिली, रविवार को पुनः सर्च अपरेशन चलाया जाएगा।

बेलछी में पीएम-किसान के नाम पर साइबर ठगी की साजिश, षि पदाधिकारी बनकर किसानों को किया जा रहा कल

बाढ़ (दैनिक नवसंदेश)। बेलछी प्रखंड में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के नाम पर किसानों को साइबर ठगी का शिकार बनाने की कोशिश का मामला सामने आया है। आरोप है कि साइबर ठग स्वयं को प्रखंड षि पदाधिकारी बताकर किसानों को फोन कर योजना का लाभ दिलाने का झांसा दे रहे हैं और उनसे निजी एवं बैंकिंग संबंधी जानकारी हासिल करने का प्रयास कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार, एक सतर्क किसान को संदिग्ध कल आने पर उसने कोई जानकारी साझा नहीं की और तत्काल इसकी सूचना संबंधित षि सलाहकार को दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए षि सलाहकार ने संदिग्ध मोबाइल नंबर पर संपर्क कर उसकी सत्यता जानने का प्रयास किया। आरोप है कि दूसरी ओर से बात करने वाले व्यक्ति ने अपना परिचय स्पष्ट करने के बजाय अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए गाली-गलौज की। इसके बाद साइबर ठगी की आशंका और गहरा गई।घटना के बाद किसानों में चिंता का माहौल है। विभागीय अधिकारियों के समक्ष अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि विभाग के नाम और पद का दुरुपयोग करने वाले अज्ञात साइबर ठगों के विरुद्ध क्या कानूनी कार्रवाई की जाएगी। किसानों की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि क्या प्रखंड षि पदाधिकारी इस मामले में पुलिस को आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज कराएंगे और साइबर अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे।सूत्रों का कहना है कि सरकारी योजनाओं के नाम पर होने वाली साइबर ठगी के मामलों में अपराधी अक्सर लाभार्थियों को दस्तावेज अपडेट करने, किस्त जारी कराने या सत्यापन के बहाने बैंक खाता, आधार संख्या, ओटीपी और अन्य गोपनीय जानकारी मांगते हैं। एक छोटी-सी लापरवाही भी आर्थिक नुकसान का कारण बन सकती है।

संक्षिप्त खबरें

बाढ़ अनुमंडलीय अस्पताल का वीडियो वायरल

बाढ़ (दैनिक नवसंदेश)। सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव के बीच रील बनाने का चलन अब सार्वजनिक संस्थानों तक पहुंच गया है। ताजा मामला बाढ़ अनुमंडलीय अस्पताल से जुड़ा है, जहां अस्पताल परिसर में बनाई गई एक रील सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। वीडियो के वायरल होने के बाद लोगों के बीच इसे लेकर व्यापक चर्चा शुरू हो गई है। जानकारी के अनुसार, वायरल वीडियो में अस्पताल परिसर का श्य दिखाई दे रहा है। यह वही नवीनतम अनुमंडलीय अस्पताल भवन है, जिसका उद्घाटन कुछ माह पूर्व तत्कालीन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा किया गया था। वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर अनेक लोगों ने सवाल उठाए कि अस्पताल जैसे संवेदनशील स्थान, जहां मरीज इलाज और राहत की उम्मीद लेकर पहुंचते हैं, वहां मनोरंजन के उद्देश्य से रील बनाना कितना उचित है।गौरतलब है कि आजकल युवाओं के साथ-साथ विभिन्न आयु वर्ग के लोग फेसबुक, इंस्टाग्राम और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफर्म पर अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचने के लिए रील बना रहे हैं। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि रील या वीडियो बनाते समय स्थान की गरिमा, अन्य लोगों की निजता तथा सुरक्षा मानकों का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए।कई लोगों ने यह भी कहा कि अस्पताल, न्यायालय, शैक्षणिक संस्थान और अन्य सार्वजनिक सेवा स्थलों की अपनी गरिमा होती है। ऐसे स्थानों पर यदि वीडियो निर्माण से मरीजों, चिकित्सकों या स्वास्थ्य सेवाओं में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न होती है, तो इससे बचना चाहिए।उल्लेखनीय है कि देश के विभिन्न हिस्सों में जोखिमपूर्ण स्थानों पर रील बनाने के दौरान कई दुर्घटनाएं भी सामने आ चुकी हैं। ऐसे मामलों ने यह संदेश दिया है कि सोशल मीडिया की लोकप्रियता से अधिक महत्वपूर्ण व्यक्तिगत सुरक्षा, सामाजिक जिम्मेदारी और सार्वजनिक स्थानों की मर्यादा है।फिलहाल इस वायरल वीडियो को लेकर अस्पताल प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। स्थानीय लोगों का मानना है कि अस्पताल परिसर में आने वाले सभी लोगों को संस्थान की गरिमा, मरीजों की निजता और अनुशासन का सम्मान करना चाहिए, ताकि उपचार का वातावरण प्रभावित न हो।

रिल बनाती लड़की, अनुमंडलीय अस्पताल परिसर बाढ़।

104 पुड़िया ब्राउन शुगर के साथ तस्कर धराया

बाढ़ (दैनिक नवसंदेश)। मोकामा में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए ब्राउन शुगर की तस्करी में संलिप्त एक युवक को गिरफ्तार किया है। चिंतामणि चक टीओपी के नए प्रभारी पुलिस अवर निरीक्षक राजेश कुमार ने पदभार संभालने के साथ ही त्वरित कार्रवाई करते हुए 104 पुड़िया में पैक करीब 15 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद की है। पुलिस की इस कार्रवाई को क्षेत्र में सक्रिय नशा तस्करी के नेटवर्क पर अब तक की महत्वपूर्ण चोट माना जा रहा है। पुलिस सूत्रों के अनुसार धौरानी टोला में ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री और तस्करी की विश्वसनीय गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना मिलते ही टीओपी प्रभारी राजेश कुमार ने पुलिस टीम का गठन कर योजनाबद्ध ढंग से छापेमारी की। घेराबंदी के दौरान एक संदिग्ध युवक को पकड़ा गया, जिसकी तलाशी लेने पर उसके पास से 104 पुड़िया में पैक कुल 15 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद हुई। बरामी के बाद पुलिस ने तत्काल मादक पदार्थ को जब्त कर आरोपी को हिरासत में ले लिया। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान धौरानी टोला निवासी गोपाल कुमार, पिता विजय कुमार शर्मा, के रूप में हुई है। प्रारंभिक पूछताछ में पुलिस को कई महत्वपूर्ण जानकारियां मिली हैं, जिनके आधार पर इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। पुलिस का मानना है कि यह मामला केवल एक व्यक्ति तक सीमित नहीं है और इसके पीछे सक्रिय नेटवर्क का खुलासा होने की संभावना है।टीओपी प्रभारी राजेश कुमार ने स्पष्ट कहा कि मोकामा क्षेत्र में नशे के कारोबार को किसी भी सूरत में पनपने नहीं दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि मादक पदार्थो की तस्करी और बिक्री में शामिल प्रत्येक व्यक्ति की पहचान कर उसके विरुद्ध कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। पुलिस की निगरानी लगातार बढ़ाई जा रही है और संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष नजर रखी जा रही है।गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। साथ ही पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि ब्राउन शुगर की खेप कहां से लाई गई थी और इसकी आपूर्ति किन-किन क्षेत्रों में की जा रही थी। नए टीओपी प्रभारी की इस सख्त कार्रवाई के बाद मोकामा क्षेत्र में सक्रिय नशा तस्करों और असामाजिक तत्वों में हड़कंप मच गया है। स्थानीय लोगों ने पुलिस की तत्परता की सराहना करते हुए उम्मीद जताई है कि ऐसे अभियान लगातार चलते रहे तो क्षेत्र को नशे के जाल से मुक्त कराने में सफलता मिलेगी।

पप्पू मेहता हत्याकांड में नामजद अभियुक्त भोला सिंह की न्यायालय में पेशी

बाढ़ (दैनिक नवसंदेश)। वर्ष 2019 के चर्चित प्रपर्टी डीलर पप्पू मेहता हत्याकांड में नामजद अभियुक्त भोला सिंह को गुरुवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच लखीसराय न्यायालय में पेश किया गया। न्यायालय में आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में स्थानीय जेल भेज दिया गया। मामले की अगली सुनवाई के तहत शुक्रवार को एक बार फिर अभियुक्त को न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा।गौरतलब है कि वर्ष 2019 में लखीसराय शहर के पुरानी बाजार स्थित महिला विद्या मंदिर गली में प्रपर्टी डीलर पप्पू मेहता की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस सनसनीखेज घटना ने पूरे जिले में व्यापक चर्चा बटोरी थी और कानून-व्यवस्था को लेकर भी कई सवाल खड़े हुए थे। मामले में पुलिस ने जांच के बाद कई लोगों को आरोपी बनाया था, जिनमें भोला सिंह भी नामजद अभियुक्त हैं।गुरुवार को न्यायालय में पेशी के दौरान सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। न्यायिक प्रक्रिया पूरी होने के बाद अभियुक्त को पुनः न्यायिक हिरासत में स्थानीय जेल भेज दिया गया।अभियुक्त के अधिवक्ता ने बताया कि न्यायालय के निर्देशानुसार शुक्रवार को भोला सिंह को पुनः अदालत में पेश किया जाएगा, जहां मामले में आगे की कानूनी कार्यवाही होगी।यह मामला लखीसराय के बहुचर्चित आपराधिक मामलों में शामिल रहा है और इसकी न्यायिक प्रक्रिया पर स्थानीय लोगों की नजर बनी हुई है।

बेटी की शादी में ननद को निमंत्रण नहीं देने पर महिला की हत्या, ससुर और दो देवर पर आरोप

बाढ़ (दैनिक नवसंदेश)। बिहार के नवादा जिले में पारिवारिक विवाद ने एक दर्दनाक मोड़ ले लिया। आरोप है कि बेटी की शादी में ननद को निमंत्रण नहीं देने से नाराज परिजनों ने 45 वर्षीय महिला की पीट-पीटकर हत्या कर दी। घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।मृतका की पहचान बाल्मिकी चौधरी की पत्नी पुतुल देवी (45) के रूप में हुई है। वह अपने दो पुत्रों और एक पुत्री के साथ गांव में रहती थीं। उनके पति दक्षिण अफ्रीका में बेल्डर के रूप में कार्यरत हैं और घटना के समय विदेश में थे।मृतका के पुत्र भूपेश कुमार ने आरोप लगाया है कि करीब दो माह पहले उसकी बहन की शादी हुई थी, जिसमें उसकी फुआ (पिता की बहन) को निमंत्रण नहीं दिया गया था। इससे पहले हुए एक मुंडन संस्कार में भी उन्हें नहीं बुलाया गया था। इसी बात को लेकर परिवार के भीतर लंबे समय से विवाद चल रहा था।भूपेश के अनुसार, इसी विवाद के चलते उसके दादा और दोनों चाचाओं ने उसकी मां के साथ मारपीट की, जिससे उनकी मौत हो गई। उसने अपने दादा और दोनों चाचाओं के विरुद्ध हत्या का आरोप लगाया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि मृतका के पुत्र के बयान के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है। सभी आरोपों की निष्पक्ष जांच की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।यह घटना एक बार फिर पारिवारिक रिश्तों में बढ़ती कटुता और संवादहीनता के गंभीर परिणामों की ओर संकेत करती है। एक मामूली निमंत्रण विवाद का हिंसक रूप लेना पूरे समाज के लिए चिंता का विषय है।

पुतुल देवी।

विश्व जनसंख्या दिवस पर युवाओं को किया जागरूक

परिवार नियोजन व सतत विकास पर दिया जोर

शाहपुर (दैनिक नवसंदेश)। श्री त्रिदंडी देव राजकीय डिग्री महाविद्यालय शाहपुर में शनिवार को विश्व जनसंख्या दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मौके पर वक्ताओं ने बढ़ती जनसंख्या से उत्पन्न चुनौतियों पर चिंता जताते हुए परिवार नियोजन, मातृ स्वास्थ्य, लैंगिक समानता और सतत विकास के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया। उद्घाटन करते हुए प्राचार्य प्रो. गुलाब फलाहारी ने कहा कि विश्व जनसंख्या दिवस मनाने का उद्देश्य केवल जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करना नहीं, बल्कि लोगों, विशेषकर युवाओं को इसके सामाजिक, आर्थिक और स्वास्थ्य संबंधी प्रभावों के प्रति जागरूक करना है। एनएसएस पदाधिकारी डॉ. मनोज कुमार ने कहा कि प्रत्येक नागरिक को शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध हों, तभी सतत विकास का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। डॉ. आफरीन बानो ने परिवार नियोजन के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में डॉ. नवल किशोर प्रसाद, डॉ. राजेश कुमार, डॉ. आस्था कुमारी, डॉ. शेर सिंह, डॉ. मनीष कुमार, डॉ. अतुल कलाम, डॉ. अम्बरीष गौतम, डॉ. संतोष कुमार तिवारी, अजीत कुमार राम, डॉ. दिनेश कुमार, डॉ. रूपेश कुमार, डॉ. बुद्धदेव राम, डॉ. भगवान मिश्रा, राजन तिवारी, चंदन तिवारी, मुन्ना कुमार, रोहित कुमार, सुशील ठाकुर आदि मौजूद थे।

चलेगा 'रोको-टोको अभियान'

दैनिक नवसंदेश

असामाजिक तत्वों पर नकेल कसने की तैयारी

चौक-चौराहों पर पुलिस पदाधिकारी और बल की होगी तैनाती

सभी थानों में कम्युनिटी पुलिसिंग करने का निर्देश

आरा। पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभागार में शनिवार को मासिक अपराध समीक्षा गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसका नेतृत्व पुलिस अधीक्षक राज ने किया। मैराथन चली गोष्ठी के दौरान पुलिस अधीक्षक ने पुलिस पदाधिकारियों एवं थानाध्यक्षों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। मासिक अपराध समीक्षा गोष्ठी के दौरान जिले में अपराध नियंत्रण, विधि-व्यवस्था संधारण तथा शांतिपूर्ण एवं भयमुक्त वातावरण बनाए रखने हेतु विभिन्न संवेदनशील बिंदुओं पर विस्तृत समीक्षा की गई। पुलिस अधीक्षक द्वारा थानेवार अपराध विश्लेषण करते हुए गंभीर कांडों के त्वरित निष्पादन, लंबित वारंटकुर्की-जब्ती के मामलों में तेजी लाने और चिन्हित हटस्पट क्षेत्रों में विशेष पुलिस गश्ती व निगरानी बढ़ाने के सख्त निर्देश दिए गए। सके साथ ही, पुलिस-पब्लिक समन्वय को मजबूत करने के लिए सभी थानों को कम्युनिटी पुलिसिंग करने, विजिबल पुलिसिंग के तहत जिले के प्रमुख चौक-चौराहों पर पुलिस पदाधिकारियों व बल की मुस्तैद तैनाती करने तथा संदिग्धों और असामाजिक तत्वों पर नकेल कसने के लिए सघन 'रोको-टोको अभियान' चलाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। मासिक अपराध गोष्ठी के दौरान सदर एसडीपीओ-वन राज कुमार साह, सदर एसडीपीओ-टू रंजीत कुमार सिंह, पीरो डीएसपी ह सेतु, जगदीशपुर एसडीओपी पंकज मिश्रा, ट्रैफिक डीएसपी मनोज कुमार सुधांशु, मुख्यालय डीएसपी मनोज कुमार, नगर थानाध्यक्ष देवराज राय, नवादा थानाध्यक्ष बिपिन बिहारी, मुफस्सिल थानाध्यक्ष राम कल्याण यादव एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

पदोन्नत पुलिस जवानों के कंधों पर लगा सिंगल स्टार

एसपी राज और एसडीपीओ ने जवानों के किया सम्मानित

आरा (दैनिक नवसंदेश)। पुलिस अधीक्षक राज द्वारा पीटीसी परीक्षा उत्तीर्ण कर एएसआई के पद पर पदोन्नत हुए पुलिस जवानों के कंधों पर 'सिंगल स्टार' लगाकर उन्हें सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने सभी पदोन्नत अधिकारियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल एवं कर्तव्यनिष्ठ भविष्य की कामना की। उन्होंने उम्मीद जताई कि सभी अधिकारी पूरी निष्ठा, ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे तथा जिले की कानून-व्यवस्था को और सुदृ बनाने में अपना अहम योगदान देंगे। इस अवसर पर सदर एसडीपीओ वन राजकुमार साह, ट्रैफिक डीएसपी मनोज कुमार सुधांशु, साइबर डीएसपी ह सेतू समेत अन्य पुलिस पदाधिकारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

अरुण प्रकाश ने किया डीडीसी का पदभार ग्रहण

आरा (दैनिक नवसंदेश)। भोजपुर जिला के उप विकास आयुक्त के पद पर आज अरुण प्रकाश ने योगदान किया। प्रकाश बेतिया में पदस्थापित थे। विदित हो कि अरुण प्रकाश ने आरा सदर अनुमंडल पदाधिकारी के तौर पर 2017 से 2020 तक अपनी सेवाएं दी थीं। प्रकाष का पिछला कार्यकाल सफल एवं मिलनसर पदाधिकारी के रूप में गुजरा था।

जमानत पर छूटे अपराधियों का किया जा रहा भौतिक सत्यापन

आरा (दैनिक नवसंदेश)। पुलिस अधीक्षक राज के निर्देशानुसार जिले में सुढ़ कानून-व्यवस्था और अपराध नियंत्रण हेतु एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत जिले के सभी थाना क्षेत्रों में 'बेल आउट' (जमानत पर छूटे) अपराधियों का भौतिक सत्यापन किया जा रहा है। इस अभियान के तहत पुलिस टीमों ने जमानत पर बाहर आए अपराधियों के वर्तमान निवास स्थानों पर जाकर उनकी सक्रियता, गतिविधियों और आजीविका के साधनों की बारीकी से जांच की।

ट्रेन से गिरकर दो लोगों की मौत

आरा (दैनिक नवसंदेश)। कुल्हड़िया स्टेशन के समीप अप मेन लाइन पर शनिवार की सुबह ट्रेन से गिरकर बक्सर निवासी युवक की मौत हो गई। मृतक बक्सर जिले के डुमरांव थाना क्षेत्र के अमसारी गांव निवासी स्व. रामजी राम का 19 वर्षीय पुत्र सुखारी राम है। एक अन्य घटना में बनाही स्टेशन के समीप ट्रेन से गिरकर अज्ञात 40 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। खबर लिखे जाने तक शव की शिनाख्त नहीं हो पाई है।

करंट की चपेट में आने से युवक घायल

आरा (दैनिक नवसंदेश)। उदवंतनगर थाना क्षेत्र के भेलाई गांव में शनिवार की सुबह विधुत करंट की चपेट में आने से कि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। आनन-फानन में उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। जानकारी के अनुसार घायल उदवंतनगर थाना क्षेत्र के भेलाई गांव निवासी राकेश कुमार सिंह का 28 वर्षीय पुत्र सुमित कुमार है।

दलनछपरा पशु चिकित्सालय में लगी बायोमैट्रिक मशीन

शाहपुर (दैनिक नवसंदेश)। पशुपालन विभाग के निर्देश पर देवमलपुर बहुदरी पंचायत के दलनछपरा स्थित प्रथम वर्गीय पशु चिकित्सालय में कर्मचारियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए बायोमैट्रिक अटेंडेंस मशीन स्थापित कर दी गई है। इसके साथ ही अस्पताल में अब सभी चिकित्सकों एवं कर्मियों के लिए ड्यूटी पर आने और जाने के समय बायोमैट्रिक मशीन पर उपस्थिति दर्ज कराना अनिवार्य होगा। विभागीय सूत्रों के अनुसार पूरे बिहार के सरकारी पशु चिकित्सालयों एवं विभागीय कार्यालयों में कार्य संस्ति में सुधार, पारदर्शिता बढ़ाने और कर्मचारियों की समयबद्ध उपस्थिति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह व्यवस्था लागू की जा रही है। इससे अस्पतालों के संचालन में जवाबदेही बढ़ेगी और पशुपालकों को बेहतर सेवाएं मिल सकेंगी। सरकार के इस निर्णय का स्थानीय पशुपालकों ने स्वागत किया है। ग्रामीण पैक्स अध्यक्ष.ष्ण कुमार यादव, पातर पांडे, घनश्याम पांडे और अजय सिंह ने बताया कि पहले कई बार चिकित्सक या कर्मी समय पर नहीं मिलने से बीमार पशुओं के इलाज में अनावश्यक देरी होती थी। बायोमैट्रिक व्यवस्था लागू होने से अस्पताल समय पर खुलेगा व चिकित्सकीय सेवाएं नियमित रूप से उपलब्ध होंगी और पशुपालकों को राहत मिलेगी।

पुण्यतिथि को लेकर बैठक आज

आरा (दैनिक नवसंदेश)। शाहाबाद सिविल सोसाइटी के कार्य समिति एवं आमंत्रित सदस्यों की एक बैठक एवं प्रेसवार्ता कल आरा क्लब, आरा में आयोजित की गई है। बैठक में शाहाबाद सिविल सोसाइटी के कार्य समिति के गठन पर विचार विमर्श कर निर्णय लिए जाएंगे। साथ ही स्वतंत्रता सेनानी एवं पूर्व विधायक स्व रामजी प्रसाद सिंह जी की पुण्यतिथि 29 जुलाई 2026 के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम की रूपरेखा तय की जाएगी।

विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राएं व शिक्षक परेशान

आरा (दैनिक नवसंदेश)। लगातार हुई बारिश ने वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के कतीरा स्थित नूतन परिसर की व्यवस्था की पोल खोल दी। शुक्रवार और शनिवार को हुई बारिश के बाद परिसर के अधिकांश विभागों में जलजमाव हो गया, जिससे शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्र-छात्राओं को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। कुछ विभागों को छोड़कर अधिकतर शैक्षणिक भवनों के आसपास बारिश का पानी भर गया, जिससे परिसर तालाब जैसा नजर आने लगा। जलजमाव के कारण विभागों तक पहुंचने वाले रास्ते पूरी तरह पानी में डूब गए। छात्र-छात्राओं को जूते-चप्पल हाथ में लेकर पानी से होकर गुजरना पड़ा, वहीं कई शिक्षक भी पानी के बीच से होकर विभागों तक पहुंचे। कई स्थानों पर पानी भवनों के प्रवेश द्वार तक पहुंच गया, जिससे आवागमन बाधित रहा। छात्रों ने बताया कि हर वर्ष बारिश के दौरान नूतन परिसर में जलनिकासी की समस्या उत्पन्न हो जाती है, लेकिन अब तक इसका स्थायी समाधान नहीं हो सका है। जलजमाव के कारण कक्षाओं में पहुंचने में देरी हुई और कई विद्यार्थियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। परिसर में कीचड़ और गी फैलने से फिसलने का भी खतरा बना रहा। शिक्षकों का कहना है कि विश्वविद्यालय के नए परिसर में बेहतर जलनिकासी व्यवस्था होनी चाहिए, ताकि बारिश के दौरान शैक्षणिक गतिविधियां प्रभावित न हों। उन्होंने परिसर से शीघ्र पानी निकासी और स्थायी ड्रेनेज व्यवस्था विकसित करने की मांग की। छात्रों और शिक्षकों ने विश्वविद्यालय प्रशासन से मांग की है कि नूतन परिसर में जलनिकासी की समुचित व्यवस्था कराई जाए, ताकि हर बारिश के बाद उत्पन्न होने वाली इस समस्या से स्थायी रूप से निजात मिल सके।

राकेश रंजन ने 50 फलदार व छायादार वृक्षों का किया रोपण

आरा (दैनिक नवसंदेश)। भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के संयोजक राकेश रंजन और पुतुल ने शनिवार को आरा शहर एवं फोरलेन के आसपास छायादार व फलदार वृक्षों का रोपण किया। इस अवसर पर राकेश रंजन उर्फ पुतुल ने कहा कि पेड़ पौधे लगाना पर्यावरण व मानव जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक है। इससे हमें जीवनदायिनी अक्सीजन मिलता है। हवा शुद्ध होती है। पेड़-पौधे जल संरक्षण और वर्षा में भी सहायक होती है। पौधा लगाने से पर्यावरण अच्छा रहेगा, तो मानव को अक्सीजन भी मिलता रहेगा। हम सभी को बरसात के मौसम में कम से कम एक पौधा अपने नाम से लगाना चाहिए।

फीडर चार रहेगा बाधित तीन घंटे कटेगी बिजली

आरा (दैनिक नवसंदेश)। जापानी फर्म पीएसएस से निर्गत आरा शहरी फीडर सं-04 से 3 घंटे विद्युत आपूर्ती रहेगी। बंद जापानी फर्म से निर्गत आरा शहरी फीडर- 04 में पेड़ों की छटाई हेतु रविवार को सुबह 10 बजे से 01 बजे तक विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी। यूनिवर्सिटी, बजाज शोरूम, न्यू कलोनी पकड़ी, पकड़ी चौक, कृषि भवन, क्लब रोड, ब्लॉक रोड, न्यू कलोनी पकड़ी, एलजी शोरूम, मदन जी का हाता, पकड़ी चौक, डॉ. जितेन्द्र कुमार के आस पास के क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी।

आठ घंटे गुल रही बिजली

गड़हनी (दैनिक नवसंदेश)। गत आधी रात से शनिवार सुबह तक गड़हनी क्षेत्र में करीब आठ घंटे बिजली आपूर्ति ठप रहने से लोगों को उमस भरी गर्मी के बीच भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। पूरी रात बिजली नहीं रहने से बच्चे, बुजुर्ग तथा महिलाएं सबसे अधिक प्रभावित रहीं। 33 हजार केवी मुख्य विद्युत लाइन में तकनीकी खराबी आने के कारण पूरे क्षेत्र की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। बिजली विभाग के अधिकारी और कर्मी रातभर फल्ट की तलाश में जुटे रहे। काफी प्रयास के बाद शनिवार सुबह खराबी का पता लगाया गया और मरम्मत कार्य कर करीब सुबह आठ बजे बिजली आपूर्ति बहाल की गई।

भरत तिवारी एनकाउंटर : कल दो गवाह देंगे अपना बयान

भरत भूषण तिवारी का फाइल फोटो।

न्यायिक जांच ने पकड़ी रफ्तार आयोग के समक्ष माता-पिता दर्ज करा चुके हैं अपना बयान

आरा/शाहपुर (दैनिक नवसंदेश)। भरत तिवारी के कथित एनकाउंटर मामले की न्यायिक जांच में अब दो महत्वपूर्ण प्रत्यक्षदर्शी गवाहों की गवाही दर्ज की जाएगी। न्यायिक जांच आयोग के समक्ष भरत तिवारी के माता-पिता के बयान दर्ज होने के बाद सोमवार को मंटू चौधरी और सत्यनारायण चौधरी आयोग के समक्ष उपस्थित होकर अपना पक्ष रखेंगे। बताया जा रहा है कि दोनों गवाहों को न्यायिक जांच आयोग की ओर से समन जारी कर पेश होने का निर्देश दिया गया है। मंटू चौधरी और सत्यनारायण चौधरी का दावा है कि वे 17 जून की सुबह जवइनिया पुनर्वास टाउनशिप के समीप मौजूद थे। कथित एनकाउंटर के ठीक कुछ देर पहले पुलिस ने उन्हें घटनास्थल से बलपूर्वक हटा दिया था। जिसके कारण वे पूरी घटना के प्रत्यक्षदर्शी होने के बावजूद उस समय वहां नहीं रह सके। सूत्रों के अनुसार आयोग दोनों गवाहों के बयान को जांच के लिहाज से महत्वपूर्ण मान रहा है। संभावना है कि उनके बयान से घटनाक्रम की परिस्थितियों और उस समय की स्थिति पर महत्वपूर्ण तथ्य सामने आ सकते हैं। इसी कारण आयोग ने उन्हें गवाह के रूप में तलब किया है। गौरतलब है कि इससे पहले भरत तिवारी के माता-पिता न्यायिक जांच आयोग के समक्ष उपस्थित होकर अपना पक्ष रख चुके हैं। उन्होंने कथित एनकाउंटर को फर्जी बताते हुए निष्पक्ष जांच और दोषी पुलिसकर्मियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग दोहराई थी। अब लोगों की निगाहें मंटू चौधरी और सत्यनारायण चौधरी की गवाही पर टिकी हैं। माना जा रहा है कि आयोग के समक्ष दर्ज होने वाले उनके बयान इस बहुचर्चित मामले की जांच को नई दिशा दे सकते हैं। आयोग सभी पक्षों के बयान और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर अपनी जांच आगे बढ़ा रहा है।

जवइनिया के विस्थापितों को समाज का सहारा

बांध पर लगवाया चापाकल पुनर्वास में भेदभाव का आरोप

शाहपुर (दैनिक नवसंदेश)। गंगा कटाव से विस्थापित दामोदरपुर पंचायत के जवइनिया गांव के लोगों की मूलभूत समस्याएं अब भी बरकरार हैं। दो दिन पूर्व बांध पर रह रहे विस्थापित परिवारों से मिलने पहुंचे पर्यावरण कार्यकर्ता रमेश कुमार सुदामा से लोगों ने पुनर्वास और पेयजल संकट को लेकर अपनी पीड़ा साझा की थी।

उनका कहना था कि करीब 100 विस्थापित यादव, भूमिहार और ब्राह्मण परिवारों को अब तक पुनर्वास के लिए जमीन आवंटित नहीं की गई। विस्थापितों ने यह भी बताया कि बांध पर रहने के बावजूद सरकार की ओर से पेयजल की कोई समुचित व्यवस्था नहीं की गई है। जिससे लोगों को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। समस्याएं सुनने के बाद रमेश कुमार सुदामा ने दो चापाकल लगवाने का आश्वासन दिया था। इसी क्रम में शनिवार को सामाजिक कार्यकर्ता नागेश सम्राट के सहयोग से बांध पर एक चापाकल स्थापित कराया गया।

नागेश सम्राट ने कहा कि जो कार्य सरकार को करना चाहिए था। उसे समाज के लोगों को करना पड़ रहा है, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। हालांकि उन्होंने कहा कि जब तक सरकारी स्तर पर व्यवस्था नहीं होती, तब तक समाज के लोगों को आगे आकर जरूरतमंदों की मदद करनी चाहिए। श्री सुदामा ने बताया कि दूसरा चापाकल दो दिन बाद विस्थापित विनोद यादव के दरवाजे पर लगाया जाएगा। ताकि अधिक से अधिक परिवारों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो सके। इस अवसर पर दीपक पांडेय, आदित्य मिश्रा, आशुतोष पांडेय, अभिमन्यु ओझा, कमेश्नर मिश्रा, गणेश जी, मुन्ना समेत कई सामाजिक कार्यकर्ता एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

शहरी विकास योजना के तहत बिहियां नगर पंचायत में कराए जा रहे कार्य

आरा (दैनिक नवसंदेश)। जगदीशपुर अनुमंडल अंतर्गत बिहियां नगर पंचायत में मुख्यमंत्री समग्र शहरी विकास योजना के तहत शिव मंदिर से बियाडा नाला तक निर्माणाधीन आउटफल नाला कार्य संचालित है। उक्त योजना के अंतर्गत विद्युत पोलों को हटाने स्थानांतरित करने की विभागीय प्रक्रिया पूर्व से ही की जा रही थी, जिसके लिए आवश्यक तकनीकी एवं प्रशासनिक औपचारिकताओं के अनुरूप संबंधित विभागों द्वारा समन्वित रूप से कार्रवाई की जा रही थी। निर्धारित प्रक्रिया के क्रम में संबंधित विद्युत पोलों को हटाने/स्थानांतरित करने की कार्रवाई पूर्ण कर ली गई है। जिला प्रशासन द्वारा विकास कार्यो के निष्पादन के दौरान संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए आवश्यक प्रक्रियात्मक एवं तकनीकी मानकों के अनुपालन को सुनिश्चित किया जाता है। संबंधित निर्माण कार्य की नियमित समीक्षा भी की जा रही है। जिला पदाधिकारी, भोजपुर का स्पष्ट निर्देश है कि संबंधित निर्माण कार्य निर्धारित समयावधि के भीतर गुणवत्तापूर्ण एवं मानक अनुरूप संपन्न कराया जाए।

फिजियोथेरापिस्ट डॉ. दिव्य प्रकाश को मिला प्रशंसा पत्र

आरा (दैनिक नवसंदेश)। फिजियोथेरेपी के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य करने को लेकर फिजियोथेरापिस्ट डॉ. दिव्य प्रकाश को प्रशंसा-पत्र प्रदान किया गया। सिविल सर्जन भोजपुर डॉ. शिवेंद्र कुमार सिन्हा एवं सदर अस्पताल के अधीक्षक डॉ. अरुण कुमार द्वारा संयुक्त रूप से प्रशंसा पत्र जारी किया गया। अस्पताल के अधीक्षक डॉ. अरुण कुमार द्वारा फिजियोथेरापिस्ट डॉ. दिव्य प्रकाश को प्रशंसा-पत्र प्रदान किया गया। डॉ. प्रकाश काफी अनुभवी हैं, उन्होंने बीमारी से ग्रसित कई मरीजों का उपचार कर उन्हें बेहतरीन जिं प्रदान की है। सदर अस्पताल के ओपीडी के फिजियोथेरेपी विभाग में प्रत्येक सप्ताह के मंगलवार और शनिवार को मरीज डॉ दिव्य प्रकाश से परामर्श लेते हैं। इसके अलावे वे प्रत्येक माह की निर्धारित तिथि को निःशुल्क फिजियोथेरापी शिविर का आयोजन कर मरीज का उपचार एवं इलाज हेतु उचित परामर्श देते हैं। उन्हें बधाई देने वालों में सदर अस्पताल के चिकित्सक, गैर संचारी रोग विभाग के पदाधिकारी, फिजियोथेरापिस्ट, नर्स आदि शामिल हैं।

हत्या के प्रयास का फरार आरोपित गिरफ्तार

आरा (दैनिक नवसंदेश)। अजीमाबाद पुलिस ने हत्या के प्रयास के आरोपित को पवना थाना क्षेत्र के पवना गांव स्थित उनके घर से गिरफ्तार कर लिया गया। यह जानकारी पुलिस अधीक्षक राज ने दी। बता दें कि 29 मई को नारायणपुर थाना क्षेत्र के भलुनी गांव निवासी कृष्णा सिंह का पुत्र चंदन कुमार उर्फ भोला पवना गांव निवासी दीपक कुमार की बारात में शामिल होने सात-आठ अन्य लोगों के साथ अजिमाबाद थाना क्षेत्र के डिहरा गांव में गया था। वहां खाना खाने के बाद जब वह समियाना में बैठा था तभी कुछ लोगों ने उसे माहौल बनाने के लिए फायरिंग करने को कहा। इसके बाद दीपक कुमार पिस्टल लोड करने लगा तभी फायरिंग हो जाने से चंदन कुमार की मौत हो गयी।

डिग्री महाविद्यालय, बराप में किया जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

गड़हनी (दैनिक नवसंदेश)। जन सहकारी डिग्री महाविद्यालय, बराप में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वावधान में शनिवार को विश्व जनसंख्या दिवस तथा अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता सप्ताह के चौथे दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. अरविन्द कुमार पंकज तथा संचालन बिमलेश कुमार मिश्र ने किया। प्राचार्य ने कहा कि बढ़ती जनसंख्या पर नियंत्रण समय की आवश्यकता है। कार्यक्रम पदाधिकारी बिमलेश कुमार मिश्र ने कहा कि हम दो, हमारे दो के संदेश को अपनाकर, समाज को शिक्षित बनाकर तथा कम उम्र में होने वाली शादियों पर रोक लगाकर जनसंख्या नियंत्रण संभव है। अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता सप्ताह के अंतर्गत छात्र-छात्राओं ने निबंध, भाषण एवं पेंटिंग प्रतियोगिताओं में भाग लिया। शिक्षक प्रतिनिधि प्रो सज्जाद हैदर ने भी साक्षरता और जनसंख्या नियंत्रण के महत्व पर प्रकाश डाला।

सात सूत्री मांगों को लेकर पीजी शिक्षक संघ ने कुलपति को सौंपा ज्ञापन

आरा (दैनिक नवसंदेश)। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के ातकोत्तर शिक्षक संघ (पीजीटीए) ने विश्वविद्यालय के शिक्षकों, कर्मचारियों, सेवानिवृत्त कर्मियों एवं छात्रों के हितों से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों के समाधान की मांग को लेकर कुलपति को सात सूत्री ज्ञापन सौंपा। संघ ने शिक्षकों के वेतन का प्रत्येक माह नियमित एवं समयबद्ध भुगतान सुनिश्चित करने, सेवानिवृत्त कर्मियों की पेंशन का शीघ्र निष्पादन करने, पदोन्नति मामलों का त्वरित निस्तारण करने तथा राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के अंशदान का समय पर हस्तांतरण करने की मांग की। ज्ञापन में सुझाव दिया गया कि वेतन एवं पेंशन के नियमित भुगतान के लिए संबंधित बैंकों के साथ समझौता ज्ञापन किया जाए।एनपीएस व्यवस्था की सतत निगरानी के लिए एक संचालन समिति का गठन किया जाए। पीजीटीए ने अंतरिम व्यवस्था के रूप में विभागाध्यक्षों को यह अधिकार देने की मांग की कि वे वित्तीय संकट या आपातकालीन स्थिति में शिक्षकों को उनके लंबित वेतन के बदले अल्पकालिक वित्तीय सहायता या अग्रिम वेतन स्वी़त कर सकें। ज्ञापन में विश्वविद्यालय के बुनियादी ढांचे के व्यापक विकास पर भी विशेष बल दिया गया। संघ ने कक्षाओं, शिक्षक कक्षों, केंद्रीय पुस्तकालय, कमन रूम, स्वच्छ पेयजल, स्वच्छ शौचालय, साइनबोर्ड, दिव्यांगजन-अनुकूल रैंप, पुस्तकालय एवं सभागार के डिजिटलीकरण सहित अन्य आधारभूत सुविधाओं के शीघ्र उन्नयन की मांग की। साथ ही, संबंधित विभाग द्वारा सभी भवनों का भौतिक निरीक्षण कर आवश्यक मरम्मत एवं विकास कार्यो की विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने का अनुरोध किया गया। मौके पर संघ के अध्यक्ष डॉ. अमित कुमार, सचिव डॉ. आमिर महमूद, डॉ. रमेश कुमार, उपाध्यक्ष डॉ. ट्विंकल केसरी, संयुक्त सचिव डॉ. किरण शर्मा, कोषाध्यक्ष डॉ. रामधनी राम, डॉ. फौजिया रहमान, डॉ. अंकिता मिश्रा, डॉ. प्रियंका पाठक, डॉ. कुमारी प्रीतिका, डॉ. मनीष कुमार, डॉ. चिन्टू, डॉ. शैलजा सिंह सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

महादलित टोला में नाली के बीच से गुजर रही नल-जल की पाइपलाइन

कुर्था (एनएसबी)। एक ओर बिहार सरकार सात निश्चय योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने के उद्देश्य से नल-जल योजना का संचालन कर रही है, वहीं दूसरी ओर कुर्था प्रखंड की सचई पंचायत

के वार्ड संख्या-11 स्थित महादलित टोला में इस योजना की बदहाल तस्वीर सामने आई है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि वार्ड संख्या 11 में बने पानी टँकी के पास में लगभग एक दर्जन घरों का महादलित परिवार के लोग रहते हैं जिसमे नल-जल योजना की पाइपलाइन नाली के बीच से होकर गुजर रही है। ऐसे में लोगों के घरों तक पहुंचने वाला पानी दूषित होने की आशंका बनी रहती है। ग्रामीणों का कहना है कि नाली के आसपास से गुजरने वाली पाइपलाइन स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के सरकार के दावों पर सवाल खड़े करती है और इससे लोगों के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। ग्रामीणों ने बताया कि महादलित टोला होने के बावजूद इस समस्या की ओर अब तक संबंधित अधिकारियों का ध्यान नहीं गया है। उन्होंने पाइपलाइन को नाली से हटाकर सुरक्षित स्थान से बिछाने तथा पूरे इलाके में स्वच्छ पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं किया गया तो दूषित पानी के कारण संक्रामक बीमारियां फैलने का खतरा बना रहेगा। लोगों ने जिला प्रशासन और लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग (पीएचईडी) से शीघ्र जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है।

बोधबिगहा में आयोजित हुई लोक संवाद संगोष्ठी, पुलिस ने सुनीं ग्रामीणों की समस्याएं

कलेर (एनएसबी)। पुलिस महानिरीक्षक, मगध क्षेत्र के निदेर्शानुसार मेहंदिया थाना क्षेत्र के बोधबिगहा गांव में शनिवार को लोक संवाद संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पुलिस और आमजन के बीच संवाद को सशक्त बनाना, आपसी विश्वास बढ़ाना तथा लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना था। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए मेहंदिया थानाध्यक्ष

लोगों की समस्याएं सुनते थानाध्यक्ष।

मनोरंजन कुमार ने कहा कि पुलिस जनता की सुरक्षा, सेवा और विश्वास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे बिना किसी हिचकिचाहट अपनी समस्याएं, शिकायतें और सुझाव पुलिस के समक्ष रखें। उन्होंने भरोसा दिलाया कि प्राप्त शिकायतों का निष्पक्ष, पारदर्शी और शीघ्र निष्पादन किया जाएगा। थानाध्यक्ष ने कहा कि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस और जनता के बीच बेहतर समन्वय, सहयोग एवं विश्वास अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने लोगों से अफवाहों से बचने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने का आग्रह किया। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने क्षेत्र से जुड़ी विभिन्न समस्याओं और स्थानीय मुद्दों को पुलिस के समक्ष रखा। थानाध्यक्ष ने सभी मामलों पर गंभीरता से आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया और कहा कि जनसहभागिता से ही अपराध पर प्रभावी नियंत्रण संभव है। इस अवसर पर भाजपा जिला कोषाध्यक्ष कुंदन पाठक, पहलेजा पंचायत के मुखिया मुंद्रिका सिंह, जयपुर पंचायत के मुखिया राजदेव पासवान सहित कई जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। उपस्थित लोगों ने लोक संवाद संगोष्ठी की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम पुलिस और जनता के बीच विश्वास को मजबूत करने के साथ-साथ स्थानीय समस्याओं के समाधान में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।लोक संवाद संगोष्ठी सौहार्दपूर्ण एवं शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई।

शहर की बदहाली पर युवक क्रांति ने उठाए सवाल, खर्च का श्वेत पत्र जारी करने की मांग

जहानाबाद (एनएसबी)। युवक क्रांति के अध्यक्ष संजय कुमार यादव ने शनिवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में नगर परिषद की कार्यप्रणाली, शहर की सफाई व्यवस्था और विकास कार्यों को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि पिछले तीन वर्षों में शहर में जलजमाव, गंदगी और जर्जर सड़कों की

समस्या बनी हुई है, जिससे आम नागरिकों को लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। प्रेस विज्ञप्ति में संजय कुमार यादव ने दावा किया कि नगर परिषद को शहर की सफाई एवं रखरखाव के लिए प्रतिमाह लगभग ₹60 लाख का आवंटन प्राप्त हुआ। उनके अनुसार, पिछले तीन वर्षों में इस मद में लगभग ₹21.60 करोड़ तथा विकास कार्यों के लिए लगभग ₹3.55 करोड़ की राशि खर्च की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि इतनी राशि व्यय होने के बावजूद शहर की स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं दिख रहा है। उन्होंने नगर परिषद के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सशक्त स्थायी समिति के सदस्यों एवं वार्ड पार्षदों द्वारा किए जा रहे धरना-प्रदर्शन पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि जनप्रतिनिधियों को जनता के प्रति जवाबदेह होना चाहिए और विकास कार्यों की वास्तविक स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। युवक क्रांति ने प्रशासन एवं नगर परिषद से पिछले तीन वर्षों के आय-व्यय और विकास कार्यों का श्वेत पत्र जारी करने की मांग की है। संगठन का कहना है कि सफाई एवं विकास मद में खर्च की गई राशि का पूरा विवरण सार्वजनिक किया जाए, ताकि नागरिकों को वास्तविक स्थिति की जानकारी मिल सके।

बख्तियारपुर का नाम बदलने की मांग को लेकर पैदल मार्च

बाढ़ (एनएसबी)। अनुमंडल के बख्तियारपुर शहर का नाम बदलने की मांग को लेकर आंदोलन तेज होता जा रहा है। लेट्स एम्पावर बिहार के बैनर तले स्थानीय लोगों ने पैदल मार्च निकालकर अपनी मांग सरकार तक पहुंचाने का प्रयास किया। प्रदर्शनकारियों ने मुगल आक्रांता बख्तियार खिलजी के नाम पर शहर का नाम रखे जाने का विरोध करते हुए बख्तियारपुर का नाम बदलकर मगधपुर करने की मांग दोहराई। पैदल यात्रा में चेयरमैन पवन सिंह, हिमांशु कुमार, पप्पू डॉन, संजय यादवेंदु, टुली सिंह, उपेंद्र सिंह, दीपक कुमार, मोहित सिंह, विद्या विनोद प्रेमी, हैप्पी, अभय और सौरव सहित सैकड़ों की संख्या में नगर के युवा एवं बुजुर्ग शामिल हुए। यात्रा के दौरान प्रतिभागियों ने शहर के विभिन्न मार्गो का भ्रमण कर अपनी मांग के समर्थन में नारे लगाए।

सीएचसी कुर्था में परिवार नियोजन मेला का हुआ आयोजन

कुर्था (एनएसबी)। बिहार सरकार द्वारा संचालित 'मिशन परिवार विकास अभियान' के तहत शनिवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) कुर्था में परिवार नियोजन मेला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. प्रमोद कुमार ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर आशा कार्यकताओं ने परिवार नियोजन के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए जागरूकता रैली भी निकाली।

जागरूकता रैली में भाग लेते लोग।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. प्रमोद कुमार ने कहा कि मिशन परिवार विकास अभियान का उद्देश्य लोगों को परिवार नियोजन के प्रति जागरूक करना तथा छोटे परिवार के महत्व को समझाना है। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों एवं सार्वजनिक स्थलों पर परिवार नियोजन से संबंधित बैनर-पोस्टर लगाकर लोगों को उपलब्ध निःशुल्क सेवाओं की जानकारी दी जा रही है। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में महिला बंध्याकरण, पुरुष नसबंदी, गर्भनिरोधक गोलियां, गर्भनिरोधक इंजेक्शन, कॉपर-टी, कंडोम तथा परिवार नियोजन संबंधी परामर्श जैसी सुविधाएं पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं। डॉ. प्रमोद कुमार ने लोगों से अपील की कि वे परिवार नियोजन के साधनों को अपनाकर स्वस्थ, खुशहाल एवं सुरक्षित परिवार के निर्माण में अपनी भागीदारी निभाएं। उन्होंने कहा कि अधिक जानकारी एवं सेवाओं के लिए लोग अपने नजदीकी स्वास्थ्य उपकेंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अथवा आशा कार्यकर्ता से संपर्क कर सकते हैं। कार्यक्रम में स्वास्थ्यकर्मी, आशा कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

दिल्ली जंतर-मंतर पर छात्रों के आमरण अनशन के समर्थन में आरवाईए का विरोध मार्च

मार्च में शामिल लोग।

अरवल (एनएसबी)। दिल्ली के जंतर-मंतर पर परीक्षा व्यवस्था में कथित पेपर लीक, भ्रष्टाचार और छात्रों की मौतों के लिए न्याय की मांग को लेकर चल रहे आंदोलन एवं आमरण अनशन के समर्थन में इंकलाबी नौजवान सभा (आरवाईए) के बैनर तले भाकपा (माले) जिला कार्यालय से एक विरोध मार्च निकाला गया। मार्च भगत सिंह चौक होते हुए स्वतंत्रता सेनानी पार्क पहुंचा, जहां सभा आयोजित की गई। सभा की अध्यक्षता इंकलाबी नौजवान सभा के राज्य कमेटी सदस्य कॉ. नीतीश कुमार ने की। सभा को संबोधित करते हुए आरवाईए के जिला सचिव कॉ. रमाकांत कुमार उर्फ टूना शर्मा ने कहा कि देश का छात्र आज अपने भविष्य को बचाने के लिए सड़कों पर उतरने को मजबूर है। वर्षों की मेहनत के बाद भी यदि प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक और अनियमितताओं के आरोप लगातार सामने आते हैं, तो यह देश के युवाओं के भविष्य के साथ गंभीर अन्याय है। उन्होंने कहा कि सरकार इस संकट की जिम्मेदारी से बच नहीं सकती और उसे जवाब देना होगा। उन्होंने मांग की कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दें, एनटीए को भंग कर निष्पक्ष एवं जवाबदेह परीक्षा प्रणाली बनाई जाए, पेपर लीक पर प्रभावी रोक लगाने के लिए कड़े कदम उठाए जाएं,तथा परीक्षा संबंधी भ्रष्टाचार में शामिल सभी दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि छात्रों की मौतों और लगातार बढ़ते मानसिक दबाव को गंभीरता से लेते हुए सरकार को छात्रों के हित में ठोस कदम उठाने चाहिए। शिक्षा को मुनाफे का माध्यम नहीं, बल्कि हर छात्र का अधिकार माना जाना चाहिए। सभा में वक्ताओं ने रोहित वेमुला की स्मृति में न्याय और संस्थानों में भेदभाव के विरुद्ध 'रोहित एक्ट' लागू करने की भी मांग उठाई। उन्होंने कहा कि देश के हर छात्र को समान अवसर, सम्मान और सुरक्षित शैक्षणिक वातावरण मिलना चाहिए। वक्ताओं ने कहा कि जब छात्र न्याय की मांग करते हैं, तब उनकी आवाज सुनने के बजाय दमन का रास्ता अपनाना लोकतंत्र की भावना के विपरीत है। सरकार को छात्रों की मांगों पर गंभीरता से संवाद करना चाहिए। विरोध प्रदर्शन में अरविंद पासवान, गुड्डू कुमार, संजय यादव, दुर्गा प्रसाद सहित सैकड़ो छात्रझ्युवा एवं आम नागरिक शामिल हुए।

बालिकाओं को जागरूक करने के लिए सखी वार्ता कार्यक्रम का किया गया आयोजन

अरवल (एनएसबी)। जिला पदाधिकारी अमृषा बैंस के निर्देश पर जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, आईसीडीएस सह जिला नोडल पदाधिकारी, महिला एवं बाल विकास निगम माला कुमारी के मार्गदर्शन में जिला महिला सशक्तिकरण कार्यालय एवं वन स्टॉप सेंटर के कर्मियों द्वारा कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, फखरपुर, अरवल में बालिकाओं को जागरूक करने के उद्देश्य से किशोरियों के लिए सखी वार्ता कार्यक्रम के माध्यम से करियर मार्गदर्शन एवं महिला सशक्तिकरण विषयक कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओ को कैरियर, उच्च शिक्षा, आत्मनिर्भरता, महिला सुरक्षा, लैंगिक समानता, बाल विवाह, दहेज प्रथा, घरेलू हिंसा, कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न, मानव तस्करी तथा सरकार द्वारा संचालित महिला एवं बालिका कल्याण योजनाओं के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में वन स्टॉप सेंटर के केंद्र प्रशासक शिम्पू कुमारी,

कार्यक्रम में भाग लेते लोग।

मनोसामाजिक परामर्शी प्रिया कुमारी एवं जिला हब फॉर एम्पॉवरमेंट ऑफ वूमेन कार्यालय के वित्तीय साक्षरता विशेषज्ञ कविता सिंह ने छात्राओं को विस्तारपूर्वक जानकारी दी। छात्राओं ने पूरे उत्साह के साथ कार्यक्रम में भाग लिया। इस दौरान किशोरियों के बीच प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया, जिसमें प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली बालिकाओं को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया साथ हीं सभी प्रतिभागियों के बीच बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ लोगोयुक्त टीशर्ट व टोपी का वितरण किया गया। इस संबंध में जिला प्रोग्राम पदाधिकारी माला कुमारी ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिला सशक्तिकरण के लिए बालिकाओं के विचार जानना और उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करना है। बालिकाएं ही देश का भविष्य हैं। शिक्षा और जागरूकता से ही हम सशक्त समाज का निर्माण कर सकते हैं। इस तरह के आयोजन आगे भी जारी रहेंगे। बालिकाएं शिक्षित, सुरक्षित और विकसित समाज एवं समृद्ध राष्ट्र की सबसे मजबूत आधारशिला हैं। जिला प्रशासन की प्राथमिकता है कि प्रत्येक बेटी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, और समान अवसर उपलब्ध हों, ताकि वह अपने सपनों को साकार कर विकास में अग्रणी भूमिका निभा सके।

राजस्व की समीक्षा बैठक संपन्न लंबित मामलों के निपटारे डीएम ने दिया निर्देश

अरवल (एनएसबी)। जिला पदाधिकारी की अध्यक्षता में राजस्व कार्यो की समीक्षा बैठक आयोजित, लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन के दिए निर्देश जिला पदाधिकारी अमृषा बैंस की अध्यक्षता में राजस्व विभाग से संबंधित विभिन्न कार्यो की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उप विकास आयुक्त शैलेश कुमार अपर समाहर्ता,भूमि सुधार उप समाहर्ता, प्रभारी पदाधिकारी, राजस्व शाखा एवं जिले के सभी अंचल अधिकारी (सीओ) उपस्थित रहे।

बैठक में जिला पदाधिकारी द्वारा दाखिल-खारिज, जमाबंदी परिमार्जन, ऑनलाइन जमाबंदी, भूमि मापी, भू-विवादों के निष्पादन, अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई, सरकारी भूमि की सुरक्षा, राजस्व वसूली, लोक शिकायत निवारण, जनता दरबार से प्राप्त परिवादों के निष्पादन तथा अन्य राजस्व संबंधी लंबित मामलों की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक करते डीएम।

समीक्षा के दौरान जिला पदाधिकारी ने सभी अंचल अधिकारियों को निर्देशित किया कि राजस्व से संबंधित सभी आवेदनों एवं मामलों का निष्पादन निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण एवं पारदर्शी तरीके से सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों को राजस्व सेवाओं के लिए अनावश्यक रूप से कार्यालयों का चक्कर न लगाना पड़े, इसके लिए सभी पदाधिकारी संवेदनशीलता एवं जवाबदेही के साथ कार्य करें।

जिला पदाधिकारी ने सरकारी भूमि को अतिक्रमण से मुक्त रखने, भूमि विवादों का त्वरित निष्पादन करने, लंबित दाखिल-खारिज एवं परिमार्जन मामलों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करने तथा राजस्व वसूली में अपेक्षित प्रगति लाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा भूमि सुधार उपसमाहर्ता क्षेत्र के अंचलों की नियमित समीक्षा करते हुए लंबित मामलों की सतत निगरानी करें तथा आवश्यकतानुसार अंचल अधिकारियों को मार्गदर्शन प्रदान करें। बैठक के दौरान जिन अंचलों में राजस्व कार्यो की प्रगति अपेक्षाकृत धीमी पाई गई, वहां संबंधित अंचल अधिकारियों को कार्यों में तेजी लाने एवं निर्धारित लक्ष्यों की समयबद्ध प्राप्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। साथ ही सभी पदाधिकारियों को आपसी समन्वय स्थापित कर राजस्व प्रशासन को अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं जनोन्मुख बनाने पर विशेष बल दिया गया।

गया से हुआ वर्ल्ड हेरिटेज ओलम्पियाड-2026 का शुभारंभ, आईजी विकास वैभव ने युवाओं से कहा-"आइए, मिलकर प्रेरित करें बिहार"

जहानाबाद (एनएसबी)। बिहार की गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत से नई पीढ़ी को जोड़ने के उद्देश्य से वर्ल्ड हेरिटेज ओलम्पियाड-2026 का विधिवत शुभारंभ शनिवार को गया कॉलेज के सभागार में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मगध रेंज के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) एवं 'लेट्स इंस्पायर बिहार' के मुख्य संरक्षक आईपीएस विकास वैभव थे। उन्होंने बिहार की ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण एवं युवाओं की सक्रिय भागीदारी पर विशेष बल देते हुए जहानाबाद सहित पूरे बिहार के विद्यार्थियों से ओलम्पियाड में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की।

> **जहानाबाद सहित पूरे बिहार के विद्यार्थियों से बढ़-चढ़कर भागीदारी की अपील, 31 अगस्त तक होगा पंजीकरण**
>
> **जो अपनी धरोहर को पहचान लेता है,वह इतिहास नहीं, भविष्य भी लिखता है।**

अपने संबोधन में आईजी विकास वैभव ने कहा कि प्राचीन काल में बिहार लंबे समय तक भारत की राजधानी रहा और इसकी ऐतिहासिक धरोहरें आज भी राज्य के विभिन्न हिस्सों में बिखरी हुई हैं। उन्होंने कहा कि वर्ल्ड हेरिटेज ओलम्पियाड-2026 केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि युवाओं को अपनी जड़ों, संस्कृति और प्राचीन ज्ञान परंपरा से जोड़ने का सशक्त अभियान है। उन्होंने सभी विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं तथा शिक्षकों से इस अभियान में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान करते हुए संदेश दिया— "आइए, मिलकर प्रेरित करें बिहार।"

31 अगस्त तक होगा पंजीकरण, सितंबर-अक्टूबर में होगी परीक्षा : वर्ल्ड हेरिटेज ओलम्पियाड के प्रेसिडेंट डॉ. अनंताशुतोष द्विवेदी ने ओलम्पियाड की रूपरेखा एवं तकनीकी पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विद्यालयों एवं महाविद्यालयों का पंजीकरण जारी है तथा जिन संस्थानों ने अभी तक पंजीकरण नहीं कराया है, वे मोबाइल नंबर 7761902685 पर संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि पंजीकरण की अंतिम तिथि 31 अगस्त 2026 निर्धारित की गई है। सितंबर एवं अक्टूबर माह में बिहार के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में ओलम्पियाड आयोजित होगा, जबकि विश्व धरोहर सप्ताह (19 से 25 नवंबर) के दौरान पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया जाएगा। गया कॉलेज के प्राचार्य प्रो. सतीश सिंह चंद्रा ने कहा कि राज्यभर के विद्यार्थियों में धरोहर संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से यह आयोजन अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि गया कॉलेज के लिए यह गर्व का विषय है कि वर्ल्ड हेरिटेज ओलम्पियाड-2026 का शुभारंभ इसी परिसर से हो रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि कॉलेज के बड़ी संख्या में विद्यार्थी इस ओलम्पियाड में भाग लेंगे।

चैती पीपर हिंसा के विरोध में माले का प्रतिवाद मार्च, 20 जुलाई को 'चैती पीपर चलो' का आह्वान

जहानाबाद (एनएसबी)। घोषी प्रखंड के चैती पीपर गांव में 4 जुलाई को हुई हिंसक घटना के विरोध में शनिवार को भाकपा (माले) के बैनर तले शहर में प्रतिवाद मार्च निकाला गया। काको चौक से शुरू होकर अरवल मोड़ तक पहुंचे इस मार्च के बाद आयोजित सभा में पार्टी नेताओं ने घटना की निष्पक्ष जांच, पीड़ितों की सुरक्षा तथा दोषियों पर कार्रवाई की मांग की। साथ ही 20 जुलाई को 'चैती पीपर चलो' कार्यक्रम आयोजित करने की घोषणा की गई।

प्रतिवाद मार्च में हमले में घायल रेशमी देवी तथा चैती पीपर गांव के कई पीड़ित परिजन भी शामिल हुए। उन्होंने घटना की निष्पक्ष जांच और दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए न्याय की गुहार लगाई।

माले ने जांच और कार्रवाई को लेकर उठाए सवाल : प्रतिरोध सभा को संबोधित करते हुए अरवल के पूर्व विधायक महानंद सिंह ने आरोप लगाया कि घटना में घायल अजय राम और विजय राम को साजिश के तहत फंसाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि यदि ऐसा हुआ तो पार्टी इसका विरोध करेगी। उन्होंने घटना की जांच को निष्पक्ष ढंग से कराने की मांग करते हुए मृतक धीरज शर्मा के कथित बयान और पूरे घटनाक्रम पर भी सवाल उठाए। महानंद सिंह ने कहा कि घटना से जुड़े सभी तथ्यों की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच होनी चाहिए, ताकि वास्तविक दोषियों की पहचान हो सके। मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों ने बालू माफिया के विरुद्ध कार्रवाई, अवैध बालू खनन पर रोक, पीड़ित परिवारों को न्याय तथा कथित रूप से निर्दोष लोगों को झूठे मुकदमों में नहीं फंसाने की मांग की। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में शौचालय निर्माण सहित अन्य बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग भी उठाई गई।

> **पीड़ितों को न्याय, निष्पक्ष जांच और सुरक्षा की मांग; काको चौक से अरवल मोड़ तक निकाला मार्च**

20 जुलाई को 'चैती पीपर चलो' अभियान का एलान : प्रतिवाद मार्च एवं सभा का नेतृत्व महानंद सिंह, डॉ. रामाधार सिंह, रविंद्र यादव, संजय चंद्रवंशी, सुबोध चंद्रवंशी, विनोद भारती, प्रदीप कुमार, धनंजय कुमार, वेंकटेश कुमार, हसनैन अंसारी, गौतम कुमार, नीतीश कुमार, रेणु देवी, प्रमिला देवी, अरुण बिन्द, वितन मांझी एवं दिलीप बिन्द सहित अन्य नेताओं ने किया। कार्यक्रम के अंत में भाकपा (माले) ने 20 जुलाई को 'चैती पीपर चलो' अभियान में बड़ी संख्या में लोगों से शामिल होने का आह्वान किया।